kanwhizztimes

@kanwhizztimes lucknow

@kanwhizztimes

www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-222 ❐ रविवार, 13 सितम्बर 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12



अभाव और मजबूरी का दौर अब समाप्त हो चुका है। ग्रामीण महिलाएं अब न केवल अपने पैरों पर खड़ी हैं, बल्कि परिवार का आर्थिक संबल बनकर बच्चों को उच्च शिक्षा दिला रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के विजन से अब तक 3 करोड़ से अधिक लखपति दीदियां तैयार हो चुकी हैं और अब अगला लक्ष्य 6 करोड़ लखपति दीदियां बनाने का है। **शिवराज सिंह चौहान**

बसपा में पीढ़ीगत बदलाव की तैयारी 11

ब्रिक्स बाजार में दिखी भारत-ईरान की सांस्कृतिक झलक 12

संक्षेप

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान युद्ध खत्म होगा : ट्रंप

डबलिन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध समाप्त होने के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। डबलिन में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि युद्ध बहुत जल्द खत्म हो सकता है और संभवतः मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद ऐसा होगा।

हाफिज सईद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू की एक विशेष अदालत को बताया कि भारत का मोस्ट-वॉन्टेड आतंकी और लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक हाफिज सईद पाकिस्तान में है। एजेंसी ने उसके खिलाफ दो महीने में दूसरा गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) हासिल किया है। यह वारंट केंद्र शासित प्रदेश में काम कर रहे आतंकवादी समूहों को हथियार, फंड और निर्देश देने से जुड़े एक आतंकी मामले में जारी किया गया है। विशेष अदालत एनआईए की उस अर्जी पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सईद के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 75 के तहत एनबीडब्ल्यू जारी करने की मांग की गई थी। एनआईए ने अदालत को बताया कि सईद पाकिस्तान से काम कर रहा है और कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकवादियों को हथियार, पैसे और निर्देश दे रहा है। जानकारी मिली है कि उक्त आतंकवादी अभी पाकिस्तान में है और कानून की पकड़ से बचने के लिए जान-बूझकर गिरफ्तारी से बच रहा है। एजेंसी की दलीलें सुनने के बाद, विशेष एनआईए अदालत के जज प्रेम सागर ने 8 सितंबर को कहा कि जांच के दौरान सईद की भूमिका सामने आई है और वह 'कथित तौर पर आतंकवाद में शामिल है। कोर्ट ने देखा कि वह फरार है और जांच एजेंसी उसे 'सामान्य तरीके से' पेश नहीं करा पाई है, इसलिए सईद के खिलाफ एक सामान्य गैर-जमानती वारंट जारी किया। यह नया वारंट, जम्मू में विशेष एनआईए अदालत द्वारा लश्कर-ए तैयबा (एलईटी) के संस्थापक के खिलाफ दो महीनों में जारी किया गया दूसरा गैर-जमानती वारंट है।

हिंदी लेखन के लिए सांसद बृजलाल को मिलेगा 'साहित्यमहोपाध्याय' सम्मान

लखनऊ। यूपी के पूर्व डीजीपी और राज्यसभा सांसद बृजलाल को हिंदी लेखन एवं साहित्य सेवा के लिए हिंदी साहित्य सम्मेलन-प्रयाग की ओर से साहित्य महोपाध्याय सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। उन्हें 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर प्रयागराज में चार अन्य विद्वानों के साथ सम्मानित किया जाएगा। बृजलाल, संसद की स्थायी समिति, कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी, के अध्यक्ष भी है।

बदलती दुनिया के लिए बदलने होंगे वैश्विक संस्थान

नई दिल्ली घोषणा पर ब्रिक्स में बनी सहमति, कूटनीति और बातचीत से विवाद सुलझाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में नई दिल्ली घोषणा-2026 को सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समापन सत्र में घोषणा का मसौदा सदस्य देशों के सामने रखा और पूछा कि क्या किसी देश को इस पर कोई आपत्ति है। किसी भी सदस्य देश की ओर से आपत्ति नहीं जताए जाने के बाद घोषणा को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। घोषणा को ब्रिक्स सहयोग की आगे की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जा रहा है।

नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर सदस्य देशों के साझा रुख के साथ-साथ आर्थिक, व्यापारिक, तकनीकी और वित्तीय सहयोग को आगे बढ़ाने की प्राथमिकताएं शामिल की गई हैं। घोषणा में युद्ध और टकराव रोकने, अंतरराष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करने, वैश्विक व्यापार को स्थिर बनाए रखने और बदलती दुनिया के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समापन संबोधन में कहा कि घोषणा में शिखर सम्मेलन के दौरान हुई चर्चाओं का सार और ब्रिक्स सहयोग को आगे बढ़ाने की प्राथमिकताएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों के बीच अलग-अलग मुद्दों पर विचारों में विविधता हो सकती है, लेकिन सहयोग को लेकर साझा प्रतिबद्धता स्पष्ट है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे में पुराने वैश्विक संस्थानों और उनकी मौजूदा कार्यप्रणाली के माध्यम से बदलती दुनिया की जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने वैश्विक संस्थानों में प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम बनाने की प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।



मोदी ने कहा कि दुनिया की बदलती परिस्थितियों और नई वैश्विक जरूरतों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भी बदलना होगा। उनका कहना था कि वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में सभी क्षेत्रों और देशों की उचित भागीदारी होनी चाहिए, ताकि लिए गए फैसलों को व्यापक स्वीकार्यता मिल सके।

उन्होंने विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक स्तर पर और मजबूती से सामने लाने की जरूरत है।

नई दिल्ली घोषणा में युद्ध और टकराव को रोकने की कोशिशों को तेज करने पर जोर दिया गया है। सदस्य देशों ने माना कि किसी भी संघर्ष को केवल तत्काल उपायों से खत्म करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए विवादों की मूल वजहों को समझना और उन्हें दूर करने की दिशा में प्रयास करना जरूरी है। ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान बातचीत, आपसी सलाह और कूटनीति के माध्यम से करने की प्रतिबद्धता दोहराई। घोषणा में शांतिपूर्ण तरीकों को प्राथमिकता देने और तनाव को बढ़ाने वाले कदमों से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सदस्य देशों ने कहा कि अलग-अलग देशों के विचार और राष्ट्रीय हित अलग हो सकते हैं, लेकिन वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए संवाद और सहयोग का रास्ता खुला रहना चाहिए।

घोषणा के प्रमुख संकल्प

- ❐ विवादों की मूल वजहों को दूर करने पर जोर।
- ❐ अंतरराष्ट्रीय विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की प्रतिबद्धता।
- ❐ वैश्विक मुद्दों पर सभी देशों के विचारों और हितों को महत्व देने पर जोर।
- ❐ एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क उपायों को वैश्विक व्यापार के लिए चुनौती बताया।
- ❐ परमाणु टकराव के बढ़ते जोखिम को लेकर गंभीर चिंता।
- ❐ भुगतान व्यवस्था पर बातचीत जारी रखने और व्यावहारिक समाधान तलाशने पर सहमति।
- ❐ अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ उठाए जाने वाले एकतरफा आर्थिक उपायों का विरोध।
- ❐ व्यापार और ऊर्जा की सुचारू आवाजाही बनाए रखने पर जोर।
- ❐ नई तकनीकों के विकास और नियम निर्धारण में बराबर भागीदारी की मांग।
- ❐ प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम बनाने की प्रक्रिया में बदलाव की जरूरत पर जोर।

नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए ऐसी बहुपक्षीय व्यवस्था की जरूरत बताई गई है, जिसमें अलग-अलग देशों के विचारों और राष्ट्रीय हितों का सम्मान किया जाए। ब्रिक्स देशों ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग किसी एक देश या कुछ देशों की प्राथमिकताओं तक सीमित नहीं होना चाहिए। वैश्विक व्यवस्था में सभी देशों की संप्रभुता, समानता और राष्ट्रीय परिस्थितियों का सम्मान किया जाना चाहिए। घोषणा में सहयोग के ऐसे रास्ते तलाशने की जरूरत बताई गई है, जिनसे विकासशील देशों की आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं को भी पर्याप्त महत्व मिले। नई दिल्ली घोषणा में एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क उपायों के बढ़ते इस्तेमाल पर गंभीर चिंता जताई गई। ब्रिक्स देशों ने कहा कि इस तरह के कदम वैश्विक व्यापार को प्रभावित करते हैं और विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। घोषणा में वैश्विक व्यापार व्यवस्था को स्थिर, निष्पक्ष और पूर्वानुमान योग्य बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सदस्य देशों ने कहा कि व्यापारिक विवादों का समाधान नियम आधारित व्यवस्था और बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके साथ ही वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को सुचारू बनाए रखने और ऊर्जा की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता भी बताई गई। ब्रिक्स देशों ने परमाणु खतरे ● शेष पेज 11 पर

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हुआ ब्रिक्स, पहलगाम हमले की कड़ी निंदा

बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों ने अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। सदस्य देशों ने ब्रिक्स देशों के खिलाफ हुए अन्य आतंकी हमलों की भी आलोचना की और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद से जुड़ी मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर विचार करना और सदस्य देशों के बीच सूचना, अनुभव तथा आतंकवाद रोधी उपायों में सहयोग को और प्रभावी बनाना रहा। बैठक में आतंकवाद के बदलते स्वरूप, नई चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान ब्रिक्स सदस्य देशों ने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। भारत ने इस हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति को और स्पष्ट करते हुए कहा है कि आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति जारी रहेगी। भारत ने पहलगाम हमले के बाद एकजुटता और समर्थन दिखाने के लिए ब्रिक्स सदस्य देशों का आभार जताया। बैठक में सदस्य देशों ने आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सदस्य देशों ने माना कि आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती है। इसलिए इसके खिलाफ लड़ाई में देशों के बीच लगातार समन्वय और सहयोग आवश्यक है।

अल-कायदा के इंडियन माड्यूल का आतंकी नबील आजमगढ़ से गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- ❐ एटीएस ने दबोचा, वाट्सएप ग्रुप के जरिए फैला रहा था जिहाद
- ❐ जम्मू-कश्मीर के कई युवकों समेत विदेशी भी ग्रुप से जुड़े थे
- ❐ बांग्लादेश से लेकर सऊदी अरब तक फैला रखा था नेटवर्क
- ❐ अरबी में ला-गालिब-इल्लल्लाह नाम से बनाया गया था ग्रुप



लखनऊ। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल-कायदा इन इंडियन सब कॉटीनेट (एक्यूआईएस) से जुड़े आतंकी मोहम्मद नबील को आजमगढ़ से गिरफ्तार किया है। वह अरबी में ला-गालिब-इल्लल्लाह नाम से वाट्सएप ग्रुप के जरिए जिहाद फैला रहा था। उसका नेटवर्क जम्मू-कश्मीर से लेकर बांग्लादेश, म्यांमार व सऊदी अरब तक फैला था। एटीएस उससे शुरुआती पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर और गहनता से छानबीन कर रही है।

एटीएस के अनुसार आरोपी मूलरूप से आजमगढ़ के ग्राम चितारा का निवासी है। वह अपने साथियों के साथ मिलकर पाकिस्तान के सहयोग से भारत में गजवा-ए-हिंद की योजना बना रहा था। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिए उसकी संदिग्ध गतिविधियां की सूचना पर एटीएस ने छानबीन शुरू की थी। देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता व षड्यंत्र में शामिल होने के तथ्य सामने आने पर आरोपी नबील को गिरफ्तार किया गया। आरोपी आतंकी संगठन अल-कायदा के आतंकी अनवर उल अवलाकी की विचारधारा से प्रेरित होकर कट्टरपंथी युवको को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर उन्हें जिहाद के लिए उकसा रहा था। युवकों को मुजाहिद बनाने तथा इसके लिए धन व अत्याधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण दिलाने का षड्यंत्र रचा जा रहा था।

नबील के वाट्सएप ग्रुप में जम्मू-कश्मीर के युवकों के अलावा बांग्लादेश, म्यांमार व सऊदी अरब के भी कई युवक जुड़े थे। ग्रुप के माध्यम से आरोपी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन एक्यूआईएस की विचारधारा को प्रचारित व प्रसारित कर रहा था। आरोपी ने सोशल मीडिया के इंक्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर ग्रुप बनाकर कई कट्टरपंथी युवकों को जोड़ा था और जिहाद के लिए धन भी जुटाया जा रहा था। इन तथ्यों की पुष्टि होने पर एटीएस ने आरोपी के विरुद्ध विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। एटीएस के अनुसार आरोपी नबील के मोबाइल फोन के पड़ताल में एक्यूआईएस की विचारधारा को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ● शेष पेज 11 पर

एनआईए ने लश्कर नेटवर्क से जुड़े 10 ठिकानों पर छापे मारे

श्रीनगर। कश्मीर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क से जुड़े 10 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आतंकी संगठन के पाकिस्तान में छिपे आकाओं और उनके स्थानीय 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' से जुड़ी साजिश के सिलसिले में की गई। एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, तलाशी अभियान कुपवाड़ा, कुलगाम, बांदीपोरा, बारामूला और सोपोर में चलाया गया। इस दौरान साजिश से जुड़े अतिरिक्त सबूत जुटाने के अलावा घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को रसद और अन्य सहायता देने वाले लोगों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। यह मामला मूल रूप से श्रीनगर के जकूरा थाने में दर्ज किया गया था, जिसे बाद में एनआईए ने यूएपीए और अन्य धाराओं में दोबारा दर्ज किया। कार्रवाई के दौरान कई नई आपत्तिजनक सामग्रियां जब्त की गई हैं, जिनका मिलान पहले से एकत्र किए गए सबूतों के साथ किया जा रहा है। नतीजों के आधार पर ● शेष पेज 11 पर

लेखपाल भर्ती परिणाम में गड़बड़ी नहीं हुई : आयोग

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- ❐ अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं: आयोग सचिव
- ❐ डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए 28,409 अभ्यर्थी चयनित

EXAM RESULTS

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के सचिव हरिकेश चौरसिया ने लेखपाल परीक्षा परिणाम को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि आयोग द्वारा पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ रिजल्ट जारी किया गया है। परिणाम जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और आयोग लगातार निष्पक्षता के साथ परीक्षाओं का आयोजन कर रहे हैं। परीक्षाओं के परिणाम भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत सही तरीके से घोषित किए जा रहे हैं। आयोग की पूरी प्रक्रिया सॉफ्टवेयर आधारित है, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे में रिजल्ट में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है।

सचिव ने कहा कि परीक्षा परिणामों को लेकर आरोप लगाने वालों के पास यदि कोई तथ्य हैं, तो उन्हें सामने रखना चाहिए। बिना किसी ठोस तथ्य के आरोप लगाना उचित नहीं है। कुछ लोग या तो अपने माता-पिता को गुमराह कर रहे हैं या फिर किसी बाहरी उद्देश्य से ऐसा कर रहे हैं। ऐसे आरोपों का कोई आधार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग की प्राथमिकता अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य के साथ आयोग लगातार कार्य कर रहा है और भविष्य में भी परीक्षाओं तथा परिणामों की शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यूपीएसएसएससी ने उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती परीक्षा 2025 की मुख्य लिखित ● शेष पेज 11 पर

हर बच्चे को पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए 'एग्जाम वॉरियर्स' : सीएम

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

आकांक्षा

- ❐ मुख्यमंत्री ने किया 5वें गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 का शुभारंभ, युवाओं से कहा- अपना बुक बैंक बनाएं



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर बच्चे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' जरूर पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह कहना अन्याय होगा कि युवा किताब नहीं पढ़ता, जरूरत किताबों को उन तक पहुंचाने की थी। ज्ञान को संकुचित दायरे में सीमित करने के दुष्परिणाम समाज और राष्ट्र, दोनों को भुगतने पड़ते हैं। 10 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया गया था। यूपी के नौजवान के सामने पहचान का संकट था और नागरिक अपनी पहचान बताने से बचते थे। सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश की तस्वीर बदली है। डिजिटल युग ने शहर और गांव की दूरी को कम किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 5वें गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 का शुभारंभ करने के उपरांत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने वहां मौजूद बच्चों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' वितरित की। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को यह पुस्तक पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह केवल स्कूली छात्रों के लिए नहीं, बल्कि हर युवा और नागरिकों के लिए भी उपयोगी है। जीवन में हर व्यक्ति को किसी न किसी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। कभी डिग्री के लिए, कभी सर्टिफिकेट कोर्स के लिए और कभी जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में। जब मुश्किल समय में व्यक्ति की हिम्मत जवाब देने लगती है, तब 'एग्जाम वॉरियर्स' उसका संबल और मार्गदर्शक बन सकती है। सीएम के हाथों पुस्तक पाने वाले बच्चों के चेहरे खिल उठे। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के साथ तस्वीर भी खिंचवाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कहना कि युवा पुस्तकों से दूर हो गया या सोशल मीडिया पर अपना समय खराब कर रहा, पूरी तरह सही नहीं। ऐसा कहना युवा के साथ अन्याय होगा। जरूरत पुस्तकों को उसके पास पहुंचाने की व्यवस्था करने की है। जब पहली बार युवराज मलिक ने लखनऊ में पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था, तब मैंने तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी से चर्चा की। इसे प्रोत्साहित करने की बात कही। ● शेष पेज 11 पर

प्रदेशभर में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान

मोदी ने वंश परंपरा से नहीं, तप-साधना और संघर्ष से बनाई पहचान: योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ न कोई वंश परंपरा थी और न ही उन्हें कोई विरासत वंशानुगत रूप से मिली थी। उनके पास तप, साधना, संघर्ष और देश के लिए कुछ कर गुजरने की चाहत थी। आज उनकी तप व साधना का लाभ पूरे देश को योग्य नेतृत्व के रूप में मिल रहा है। सात अक्तूबर को गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में शासन प्रमुख के तौर पर नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस यात्रा के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए प्रदेश सरकार और भाजपा संगठन के साथ मिलकर 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक प्रदेशव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' चलायेगी।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री ने अभियान की कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री का जन्मदिन प्रदेशभर में 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन हर ग्राम पंचायत, नगर निकाय और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा। इसके जरिये प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करेगी। अस्पतालों में फल वितरण के साथ रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। भाजपा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी सेवा कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की बड़नगर से काशी तक की यात्रा को भी अभियान से जोड़ा गया है। बड़नगर से काशी के लिए 10 और काशी से बड़नगर के लिए 10 यात्राएं निकाली जाएंगी। बड़नगर का जल लेकर यात्राएं काशी आएंगी, जबकि उत्तर प्रदेश की 10 नदियों का पवित्र जल लेकर यात्राएं बड़नगर जाएंगी। सभी यात्राएं 17 सितंबर को शुरू होंगी और सात अक्तूबर को अपने गंतव्य तक पहुंचेंगी। यात्रा मार्ग पर हर दिन चार स्थानों पर चौपाल और जनसंवाद के कार्यक्रम होंगे। अभियान के तहत सरकारी योजनाओं से अब तक वंचित पात्र लोगों को लाभ दिलाने के लिए 'सेवा सेतु' शिविर लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 29-30 सितंबर से 10 अक्तूबर के बीच प्रत्येक विकासखंड और जिला मुख्यालय के नगर निकाय में छह से सात दिन तक शिविर लगाने की योजना है। इनमें स्वास्थ्य योजनाओं के साथ पेंशन, आवास, शौचालय, राशन कार्ड समेत विभिन्न योजनाओं के लिए पात्र लोगों का पंजीकरण कराया जाएगा। योगी ने कहा कि पंजीकरण के बाद दो-तीन दिन के भीतर सत्यापन कर संबंधित कार्ड अथवा योजना का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। प्रदेश में 826 विकासखंड और 762 नगर निकाय हैं। जरूरत पड़ी तो अभियान दो चरणों में चलाया जाएगा। प्रयास यह रहेगा कि पात्र व्यक्ति केवल आवेदन देकर वापस न जाए, बल्कि शिविर के दौरान ही उसे संबंधित योजना से जोड़ दिया जाए। जनप्रतिनिधि भी इन शिविरों में मौजूद रहेंगे। सेवा संकल्प अभियान में बच्चों और युवाओं की भागीदारी के लिए तीन स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कक्षा पांच से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला और नौवीं से 12वीं तक के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता होगी। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं की थीम 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए ● शेष पेज 11 पर

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 140 बाघ मित्र सम्मानित 5 लाख जीवन एवं 2 लाख चिकित्सा बीमा की पहल

❐ वन्यजीवों के प्रहरियों की सुरक्षा का संकल्प: डॉ. राजेश्वर सिंह ने तराई के Wildlife Protectors के लिए की बड़ी पहल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । पीलीभीत टाइगर रिजर्व के मुस्तफाबाद में वन्यजीव संरक्षण के जमीनी प्रहरियों के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कार्यक्रम में बाघ मित्रों, वनकर्मियों, गाइड्स और ड्राइवर्स को सम्मानित करते हुए उनके कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

यह तराई क्षेत्र में Environment Warriors द्वारा आयोजित 10वां वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रम था, जिसका आयोजन श्री माँ पीताम्बरा बगलामुखी सिद्धि पीठ उत्तराखंड ट्रस्ट के सहयोग से किया



गया। कार्यक्रम में पूरनपुर विधायक श्री बाबूराम पासवान; श्री मनीष सिंह, ××××, ×××× पीलीभीत; अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त श्री सुब्बैया नल्लामुथु; श्री अम्बिका मिश्रा, ××××फ्×द्दद्द–क्×फ्×द्धन्द्धथ्×द्×द्दद्दफ्× ड्थन्द्धधन्प एवं ए×द्धथद्धन्द्वथद्व-इद्वथ्थद्यद्वद्यथ क्रन्धफ्× धद्ध ऋद्रपफ्×द्दफ्×द्धद्रप तथा ट्थद्वद्दद्द- श्री शैलेन्द्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बाघ एवं वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे 140 बाघ मित्रों को प्रशस्ति-पत्र, टॉर्च और साड़ी प्रदान कर सम्मानित किया गया। जंगलों की कठिन परिस्थितियों में कार्यरत वनकर्मियों की सुरक्षा एवं त्वरित प्राथमिक उपचार के लिए वन विभाग को 50 रेनकोट तथा 10 मेडिकल/फर्स्ट-एड किट भी प्रदान की गईं। वन्यजीव संरक्षण, पर्यटन और स्थानीय समुदाय के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करने वाले गाइड्स एवं ड्राइवर्स को भी सम्मानित कर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई।

बीमा, रोजगार और उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान राशि

डॉ. राजेश्वर सिंह ने घोषणा की कि अक्टूबर 2026 में ड्डद्वद्यद्यद्वद्धद्व ड्डद्दद्व के दौरान विशेष बीमा शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से पात्र बाघ मित्रों को ?5 लाख का जीवन बीमा एवं ?2 लाख का चिकित्सा बीमा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा। बाघ संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए अगले वर्ष पांच सर्वश्रेष्ठ बाघ मित्रों को ?25,000-?25,000 की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। बाघ मित्रों एवं अन्य पात्र संरक्षण सहयोगियों के बायोडाटा भी एकत्र किए जाएंगे, ताकि उनकी योग्यता और मैदानी अनुभव के अनुरूप उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा सके।

डॉ. सिंह ने आश्वासन दिया कि किसी बाघ मित्र अथवा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े सहयोगी की असमय मृत्यु होने पर उसके परिवार की आवश्यकताओं एवं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यथासंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

सुब्बैया नल्लामुथु दुनिया तक पहुंचाएंगे पीलीभीत और तराई की वन्यजीव गाथा

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त Wildlife Filmmaker सुब्बैया नल्लामुथु द्वारा तराई क्षेत्र एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व पर फिल्म निर्माण की घोषणा रही। उन्हें इस महत्वपूर्ण फिल्म के निर्माण की अनुमति प्रदान की गई है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने श्री नल्लामुथु का परिचय कराते हुए बताया कि वन्यजीव फिल्म निर्माण में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी फिल्मों ने भारत के जंगलों, बाघों एवं अन्य वन्यजीवों की असाधारण कहानियों को विश्वभर के दर्शकों तक पहुंचाया है।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा भदोही के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। मंत्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल में देश में हुए विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के साथ ही विकसित भारत-2047 के निर्माण में युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं वंचित वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान पात्र लेकिन योजनाओं के लाभ से वंचित लोगों का चिन्हांकन कर उन्हें योजनाओं से जोड़ा जाए।

श्री शर्मा ने कहा कि 17 सितम्बर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे जनपद में घरों, सरकारी भवनों, प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा, सुशासन, विकास और विकसित भारत-2047 के संकल्प का संदेश दिया जाए। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे अपने घर एवं प्रतिष्ठानों पर दीप जलाकर इस जनभागीदारी अभियान में सहभागी बनें।

प्रभारी मंत्री ने अभियान के दौरान विशेष स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य जांच, जल संरक्षण, गौशाला एवं अमृत सरोवर में सेवा कार्य, महिला स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता सहित विभिन्न जनोपयोगी गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं में लम्पी रोग की रोकथाम के लिए प्रभावी टीकाकरण तथा संचारी रोगों की रोकथाम हेतु स्वच्छता, ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव और जलभराव वाले क्षेत्रों की नियमित निगरानी के भी निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि 'सेवा सेतु अभियान' के तहत विकासखंड एवं नगरीय निकाय स्तर पर बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित कर पात्र लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। गांव-गांव ग्राम चौपाल और सीधा संवाद कार्यक्रमों के साथ प्रमुख स्थलों पर सेवा, सुशासन और विकसित भारत-2047 की संकल्पना को प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। जनपद में 102 डिजिटल लाइब्रेरी के लोकार्पण के माध्यम से विद्यार्थियों एवं युवाओं को आधुनिक शिक्षा संसाधनों से जोड़ने की पहल भी की जाएगी।

शिव भक्तों ने पेश की ईमानदारी की अनूठी मिसाल

रायबरेली,कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाबूगंज के निकट टोल प्लाजा के पास चल रही शिव महापुराण कथा में आए हुए भक्तों ने ईमानदारी की अनूठी मिसाल भी पेश करना शुरू कर दिया। जिसको जो सामान मिल रहा है वह कथा स्थल पर बने खोया पाया विभाग में रजिस्टर में लिखवा कर जमा कर रहा है। संतोष शुक्ला व रविंद्र द्विवेदी द्वारा पुलिस को भी सूचना दी जा रही। अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक प्रदीप महाराज की कथा सुनने आए गदागंज के गया प्रसाद को एक पायल मिला चांदी का जो खोया पाया विभाग में जाकर जमा किए। वहां से माइक द्वारा पुकारा गया यह पायल चंदनिया निवासी शिवकली का था। जो उनके पति छोटेलाल द्वारा आने के बाद दूसरा पायल मिलाकर संतोष शुक्ला द्वारा उन्हें सौंप दिया गया। यही नहीं कप्तानगज हरदोई की इंद्रावती चतुर्वेदी को एक पर्स मिला। उन्होंने खोया पाया विभाग में जमा कर दिया इसी तरह आनंद पांडे प्रयागराज ने भी ईमानदारी की अनूठी शाल पेश की। यही नहीं कई छोटे-छोटे बच्चे जो अपने मां-बाप से बिछड़ गए थे उन्हें पुलिस की मदद से उनके पास माता-पिता के पास तक पहुंचाया गया।

पुलिस ने वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कोराँव,प्रयागराज, कैन्विज टाइम्स संवाददाता। पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दुष्कर्म व मारपीट सहित कई अन्य मामलों के वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मु स 177/24 भारतीय न्याय विधान की धारा 363 366 376 5/ 6 व पास्को एक्ट में वंचित कन्हैया उर्फ कान्हा राम जी पुत्र दामोदर निवासी डेगाना जिला नागौर राजस्थान 36 जरिए मुखबिर की सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वही मुकदमा संख्या 165/8 में अरुण कुमार पुत्र कल्लू ५० मूलचंद पुत्र झरियारी ४८ निवासी नेवादा थाना कोराव को भारतीय न्याय विधान की धारा 147 323 504 506 में गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया गया गिरफ्तार करने वाली टीम में मुख्य रूप से उप निरीक्षक कृष्ण कुमार दिनेश कुमार यादव आशीष कुमार सिंह अश्विनी यादव जयपाल पाराशर चंद्रकांत सिंह सेंगर आदि लोग मौजूद रहे।

121 आश्रितों को मिला लाभ, 5.63 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का निस्तारण

कानपुर,कैन्विज टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के क्रम में कार्यालय अपर श्रम आयुक्त, कानपुर क्षेत्र, कानपुर में श्रम विभाग से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के लिए विशेष कार्यवाही की गई। अपर श्रम आयुक्त शमीम अख्तर ने बताया कि लोक अदालत के लिए श्रम विभाग से संबंधित कुल 90 प्रकरण वाद चिन्हित किए गए थे, जिनमें से 48 प्रकरणों, वादों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि निस्तारित प्रकरणों में कुल 5,63,82,420 रुपये की धनराशि से संबंधित मामलों का निस्तारण हुआ। इन प्रकरणों के निस्तारण से कुल 121 श्रमिकों, आश्रितों को लाभ प्राप्त हुआ। अपर श्रम आयुक्त ने श्रमिकों, आश्रितों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने बताया कि निस्तारित प्रकरणों में संबंधित श्रमिकों, आश्रितों को क्षतिपूर्ति की धनराशि यथाशीघ्र आरटीजीएस के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी। इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी घनश्याम निषाद, हेमन्त कुमार, मान सिंह, दीपक कुमार मौर्य, अखिलेश वर्मा, दीपक मौर्य तथा वाद सहायक कमलाशंकर त्रिपाठी, राम शरण पटेल, राकेश सिंह एवं अमित खन्ना उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में हुआ 378 अभ्यर्थियों का चयन, चेहरे पर आई खुशी

फिरोजाबाद,कैन्विज टाइम्स संवाददाता। नगर के महात्मा गांधी कॉलेज कन्या महा विद्यालय परिसर में सेवायोजन विभाग, कालेज प्रबंधन एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को एक दिवसीय भव्य रोजगार मेले एवं करियर काउंसलिंग का आयोजन हुआ। इसमें 378 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जिससे उनके चेहरे पर खुशी आई। मुख्य अतिथि सदर विधायक मनीष असीजा, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। रोजगार मेले में लगभग 913 ऑफलाइन तथा 568 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन अपना पंजीकरण कराया, इस रोजगार मेले में 18 कंपनियों ने प्रतिभाग किया और 378 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। इस मौके पर विधायक मनीष असीजा ने कहा कि युवाओं को भटकने से बचाने और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सेवायोजन विभाग एक सेतु की तरह कार्य कर रहा है, एक ट्रिलियन इकोनामी के लक्ष्य में युवाओं का योगदान प्रमुख है और यह तब ही संभव है, जब हर हाथ को काम मिले, चाहे वह जॉब सीकर के रूप में हो या मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना व जिला उद्योग केंद्र की योजनाओं के माध्यम से जॉब प्रदाता बनकर हो। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता पाने का कोई शॉर्टकट नहीं होता, अत्यंत कठोर परिश्रम और समर्पण ही व्यक्ति को सफलता के मार्ग पर ले जाता है। युवाओं को प्रेरणा देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सफलता थोड़ी देर में भले ही मिलती है, लेकिन ईमानदारी से किया गया प्रयास, कभी व्यर्थ नहीं होता, यहां आई हुई बेटियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके अभिभावकों से अपील की है कि बेटियों को शिक्षा और प्रगति के सामान्य अवसर प्रदान किए जाएं, जिससे बेटियां अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। कार्यक्रम के दौरान उप जिलाधिकारी सदर सुदर्शन कुमार, जिला रोजगार अधिकारी खुशबू शाक्य, वरिष्ठ बाबू विपिन कुमार, सुमन कुमार, कॉलेज की प्राचार्य प्रदर्शनी उपाध्याय, सचिव सतीश चंद्र गुप्ता, मंडल सचिव अनूप चंद्र जैन, मंडल कोषाध्यक्ष अनूपम कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

लोक अदालत न्याय व्यवस्था को आमजन के निकट लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम: डॉ बब्बू सारंग

फिरोजाबाद,कैन्विज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। इसमें कुल 184298 वादों का निस्तारण हुआ। जिनमें अर्थदण्ड एवं समझौता राशि कुल 15,42,23,508 रुपये रही। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष प्राधिकरण, जनपद न्यायाधीश डा0 बब्बू सारंग ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस मौके पर जिला जज ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय व्यवस्था को आमजन के अधिक निकट लाने का एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से वादों का निस्तारण आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर सरल, त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जाता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालतों की विशेषता यह है कि यहाँ विवादों के समाधान में केवल विधिक प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि पक्षकारों के बीच आपसी संवाद, विश्वास एवं समझ को भी महत्व दिया जाता है, जिससे विवादों का स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान संभव हो पाता है। प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय अरविन्द कुमार सिंह ने कहा कि लोक अदालतें पारिवारिक विवादों के समाधान का प्रभावी मंच हैं। इनके माध्यम से पक्षकारों के मध्य आपसी समझ एवं सौहार्द स्थापित करते हुए विवादों का समाधान कराया जाता है, जिससे परिवारों में शांति एवं सद्भाव बना रहता है। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी महेन्द्र सिंह ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण किया जा सकता है।

कच्चे मकान के जमीदोज होने से मलबे में दबकर एक व्यक्ति की मौत

❐ पंचायती राज व्यवस्था में आवास आवंटन की पारदर्शिता उठ रहे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता ढ

कोराव,प्रयागराज। प्रदेश व मध्य प्रदेश की सीमा पर बड़ोखर ग्राम पंचायत के पूरा जवा बांध में बीती रात कन्हैयालाल पुत्र जवाहिर उम्र 78 वर्ष बारिश के दौरान कच्चा मकान जमीदोज हो जाने से मालवे में दबाकर मौके पर ही मौत हो गई।कन्हैयालाल के अलावा कोई अन्य व्यक्ति प्रभावित नहीं हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए एस आर एन दिया।

अगस्त माह की भारी बरसात में क्षेत्र के कई कच्चे मकान जमीदोज हो चुके हैं। कच्चे मकानो के नीचे रही दब रही जिंदगीया अब पंचायती राज व्यवस्था में आवास आवंटन के जिम्मेदार ग्राम प्रधान सचिव व रोजगार सेवकों पर दहाड़े मार कर चिल्ला रही है। कच्चे मकानो में गुजर बसर कर रहे पूरी तरीके से गरीब व पात्र परिवारों को दरकिनार कर अपात्र या पक्षपात के लोगों का नाम लिस्ट में आगे कर दिया जाता है। जिससे जर्जर व कच्चे मकानो में रह रहे गरीब व आवास के लिए पात्र परिवारों को आवास आवंटन में प्राथमिकता देने के बजाय लिस्ट में उनका नाम या तो पीछे कर दिया जाता है या होता ही नहीं। इससे नतीजा यह होता है कि जिम्मेदारों की वजह से गरीबों की जिंदगी मलवे के नीचे दब कर रह जाती है।कई दशकों से अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित विधानसभा में भी सभी दलों के जन प्रतिनिधि प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।आदिवासी बाहुल्य विधानसभा में ज्यादातर आदिवासी जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद भी आदिवासियों के जीवन शैली में आज तक कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। जो संविधान में सुरक्षित आरक्षित व्यवस्था को भी कोस रहा है।

कर्मभूमि से जन्मभूमि तक बाइक यात्रा, गूंजेगा प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल का संदेश

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों को केंद्र में रखकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)काशी क्षेत्र में एक माह तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएगी। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को पार्टी ने महज कार्यक्रमों की श्रृंखला के बजाय सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकसित भारत के संदेश को बूथ स्तर तक पहुंचाने के अभियान के रूप में तैयार किया है। अभियान का सबसे प्रमुख आकर्षण काशी से गुजरात के वडनगर तक निकलने वाली बाइक यात्रा होगी। प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग की 10 नदियों के जल से जलाभिषेक के बाद यात्रा रवाना होगी ।

मंडल रेल प्रबंधक ने मऊ रेलवे स्टेशन का किया औचक निरीक्षण



❐ निरीक्षण के दौरान मडंल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी आशीष जैन ने आज वाराणसी सिटी-भटनी रेलखंड पर स्थित मऊ रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की गहन समीक्षा की। जैन ने स्टेशन भवन, यात्री प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, फुट ओवरब्रिज, पेयजल, शौचालय, दिव्यांगजन सुविधाएं, पार्किंग, यात्री सूचना प्रणाली, टिकट काउंटर, प्रकाश व्यवस्था एवं खान-पान स्टॉल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए तथा यात्री सुरक्षा, स्वच्छता एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

संरक्षा निरीक्षण सुरक्षित रेल परिचालन को सुदृढ़ बनाने पर बल

निरीक्षण के उपरांत मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने मऊ स्टेशन का विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रीकृत स्टेशन पैनल, वीडर काउंटर, रिले रूम, लॉक एंड ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट, ओएफसी रूम, एक्सल काउंटर तथा आईपीएस रूम सहित विभिन्न संरक्षा उपकरणों की जांच की। साथ ही विफलता रजिस्टर, अनुरक्षण रजिस्टर, रिले रूम चाबी हस्तांतरण रजिस्टर, पॉइंट्स एंड क्रॉसिंग रजिस्टर और स्टेशन वर्किंग रूल का भी अवलोकन किया। स्टेशन अधीक्षक एवं कर्मचारियों से गाड़ियों के सुरक्षित परिचालन की जानकारी लेते हुए उन्होंने संरक्षा नियमों के कड़े पालन, उपकरणों के नियमित अनुरक्षण तथा पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

रेलवे कॉलोनी, बैरक एवं सिग्नल कार्यालय का निरीक्षण: कर्मचारी कल्याण पर फोकस

आशीष जैन ने रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण कर आवासों, स्वच्छता, पेयजल, नालियों, सड़कों एवं प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कॉलोनी परिसर की नियमित साफ-सफाई, जल निकासी व्यवस्था और कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मऊ रेलवे सुरक्षा बल बैरक का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता एवं रख-रखाव सुनिश्चित करने के आदेश दिए। सिग्नल सेक्शन इंजीनियर कार्यालय में अभिलेखों एवं उपकरणों को व्यवस्थित रखने तथा अनुरक्षण पर विशेष बल दिया।

मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने कहा कि, रेलवे प्रशासन के निरंतर प्रयासों से मऊ जंक्शन स्टेशन आधुनिक, सुरक्षित, सुगम एवं पूर्णतः यात्री-अनुकूल बनने की दिशा में अग्रसर है। विकास कार्य पूर्ण होने पर रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। इस अवसर पर मंडल इंजीनियर (सामान्य) लोकेश कुमार सगरवंशी, सहायक मंडल इंजीनियर (मऊ) सुनील पाण्डेय, सहायक मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर वीरेन्द्र कुमार बोनाल, सहित सम्बंधित वरिष्ठ पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

खड़ी ट्रेन के कोच में लगी आग,धमाके में एक घायल

❐ फिरोजाबाद के शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रैक मेंटेनेंस मशीन रेलवे माल गोदाम के पास खड़ी थी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन के एक कोच में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। फिलहाल रेलवे अधिकारी और पुलिस घटना की जांच कर रही है।

फिरोजाबाद के शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रैक मेंटेनेंस मशीन रेलवे माल गोदाम के पास खड़ी थी। इस ट्रैक मेंटेनेंस मशीन का इस्तेमाल रेलवे के पीडब्ल्यूआई विभाग के कर्मचारी ट्रैक से जुड़े काम के दौरान यात्रा और रहने के लिए करते हैं। शनिवार को इस मशीन की एक बोगी में अचानक आग लग गई।देखते ही देखते आग ने पूरे डिब्बे को अपनी चपेट में ले लिया और कोच धू-धू कर जलने लगा। आग के दौरान कोच में रखा एक सिलेंडर भी भयंकर आवाज के साथ फट गया, जिससे आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया।धमाके की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

इधर, सूचना मिलते ही रेलवे की आपातकालीन टीमें और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। सुरक्षा के लिहाज से ट्रेन के अन्य डिब्बों को अलग कर दिया गया, ताकि आग आगे न फैल सके। फायर ब्रिगेड की कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की वजह से आसपास के इलाके में काफी देर तक हलचल रही। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह सॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

इस सम्बन्ध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) सतेंद्र पांडे ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

प्राचीन दानेश्वर शिव मंदिर से करीब हजारों की संख्या में कांवरियों का जत्था रवाना

❐ धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ डलमऊ गंगा घाट से पवित्र गंगाजल लेने के लिए रवाना हुआ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। प्राचीन दानेश्वर शिव मंदिर से करीब हजारों की संख्या में कांवरियों का जत्था धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ डलमऊ गंगा घाट से पवित्र गंगाजल लेने के लिए रवाना हुआ। कांवरियों के रवाना होते ही पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा।

कांवरियों की यात्रा रुद्र नगर से शुरू हुई। श्रद्धालु सबसे पहले प्राचीन दानेश्वर शिव मंदिर पहुंचे, जहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के बाद पैदल डलमऊ गंगा घाट के लिए रवाना हुए। डलमऊ पहुंचकर गंगा स्नान करने के बाद श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेकर पैदल वापस लौटेंगे और दानेश्वर धाम पहुंचकर भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक करेंगे। यात्रा के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू,



सामाजिक कार्यकर्ता श्रीकांत त्रिपाठी एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी शिवशरण साहू ने कांवरियों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वल्पाहार, फल एवं मिष्ठान वितरित किया। उन्होंने सभी कांवरियों की सुरक्षित, सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू ने कहा कि भगवान शिव की भक्ति में निकली कांवर यात्रा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है। बाबा दानेश्वर महादेव की कृपा सभी कांवरियों पर बनी रहे और उनकी यात्रा निर्विघ्न एवं मंगलमय हो, यही कामना है। कांवरियों के रवाना होने के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। भक्तिमय वातावरण में निकली यात्रा का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया और कांवरियों के मंगलमय सफर की कामना की।

पितृपक्ष में गया जाने वाले यात्रियों को राहत, दो विशेष ट्रेनों के छह-छह फ़ेरे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । पितृपक्ष के दौरान गया जाने वाले तीर्थयात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए दो विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। रानी कमलापति-गया और जबलपुर-गया के बीच चलने वाली इन विशेष ट्रेनों से अतिरिक्त भीड़ का दबाव कम होगा और यात्रियों को गया पहुंचने में सुविधा मिलेगी। दोनों ट्रेनों के तीन-तीन फ़ेरे दोनों दिशाओं में लगाए जाएंगे।

उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवम शर्मा ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान गया जाने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि यात्रा से पहले ट्रेन की अद्यतन समय-सारिणी और मार्ग की जानकारी रेल मदद, एनटीईएस या रेलवे की आधिकारिक पूछताछ सेवा से अवश्य प्राप्त कर लें।गाड़ी संख्या 01661/01662 रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति एक्सप्रेस विशेष ट्रेन रानी कमलापति से 27 सितंबर, 2 अक्टूबर और 7 अक्टूबर को चलेगी। गया से यह ट्रेन 30 सितंबर, 5 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को रवाना होगी। ट्रेन में एसएलआर/डी के दो, सामान्य श्रेणी के चार, स्लीपर के 12, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के चार और वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के दो कोच समेत कुल 24 कोच होंगे। यह ट्रेन रानी कमलापति से चलकर इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन और अनुग्रह नारायण रोड होते हुए गया पहुंचेगी। रानी कमलापति से ट्रेन दोपहर 3:20 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2:30 बजे गया पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01701/01702 जबलपुर-गया-जबलपुर एक्सप्रेस विशेष ट्रेन जबलपुर से 29 सितंबर, 4 अक्टूबर और 9 अक्टूबर को चलेगी।

95 प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों ने कूड़ा प्रबंधन और सीवेज ट्रीटमेंट की देखी व्यवस्था

- प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों का दल दो समूहों में शिवरी प्लांट पहुंचा। ग्रुप 'सी' में 47 और ग्रुप 'डी' में 48 अधिकारी शामिल रहे

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ । 91वें आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत शनिवार को 95 प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों के दल ने लखनऊ नगर निगम की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थलीय अध्ययन किया। अधिकारियों ने शिवरी स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, भैंसौरा स्थित एफसीटीएस और भरवारा स्थित एसटीपी प्लांट का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं को करीब से देखा।

लखनऊ नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और लखनऊ को 'जीरो वेस्ट सिटी' के रूप में बनाए रखने के लिए अपनाई जा रही व्यवस्थाओं का स्थलीय अध्ययन करने के लिए 95 प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों के दल ने शनिवार को शिवरी प्लांट का दौरा किया। कचरे से निकलने वाले दूसरे उत्पादों के उपयोग और कोकोनट पिट मॉडल के बारे में भी जानकारी ली।

प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों का दल दो समूहों में शिवरी प्लांट पहुंचा। ग्रुप 'सी' में 47 और ग्रुप 'डी' में 48 अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने प्लांट में कचरा प्रबंधन से जुड़ी अलग-अलग व्यवस्थाओं को देखा और संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली।

इसके बाद प्रशिक्षु अधिकारियों ने भैंसौरा स्थित फिक्स्ड कॉम्पेक्टर ट्रांसफर स्टेशन (एफसीटीएस) का भी अवलोकन किया। यहां अधिकारियों को शहर के अलग-अलग इलाकों से एकत्र होने वाले कूड़े को कॉम्पैक्टर के जरिए दबाकर कम जगह में तैयार करने और फिर उसे आगे निस्तारण के लिए भेजने की व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने एफसीटीएस की कार्यप्रणाली को मौके पर समझा। वहीं, भरवारा स्थित एसटीपी प्लांट में सीवेज के ट्रीटमेंट और साफ किए गए पानी के उपयोग की व्यवस्था को समझा।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने नगर निगम द्वारा कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करने और नई तकनीकों के इस्तेमाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि लखनऊ को साफ-सुथरा और 'जीरो वेस्ट सिटी' बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास दूसरे शहरों के लिए भी सीखने योग्य हैं।

अमरेंद्र भारद्वाज की हुंकार—बूथ मजबूत तो संगठन मजबूत, कार्यकर्ताओं में भरा जोश

- अमरेंद्र भारद्वाज की हुंकार—बूथ मजबूत तो संगठन मजबूत, कार्यकर्ताओं में भरा जोश
- चिनहट ग्रामीण मंडल की कार्यशाला में सेवा, संपर्क और संगठन को धार देने की बनी रणनीति

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ । चिनहट ग्रामीण मंडल की ओर से शनिवार को अनोराकला पंचायत भवन में संगठनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत सदस्य अमरेंद्र भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए संगठन की मजबूती का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ता हैं और बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही किसी भी अभियान को सफलता की ऊंचाई तक पहुंचा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अच्छ मौर्य ने की।

कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा, जनसंपर्क एवं संगठनात्मक अभियानों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को अभियान की जिम्मेदारियां निभाने, घर-घर संपर्क करने और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अमरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता से निरंतर संवाद संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सेवा और संपर्क को अपनी प्राथमिकता बनाते हुए आगामी अभियानों में पूरी निष्ठा के साथ जुटें। उन्होंने कहा कि जब बूथ मजबूत होगा तो संगठन स्वतः मजबूत होगा। कार्यशाला में मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष राजकुमार वर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा दिनेश यादव, तारा चंद रावत सहित मंडल की पूरी टीम, सभी बूथ अध्यक्ष, वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ता तथा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने सेवा, संपर्क और संगठन के संकल्प के साथ आगामी अभियानों को सफल बनाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

सत्संग और भक्ति से मिलता है जीवन को सही मार्ग जयगुरुदेव के संदेशों से गूंजा सलमेपुर अचाका

- सत्संग और भक्ति से मिलता है जीवन को सही मार्ग, जयगुरुदेव के संदेशों से गूंजा सलमेपुर अचाका
- स्वर्गीय डॉ. राम कृष्ण यादव 'दद्दू' की 9वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भजन-सत्संग में डूबे श्रद्धालु

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नगराम, लखनऊ । क्षेत्र के सलमेपुर अचाका गांव में शनिवार को स्वर्गीय डॉ. राम कृष्ण यादव 'दद्दू' की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिव्य आध्यात्मिक सत्संग एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अनुयायी, ग्रामीण एवं श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने स्वर्गीय डॉ. राम कृष्ण यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन एवं समाज के प्रति योगदान को याद किया। सत्संग के दौरान परम संत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज एवं पूज्य पंकज जी महाराज के आध्यात्मिक संदेशों का स्मरण करते हुए मानव जीवन में सत्संग, सदाचार, सेवा और आध्यात्मिक चिंतन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि सत्संग मनुष्य को सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आध्यात्मिक चिंतन से सकारात्मक विचारों का संचार होता है और समाज व मानवता के प्रति सेवा भाव मजबूत होता है। कार्यक्रम में भजन एवं सत्संग के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिया गया। भक्ति गीतों और संतों के संदेशों से वातावरण देर तक भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु पूरे मनोयोग से सत्संग में डूबे रहे। पुण्यतिथि कार्यक्रम में स्वर्गीय डॉ. राम कृष्ण यादव के पुत्र अरविंद यादव, बाबू यादव, मुलायम यादव, अनुराग यादव और सूरज यादव सहित पूरा परिवार मौजूद रहा। परिजनों के साथ बड़ी संख्या में अनुयायियों एवं क्षेत्रीय लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन स्वर्गीय डॉ. राम कृष्ण यादव 'दद्दू' की स्मृतियों को नमन करते हुए किया गया। श्रद्धालुओं ने उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने और सेवा व सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

उत्तरी जोन के चार थानों का निरीक्षण आईपीएस अपर्णा कुमार ने दिए दिशा-निर्देश



कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की उत्तरी जोन में शनिवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय आईपीएस अधिकारी अपर्णा कुमार ने सैरपुर, बीकेटी, महिंगवां और महिला थाना-2 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसरों की व्यवस्थाओं, अभिलेखों और पुलिस कार्यप्रणाली का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध की स्थिति और लंबित मामलों की जानकारी ली। अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई करने, लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध निस्तारण करने और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।आईपीएस अपर्णा कुमार ने कहा कि फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए और उनकी समस्याओं का नियमानुसार त्वरित निस्तारण किया जाए। साथ ही क्षेत्र में पुलिस गश्त और निगरानी बढ़ाकर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए।महिला थाना-2 के निरीक्षण के दौरान महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने तथा पीड़िताओं की शिकायतों को प्राथमिकता से सुनने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

हरौनी स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आया अधेड़, मौत

बंथरा, लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता। हरौनी रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह करीब 8:00 बीजे ट्रेन की चपेट में आने से करीब 38 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे की सूचना स्टेशन मास्टर ने मेमो के माध्यम से थाना जीआरपी चारबाग पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मृतक की पहचान कराने के लिए आसपास के लोगों सहित विभिन्न माध्यमों से काफी प्रयास किए, लेकिन देर शाम तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। जीआरपी पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास में जुटी हुई है। मृतक की उम्र करीब 38 वर्ष बताई गई है।

योगी सरकार ने परिषदीय स्कूलों में निगरानी और चाइल्ड ट्रैकिंग के लिए 6.55 करोड़ रुपये किए जारी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों से जुड़ी सूचनाओं की निगरानी, विद्यालयी प्रबंधन और शैक्षिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के लिए एमआईएस (यू-डायस प्लस) और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन एवं उपयोग के लिए 6.55 करोड़ रुपये जारी किए जा रहे हैं।
महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को धनराशि के उपयोग और निगरानी के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ज्ञात हो कि इस व्यवस्था के माध्यम से योगी सरकार विद्यालयी आंकड़ों को अधिक व्यवस्थित, बच्चों की शैक्षिक प्रगति की निगरानी को अधिक प्रभावी तथा स्कूल प्रबंधन को अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में डिजिटल प्रणालियों के उपयोग को मजबूत कर रही है। निर्देशों के अनुसार, कुल 655.01 लाख रुपये की धनराशि जारी की जा रही है। इसमें एमआईएस (यू-डायस प्लस) के लिए 262.00 लाख रुपये तथा चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के लिए 393.01 लाख रुपये शामिल हैं। यह धनराशि विद्यालय स्तर पर एसएमसी के माध्यम से निर्धारित गतिविधियों पर व्यय की जाएगी। निर्देशों में यू-डायस प्लस पर विद्यालयों एवं विद्यार्थियों से संबंधित आंकड़ों के संकलन और उनके उपयोग को महत्वपूर्ण माना गया है। साथ ही चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से बच्चों की शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। पत्र में अपार आईडी और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्ट पहचान के साथ उसकी शैक्षिक जानकारी को व्यवस्थित रूप से ट्रैक किया जा सके। निर्देशों में जिला स्तर से लेकर विद्यालय स्तर तक धनराशि के उपयोग की निगरानी के लिए जिम्मेदारियां तय की गई हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को एसएमसी स्तर पर हुए व्यय की प्रगति की समीक्षा करने तथा निर्धारित पोर्टल पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यालयी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के साथ हर बच्चे की शैक्षिक प्रगति पर प्रभावी नजर सुनिश्चित कर रही है। एमआईएस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच्चों से जुड़ी जानकारी के बेहतर उपयोग को नई मजबूती मिलेगी।

पीएम यूनिटी मॉल से स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक कारीगरी को मिलेगा नया बाजार

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक कारीगरी को नया बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगरा, वाराणसी और लखनऊ में आधुनिक पीएम यूनिटी मॉल का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इन मॉल का उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को एक ही स्थान पर प्रदर्शित और विपणन करने के लिए स्थायी मंच उपलब्ध कराना है, जिससे कारीगरों, महिलाओं और युवाओं को बड़े बाजार से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। प्रदेश के विभिन्न जिलों के ओडीओपी और जीआई-टैग उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में दम तोड़ रहे परंपरागत उद्योगों को फिर से खड़ा करने के लिए सरकार की ओर से बढ़ाया गया यह कदम न सिर्फ शिल्पकारों की आजीविका को मजबूत कर रहा है, बल्कि स्थानीय उत्पादों को ब्रांस्वदेशी की नई ताकतङ्क के रूप में स्थापित भी कर रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना पीएम यूनिटी मॉल राज्यों में स्थानीय उत्पादों की बिक्री, प्रदर्शन और ब्रांडिंग का बड़ा केंद्र बनकर उभर रही है। आगरा के शिल्पग्राम क्षेत्र में लगभग 11.53 एकड़ भूमि पर करीब 128.85 करोड़ रुपये की लागत से पीएम यूनिटी मॉल का निर्माण किया जा रहा है। बेसमेंट की खुदाई, फाउंडेशन की पीसीसी, आरसीसी, बेसमेंट फ्लोर के कॉलम एवं रिटेनिंग बाल की आरसीसी का कार्य 100 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। यहां ब्रज क्षेत्र, आगरा, फिरोजाबाद और आसपास के जिलों के हस्तशिल्प व पारंपरिक उत्पादों को ब्रांडिंग के साथ देश-विदेश के बाजार तक पहुंचाने की व्यवस्था होगी। 06 फ्लोर के मॉल में कुल 135 दुकानें होगी। यह मॉल नवंबर 2026 तक पूरी होने की संभावना है। वाराणसी के गंगानगर कॉलोनी में करीब 154.71 करोड़ रुपये की लागत से 1.46 एकड़ क्षेत्र में यूनिटी मॉल बनाया जा रहा है। डी-वाल और छत की स्लैब की ढलाई का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि बेसमेंट 03 में फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है। यहां बनारसी साड़ी, जरी-जरदोजी, लकड़ी के खिलौने, रुद्राक्ष और अन्य पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित और बिक्री के लिए विशेष स्थान मिलेगा। 06 फ्लोर के मॉल में कुल 111 दुकानें होगी। यह मॉल दिसंबर 2026 तक पूरी होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद की लखनऊ इकाई का पुनर्गठन, डॉ. लाल प्रताप सिंह जिलाध्यक्ष चुने गये

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद की लखनऊ इकाई का पुनर्गठन करने के लिए एमकेएसडी इंटर कॉलेज पेपर मिल कालोनी निशातगंज लखनऊ में प्रधानाचार्यों की वृहद बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में परिषद के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देशों के अनुरूप सर्व सम्मति से जनपद लखनऊ की कार्यकारिणी का गठन किया गया। परिषद के प्रांतीय मंत्री डॉ राम बहादुर सिंह ने शनिवार को बताया कि बैठक में डॉ लाल प्रताप सिंह को जिलाध्यक्ष चुना गया है, जबकि उपाध्यक्ष पद पर डॉ ओंकार नाथ मिश्रा और डॉ रीता टंडन चुनी गयीं हैं। इसी प्रकार जिला मंत्री पद पर डॉ गजेंद्र कुमार मिश्र, डॉ उर्मिला सिंह, संयुक्त मंत्री पद पर डॉ शिव कुमार यादव व डॉ हर गोविंद मिश्र को चुना गया है। इसी प्रकार कोषाध्यक्ष पद पर डॉ राधा मोहन मिश्र, आय व्यय निरीक्षक पद पर विरेंद्र प्रसाद लेखवार, मीडिया प्रभारी पद पर डॉ लीना मिश्रा, क्षेत्रीय मंत्री पद पर निशा श्रीवास्तव, प्रीति कटियार, दिव्या श्रीवास्तव, शशि बाला, प्रमोद तिवारी, अनिल कुमार वर्मा, राज कुमार सिंह, राजन द्विवेदी एवं अर्चना पाठक को चुना गया है। उन्होंने आगे बताया कि इसके साथ ही जिला कार्यकारिणी में सदस्य के रूप में अरुण कुमार और सूर्य बाला को शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रांतीय मंत्री डॉ राम बहादुर सिंह ने बताया कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं मंत्री ने संगठन की मजबूती, प्रधानाचार्यों की न्याय संगत मांगों व समस्याओं के समाधान तथा शैक्षिक वातावरण को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

निगोहां पुलिस की मुस्तैदी से टली बड़ी चोरी, रोटावेटर छोड़कर भागे चोर

- गश्त के दौरान कस्बा प्रभारी अनूप तिवारी ने चोरों का किया पीछा, करीब 10 किलोमीटर तक दौड़ती रही पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता



निगोहां, लखनऊ। शुक्रवार देर रात निगोहां कस्बे में पुलिस की सतर्कता से कृषि उपकरण चोरी की बड़ी वारदात टल गई। गश्त के दौरान कस्बा प्रभारी अनूप तिवारी ने चोरों को रोटावेटर लेकर भागते देखा तो पीछा कर दिया। पुलिस को पीछे आता देख चोर चोरी किया गया रोटावेटर सड़क पर छोड़कर पिकअप समेत फरार हो गए। कस्बा निवासी राजेन्द्र कृषि उपकरण का व्यवसाय करते हैं। उनके घर के बाहर कृषि यंत्र रखे थे। शुक्रवार देर रात पिकअप सवार अज्ञात चोरों ने एक रोटावेटर वाहन में लाद लिया। इसी दौरान बाइक से गश्त कर रहे कस्बा प्रभारी की नजर चोरों पर पड़ गई। पुलिस को आता देख चोरों में हड़कंप मच गया और उन्होंने रोटावेटर सड़क पर गिरा दिया। इसके बाद पुलिस ने उनका करीब 10 किलोमीटर तक पीछा किया, लेकिन संकरी गलियों और अंधेरे का फायदा उठाकर चोर फरार हो गए। पुलिस ने बरामद रोटावेटर कब्जे में लेकर व्यवसायी राजेन्द्र को सौंप दिया। चोरी की वारदात टलने पर व्यवसायी ने पुलिस टीम का आभार जताया। वहीं पुलिस फरार चोरों की तलाश में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिससे चोरों के वाहन और उनकी पहचान का पता लगाया जा सके।

गोसाईंगंज में पीडीए चौपाल, गांव-गांव पहुंचा संविधान बचाने का संदेश

- आरके चौधरी और अम्ब्रीश पुष्कर ने कार्यकर्ताओं से 2027 में सपा सरकार बनाने का किया आह्वान

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोसाईंगंज, लखनऊ । मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के गोसाईंगंज ब्लॉक की ग्राम सभाओं चांद सराय, सेल्हूमऊ, गुलाल खेड़ा और चंडीदीन का पुरवा में शनिवार को 'हो बाबा साहब के मान पर चर्चा, घर-घर पहुंचे घ्क्ष पर्चा' अभियान के तहत घ्क्ष चौपाल आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि सपा सांसद आरके चौधरी ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए घ्क्ष समाज को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने कहा कि शोषित और वंचित समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान बचाना जरूरी है। उन्होंने सपा सरकार बनने पर महिलाओं को आर्थिक सहायता, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, खक्क से घ्क्क तक मुफ्त शिक्षा, रोजगार और किसानों का कर्ज माफ करने जैसे वादे गिनाए। कार्यक्रम का संचालन बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव संतोष रावत ने किया, जबकि अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि उमाशंकर वर्मा ने की। आयोजकों ने अतिथियों का स्वागत किया। चौपाल में राम किशोर रावत, दिनेश यादव सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड में विकास कार्यों की सौगात 17 स्थानों पर हुआ शिलान्यास एवं भूमि पूजन

- पार्षद निधि से कराए जाएंगे लगभग डेढ़ करोड़ के विकास कार्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड में आज विकास कार्यों को लेकर क्षेत्रीय लोगों में काफी उत्साह का माहौल रहा। वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क, नाली, सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग, पाथवे तथा पार्कों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े कुल 17 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। ये सभी कार्य पार्षद निधि से कराए जाएंगे।

भूमि पूजन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के पूरा होने से वार्डवासियों को बेहतर आवागमन, जलनिकासी, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। स्थानीय पार्षद मानसिंह यादव ने बताया कि वार्ड में विभिन्न स्थानों पर पार्षद निधि से लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे है। इनमें नाली, साइड पटरी, सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग एवं पाथवे निर्माण के साथ-साथ पार्कों की मरम्मत और रंगाई-पुताई के कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मंगल पांडे पार्क के पास नाली एवं साइड पटरी निर्माण, सेक्टर-जी में सी-39 के सामने स्थित पार्क, सेक्टर-ए स्थित शहीद भगत सिंह पार्क तथा पहाड़ी लाल यादव पार्क में पाथवे का निर्माण कराया जाएगा। वहीं, सेक्टर-ए में प्रेम हरिनिवास के सामने स्थित पार्क, सावित्री राजपूत के घर के सामने पार्क तथा सेक्टर-जी में आरती अवस्थी के घर के सामने पार्क की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई का कार्य होगा। महादेव यादव के घर के सामने स्थित पार्क में रंगाई-पुताई के साथ पाथवे निर्माण कराया जाएगा। पलटन गांव में गजाधर कुटीक के घर के सामने से रामावतार के घर तक नाली एवं सीसी सड़क के सुधार का कार्य किया जाना है। सेक्टर-ए में मनोज गुप्ता के घर से जे.एन. श्रीवास्तव के घर तक सड़क के दोनों ओर नाली मरम्मत एवं साइड पटरी पर इंटरलॉकिंग का कार्य कराया जाएगा। इसी सेक्टर में मकान संख्या वी-2/322 के सामने से मुख्य मार्ग तक नाली मरम्मत एवं साइड पटरी पर इंटरलॉकिंग तथा समीर श्रीवास्तव के घर के सामने नाली एवं सीसी सड़क सुधार का कार्य होगा। इसके अलावा अग्रवाल ट्रेडर्स से संजय कुदेशिया के घर तक नाली मरम्मत एवं साइड पटरी पर इंटरलॉकिंग, नीरज श्रीवास्तव के घर के सामने नाली एवं सीसी सड़क सुधार, विक्ट्री कैफ़े के पास से डॉ. राजीव अग्रवाल के घर तक नाली निर्माण तथा वहां से महादेव होटल चौराहे तक नाली एवं साइड पटरी निर्माण का कार्य कराया जाएगा।

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 4.91 लाख की साइबर ठगी

- चिनहट निवासी युवक को टेलीग्राम लिंक और क्यूआर कोड भेजकर जाल में फंसाया, साइबर क्राइम में शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

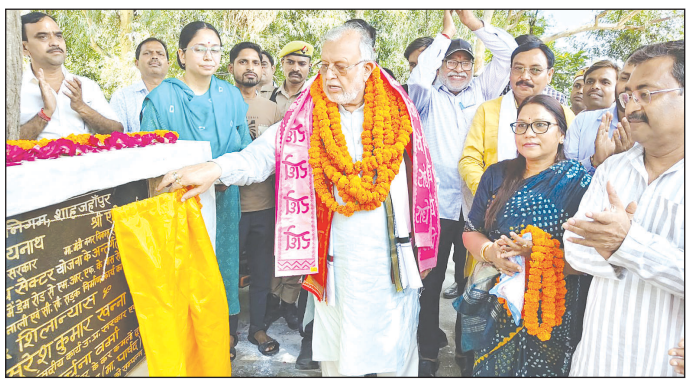
चिनहट, लखनऊ। चिनहट थाना क्षेत्र निवासी एक युवक से शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 4 लाख 91 हजार 300 रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई गई है। मामले में पुलिस से आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और रकम वापस कराने की मांग की गई है।

शिकायत के मुताबिक, चिनहट के शंकर पुरी कॉलोनी निवासी शिव प्रताप रघुवंशी की बातचीत उनके मित्र के माध्यम से नोएडा निवासी हरीश प्रसाद शाह से फोन पर हुई थी। आरोप है कि हरीश ने खुद को शेयर बाजार में निवेश का अनुभवी व्यक्ति बताते हुए पीड़ित को अधिक मुनाफ़े का लालच दिया और निवेश करने के लिए प्रेरित किया। पीड़ित के अनुसार, आरोपित ने टेलीग्राम के माध्यम से लिंक और क्यूआर कोड भेजकर रकम जमा करने को कहा। उसके झांसे में आकर पीड़ित ने अलग-अलग माध्यमों से कुल 4,91,300 रुपये भेज दिए। इसके बाद आरोपित ने एक लाख रुपये और देने को कहा और दावा किया कि शेष रकम निकालने के लिए पांच लाख रुपये का निवेश करना होगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपित की बात पर विश्वास कर उसने अपने बैंक खाते से संबंधित खाते और यूपीआई आईडी पर करीब पांच लाख रुपये तक भेज दिए। रकम भेजने के बाद जब उसने बार-बार फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसे अपने साथ साइबर ठगी होने का संदेह हुआ।पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, शिकायत के बाद साइबर क्राइम की ओर से पीड़ित द्वारा भेजी गई कुल 4,91,300 रुपये की रकम में से 2,83,352.20 रुपये फ्रीज कराए जाने की जानकारी दी गई है। हालांकि पीड़ित के मुताबिक उसे अभी तक कोई रकम वापस नहीं मिली है।

वित्त मंत्री ने 04 हॉट मिक्स व 06 सीसी सड़कों के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

❐ शहर में 7.14 करोड़ की लागत से बनेगी सड़कें व नालियां, जलभराव से मिलेगी राहतः वित्त मंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता



शाहजहांपुर। प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने शनिवार को राज्य सेक्टर योजना के नवसृजित/सृजित होने वाले नगर निगमों में सड़क के पुनरोद्धार/ नवीनीकरण/ विस्तारीकरण योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत महानगर क्षेत्र में 07 करोड़ 14 लाख की लागत से 04 हॉट मिक्स एवं 06 सीसी सड़कों के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान वित्त मंत्री ने बताया कि सुभाष नगर में मुख्य मार्ग पर सड़क निर्माण, सुभाष नगर में स्मार्ट रोड के पास पंप हाउस से राशिद अली के मकान के पास रेलवे सड़क तक नाली एवं सीसी सड़क निर्माण, सुभाष नगर तिराहे से स्मार्ट रोड तक हॉट मिक्स द्वारा सड़क सुदृढ़ीकरण, सुभाष नगर तिराहे से कनौजिया हॉस्पिटल तिराहे तक हॉट मिक्स द्वारा सड़क सुदृढ़ीकरण, ईदगाह से ककरा कला तक हॉट मिक्स द्वारा सड़क सुदृढ़ीकरण, लोहारों वाले चौराहे से ककरा न्यू सिटी मार्ग तक हॉट मिक्स द्वारा सड़क सुदृढ़ीकरण, ककरा खुर्द में नाजो के खोखे से नजीम के मकान होते हुए खेड़े वाली मस्जिद के पास तक नाली एवं सीसी सड़क निर्माण, ककरा में नगर निगम कार्यालय के सामने गेस्ट हाउस के गेट के पास से पार्क के गेट तक नाली एवं सीसी सड़क निर्माण, अजीजगंज में डैम रोड से एमआरएफ के पास से होते हुए नहर की पटरी तक नाली एवं सीसी सड़क निर्माण और डैम रोड से ओवर हेड टैंक तक एवं शहीद भगत सिंह पार्क से होते हुए बरेली मोड़ तक नाली एवं सीसी सड़क निर्माण होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से शहर में बेहतर सड़क सुविधा, सुगम आवागमन एवं बेहतर जलनिकासी व्यवस्था होगी और जलभराव जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान महापौर अर्चना वर्मा, नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी, राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्रनाथ वाल्मीकि, पार्षद मनीष गुप्ता, शिवओम सक्सेना, नवनीत सक्सेना, सैय्यद खान, पार्षद पति नरेश चंद्र मौर्य, नरेंद्र पाल एवं मुख्य अभियंता आशीष त्रिवेदी सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

खैराबाद पालिका बोर्ड बैठक में हंगामें के बाद मुकदमा दर्ज

❐ इस मामले को लेकर जिले भर में रहा चर्चाओं का शोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर। नगर पालिका परिषद खैराबाद की बोर्ड बैठक शुक्रवार को उस समय अचानक हंगामे में बदल गई, जब वार्ड संख्या-12 कमालसराय के सभासद प्रतिनिधि जहीर अहमद कथित तौर पर अपनी सीट से उठकर पालिका अध्यक्ष बेबी गुप्ता की ओर बढ़ने लगे। बैठक के दौरान हुए इस घटनाक्रम से सभागार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद लोगों और सदस्यों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को संभाला जा सका।

अध्यक्ष की तहरीर पर मुकदमा

घटना के बाद पालिका अध्यक्ष बेबी गुप्ता की ओर से खैराबाद थाने में लिखित तहरीर दी गई। पुलिस ने मामले में क्रमांक संख्या 0233/2026 दर्ज करते हुए जहीर अहमद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (उगट्ट) की धारा 131 और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक दिवाकर मिश्रा को सौंपी गई है।



बैठक की गरिमा पर सवाल

बोर्ड बैठक जैसे औपचारिक मंच पर हुए इस विवाद ने पालिका की कार्यप्रणाली और जनप्रतिनिधियों के बीच चल रही खींचतान को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अध्यक्ष पक्ष ने घटना को बैठक की गरिमा और जनप्रतिनिधि के सम्मान से जोड़ते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

पुराने विवाद भी चर्चा में

तहरीर में जहीर अहमद पर पूर्व में पालिका कर्मचारियों के साथ कथित अभद्रता, गाली-गलौज और दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों का भी उल्लेख किए जाने की बात सामने आई है। वहीं, स्थानीय स्तर पर जहीर अहमद को लेकर अन्य गंभीर आरोपों की भी चर्चाएं हैं। सूत्रों के अनुसार जुआ खिलवाने तथा सफाई कर्मियों से जुड़े पुराने विवाद में एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई जैसी बातें शामिल हैं।

सांसद की मौजूदगी में हुआ विवाद

खास बात यह रही कि बोर्ड बैठक के दौरान सीतापुर सांसद राकेश राठौर भी मौजूद बताए जा रहे हैं। सांसद की मौजूदगी में हुए इस घटनाक्रम ने मामले को और गंभीर बना दिया है। पालिका में नजूल भूमि समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर अध्यक्ष पक्ष और कुछ सभासदों के बीच पहले से चल रही कथित तनातनी को भी इस विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

अध्यक्ष प्रतिनिधि ने जताई नाराजगी

पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बोर्ड बैठक जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा का मंच है और यहां इस तरह का व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पालिका का माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शारदानगर इलाके में धड़ल्ले से हो रहा कच्ची शराब का अवैध कारोबार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी। सदर तहसील शारदानगर थाना क्षेत्र के रमनगरा, रमनगरी समेत कई गांवों में अवैध कच्ची शराब का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। आरोप है कि कच्ची शराब का यह अवैध कारोबार आबकारी पुलिस इनकी मिली-भगत से संचालित हो रहा है। जिसके चलते कच्ची शराब के कारोबारी बेखौफ होकर अपना अवैध कारोबार कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक खीरी जनपद के सदर तहसील लखीमपुर खीरी शारदानगर थाना क्षेत्र के रमनगरा व रमनगरी गांव कच्ची शराब का गढ़ माने जाते है। बताते है कि इन दोनों गांवों में कई लोग कच्ची शराब के अवैध कारोबार से जुड़े हैं।*इस अवैध कारोबार में विनोद प/ध बांके लाल , पिंटू प/ध मनोहर लाल का नाम खासा चर्चा में है।* यह कारोबारी गांव में सबसे अधिक कच्ची शराब की बिक्री करते हैं। आरोप है कि कच्ची शराब कारोबारी हल्का नंबर दो के आबकारी पुलिस से सांठगांठ कर रखी है। इसी सांठगांठ की बदौलत पिंटू विनोद बेखौफ होकर कच्ची शराब का अवैध कारोबार धड़ल्ले से कर रहे हैं। पुलिस से सांठगांठ होने के चलते कच्ची शराब के कारोबारी अपने घर से लेकर गांव व खेत खलिहान में बेहिचक शराब पहुचा देते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कच्ची शराब की धड़ल्ले से हो रही बिक्री के चलते कई लोगों के घर उजड गये है तो कई लोगों के घर उजड़ने की कगार पर है। इस बाबत शारदानगर आबकारी पुलिस से भी शिकायत की गई है?, लेकिन शारदानगर पुलिस भी कच्ची शराब के कारोबारियों की धरपकड़ करने के बाद मोटी रकम लेकर उन्हें छोड़ देती है। रमनगरा व रमनगरी गांव के लोगों ने मांग की है कि गांव में कच्ची शराब का अवैध धन्धा करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, जिससे गांव के लोगों को राहत मिल सके। अवैध कच्ची शराब के संबंध उच्च अधिकारियों से बात करने पर उन्होंने बताया है कि टीम गठित कर दी गई है जल्दी ही अवैध कच्ची शराब कारोबारीयों के खिलाफ कार्रवाई होगी। फिलहाल अब देखना यह है कि तहसील लखीमपुर खीरी शारदा नगर आबकारी पुलिस कच्ची शराब के कारोबारी के खिलाफ क्या एक्शन लेते हैं.।

मथुरा कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर पर रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर । नगर निगम के कार्यों की निविदा में कूटरचित चरित्र प्रमाणपत्र लगाकर प्रतिभाग करने और अनुचित लाभ हासिल करने के आरोप में सदर बाजार थाने में मथुरा कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर प्रदीप कुमार गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। नगर निगम के मुख्य अभियंता आशीष त्रिवेदी ने दी गई तहरीर में बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सीसी सड़क और नाली निर्माण के लिए 19 मार्च से नौ अप्रैल 2025 तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गईं थीं। इनमें तीन फर्मों ने प्रतिभाग किया था। मथुरा कंस्ट्रक्शन ने भी हैसियत प्रमाणपत्र, जीएसटी, लेबर, ईपीएफ और जिलाधिकारी कार्यालय से जारी बताया गया 23 दिसंबर 2023 का चरित्र प्रमाणपत्र लगाकर निविदा प्रस्तुत की थी। बाद में डीएम कार्यालय से कराई गई जांच में चरित्र प्रमाणपत्र कार्यालय से जारी होना नहीं पाया गया। इसी तरह अन्य कार्यों की निविदाओं में लगाए गए 16 जनवरी 2026 के चरित्र प्रमाणपत्रों के संबंध में भी जिलाधिकारी कार्यालय से जारी न होने की बात सामने आई। कहा गया कि मथुरा कंस्ट्रक्शन की निविदाएं न्यूनतम दर होने के कारण नियमानुसार स्वीकृत हुईं और विभिन्न कार्य आवंटित किए गए।

मछरेहटा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 9 वारंटी और 2 वांछित गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ 24 घंटे में अपहृता सकुशल बरामद

मछरेहटा, सीतापुर । पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मछरेहटा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 9 वारंटियों और 2 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, एक अपहृता को घटना के 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) दुर्गेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी मिश्रिख विशाल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में मछरेहटा थाना पुलिस ने 12 सितंबर 2026 को न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर 9 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। नगथापुर निवासीः नीरज कुमार (पुत्र रमेश चंद्र अवस्थी), धीरज कुमार (पुत्र रमेश चंद्र अवस्थी), उमेश कुमार (पुत्र श्रोहनलाल अवस्थी)। भठेरा निवासीः सरजू (पुत्र मिहोहन), सेवक राम (पुत्र मिहोहन), सुभाष (पुत्र मिहोहन)। गोसाइनपुरवा निवासीः रामकिशोर (पुत्र बदलू), बदलू (पुत्र खुशहाल)। बेहड़ा खालसा निवासीः प्रेम (पुत्र चौधरीलाल)। पुलिस के अनुसार, इन सभी के खिलाफ संबंधित न्यायालयों से वारंट जारी थे। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया है। दुष्कर्म का वांछित आरोपी पकड़ा गया एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने मु0अ0सं0 171/26, धारा 64(1)/351(3) उगट्ट में वांछित आरोपी सीताराम (21 वर्ष), पुत्र दयाराम, निवासी इमलिया (मजरा बनियामऊ) को सरसपुर-बनियामऊ रोड स्थित बनीगंज तिराहे से गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।मु0अ0सं0 203/26, धारा 87 उगट्ट से संबंधित मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मधवापुर (मजरे राजागांव) निवासी कामिनी (पत्नी कामता) को लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र से 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया।

'मिशन शक्ति 5.0' के तहत महिला अपराध का आरोपी गिरफ्तार

महिला संबंधी अपराधों पर रोकथाम के लिए चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत मु0अ0सं0 205/26, धारा 296 उगट्ट के वांछित आरोपी प्रेम कुमार उर्फ गौरा (30 वर्ष), पुत्र स्व. मुन्नीलाल, निवासी राजेपारा को गांव के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए वांछित एवं वारंटी अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने 'आरंभ' कार्यक्रम का किया आयोजन

अयोध्या । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अयोध्या महानगर के झुनझुनवाला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो विश्व धर्म महासभा में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की 133वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'आरंभ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता प्रांत सह मंत्री शिवम मिश्रा, झुनझुनवाला पीजी कॉलेज के डायरेक्टर डॉ निर्भय मिश्रा, महानगर उपाध्यक्ष डॉ अनुराधा गर्ग, नगर अध्यक्ष डॉ स्वाती, नगर मंत्री अमित कुमार ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

25 साल की सेवा गाथा लेकर गांव–गांव पहुंचेगी सरकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी। पीएम नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के अविरल जनसेवा काल के उपलक्ष्य में प्रदेश सरकार का सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा। एक माह तक चलने वाले इस अभियान में सेवा, स्वच्छता, जनकल्याण और जनभागीदारी के जरिए सरकार की विकास यात्रा को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध तथा जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रमों की तैयारी में किसी तरह की औपचारिकता न बरतने और सभी गतिविधियों को मिशन मोड में संचालित करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ. ख्याति गर्ग और सीडीओ अभिषेक कुमार ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। प्रभारी मंत्री ने विभागवार तैयारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि अभियान केवल आयोजनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सरकार की 25 वर्षों की विकास यात्रा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचे और पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ मिले, यही अभियान का मूल उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, युवाओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कर कार्यक्रमों को जनआंदोलन का स्वरूप देने के निर्देश दिए।

सेवा दिवस पर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'

17 सितंबर को सेवा दिवस के साथ अभियान की शुरुआत होगी। जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में फल वितरण व रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। विश्वकर्मा जयंती पर टूलकिट वितरण भी होगा। शाम सात बजे गुरु गोविंद सिंह चौक, मेडिकल कालेज के साथ ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों, प्रमुख मंदिरों, नदी घाटों और वर्ष 2014 के बाद विकसित प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर स्थलों पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा।

स्कूलों से चौपाल तक दिखेगी विकास की कहानी

17 सितंबर से सात अक्टूबर तक 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम में विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विकसित भारत-विकसित यूपी विषय पर चित्रकला, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' के तहत सांस्कृतिक दल गांवों और चौपालों में नाटक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से 25 वर्षों की विकास यात्रा बताएंगे। 25 सितंबर से सात अक्टूबर तक 'आंगन मिलन सेवा' के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और उत्कृष्ट लाभार्थी माताओं का सम्मान होगा। हेल्दी बेबी प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी।

शिविर में आवेदन, मौके पर योजना का लाभ

'सेवा सेतु अभियान' के तहत सभी विकासखंडों और निकाय स्तर पर सात दिवसीय बहुउद्देशीय शिविर व स्वास्थ्य मेले लगाए जाएंगे। पात्र लोगों के मौके पर आवेदन कराकर योजनाओं का लाभ दिलाने की व्यवस्था होगी। वहीं 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' कार्यक्रम में विशाल मानव रंगोली बनाई जाएगी। प्राकृतिक रंगों और फूलों के माध्यम से जनभागीदारी का संदेश दिया जाएगा। 'सेवा मेरा योगदान' के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक नदियों, घाटों, सरोवरों, पार्कों और गौशालाओं में स्वच्छता अभियान व सघन पौधारोपण चलेगा। नागरिक कम से कम 25 मिनट श्रमदान कर डिजिटल प्रमाणपत्र भी प्राप्त कर सकेंगे।

जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर भव्य बनाएं कार्यक्रम

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों और संगठन के प्रतिनिधियों से निरंतर समन्वय रखा जाए। प्रत्येक कार्यक्रम की जिम्मेदारी तय कर समयबद्ध तैयारी और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य सरकारी कार्यक्रम की औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि सेवा भाव के साथ आमजन को जोड़ना है। बैठक में सदर विधायक योगेश वर्मा, श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी, धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, डीएफओ दक्षिण खीरी तापस मिहिर सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

फोन नहीं उठाया तो अभियंताओं पर होगी कार्रवाई

प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर अभियंताओं को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जनता और जनप्रतिनिधियों के फोन नहीं उठाने वाले अभियंताओं के खिलाफ कार्रवाई होगी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोकल फाल्ट तत्काल दूर करने, ओवरलोड फीडरों का लोड डिवाइड करने और रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। व्यवस्था में सुधार के लिए अधिकारियों को एक सप्ताह की मोहलत दी गई।

बाढ़ के बाद गांवों में बढ़ाएं सफाई और एंटी लार्वा छिड़काव

बारिश और बाढ़ के बाद संक्रामक रोगों की आशंका को देखते हुए प्रभारी मंत्री ने गांवों में सफाई और एंटी लार्वा छिड़काव तेज करने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों की संख्या बढ़ाने तथा दवा छिड़काव की फोटो पोर्टल पर अपलोड कर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ के बाद स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

समाधान दिवस में पहुंचे फरियादी, अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं



धौरहरा, खीरी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना धौरहरा परिसर में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उप जिलाधिकारी धौरहरा, क्षेत्राधिकारी धौरहरा एवं प्रभारी निरीक्षक धौरहरा की मौजूदगी में अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। समाधान दिवस में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामलों, आपसी विवाद सहित अन्य समस्याओं को लेकर अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं। अधिकारियों ने फरियादियों की बात सुनने के बाद संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को शिकायतों का मौके पर परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों में आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करते हुए शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। समाधान दिवस के दौरान थाना परिसर में अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बीच फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की प्राथमिकता है और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शारदा का जलस्तर घटा, अपस्ट्रीम में बढ़ रहा पानी का दबाव



सीतापुर, बेहटा, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शारदा नदी का जलस्तर भले ही घटने लगा हो, लेकिन अपस्ट्रीम की तरफ लगातार बढ़ रहे पानी के दबाव ने तटवर्ती ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। नदी के किनारे कटान रोकने के लिए चल रहा बचाव कार्य जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते महज खानापूर्ति बनकर रह गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर तैनात सिंचाई विभाग के जेई और अन्य जिम्मेदार अधिकारी अक्सर नदारद रहते हैं। ऐसे में करोड़ों रुपये की परियोजनाओं से बनाए गए जिओ ट्यूब और अन्य बचाव संरचनाओं की निगरानी रामभरोसे चल रही है। नदी का घटता जलस्तर जहां राहत की उम्मीद जगा रहा है, वहीं अपस्ट्रीम से बढ़ता दबाव कमजोर तटबंधों और कटान प्रभावित क्षेत्रों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष बाढ़ और कटान के दौरान विभागीय अधिकारी सक्रिय होने का दावा करते हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग के उच्चाधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर प्रभावी बचाव कार्य कराने की मांग की है। सिंचाई विभाग के जिम्मेदारों का पक्ष मिलने पर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

सालो से बदहाल सड़क, जिम्मेदारी के फ़ेर में फंसे दर्जनों गांव

❐ स्कूली बच्चो को आवागमन मे हो रही भारी समस्याएं

❐ अंदेश नगर चौराहे से सरकारी गोदाम तक जर्जर मार्ग पर सफर बना मुसीबत, ग्रामीण बोले–किस विभाग की है सड़क, यह तय करने में बीत गए दस साल

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी। जिले के पोस्ट महेवागंज क्षेत्र के ग्राम ताहीरपुर समेत दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली सड़क पिछले करीब 10 वर्षों से बदहाली का दंश झेल रही है। सड़क की हालत इतनी खराब बताई जा रही है कि ग्रामीणों व स्कूली बच्चों के लिए इस मार्ग से आवागमन करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है और स्कूली बच्चे सड़क पर भरे हुए गड्ढों के पानी से निकलने को मजबूर हो रहे है। इसके बावजूद सड़क निर्माण और मरम्मत की जिम्मेदारी को लेकर विभागों के बीच कथित तौर पर खींचतान बनी हुई है और प्रशासन की तरफ से सड़क की समस्या को लेकर कोई भी समाधान नही निकाला जा रहा है और सड़क अपनी बदहाली पर आंसु बहाने पर मजबूर है। ग्रामीणों ने जिला अधिकारी को शिकायती पत्र के माध्यम से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि अंदेश नगर चौराहे से केंद्रीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र के पास से होते हुए सरकारी गोदाम तक जाने वाली यह सड़क दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ती है। लंबे समय से सड़क की हालत खराब होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे विभाग

ग्रामीण के मुताबिक, सीसीबीएफ अंदेश नगर की ओर से कहा जा रहा है कि इस सड़क की उन्हें आवश्यकता नहीं है और विभाग इसे बनवाने में सक्षम/जिम्मेदार नहीं है। वहीं दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग (घ्डक) की ओर से इसे अंदेश नगर की सड़क बताते हुए अपने विभाग के अधीन नहीं आने की बात कही जा रही है। शिकायतकर्ता का दावा है कि सीसीबीएफ अंदेश नगर इस संबंध में लिखित रूप से यह देने को भी तैयार है कि उसे इस सड़क की आवश्यकता नहीं है और पीडब्ल्यूडी इस मार्ग पर कार्य कर सकती है।

दर्जनों गांवों के ग्रामीणों का सवाल, आखिर सड़क किसकी है

सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर सड़क किसी एक विभाग की जिम्मेदारी में नहीं है, तो पिछले दस वर्षों से इसकी मरम्मत और निर्माण की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय सीमा और जिम्मेदारी के विवाद का खामियाजा आम जनता और स्कूली बच्चो को भुगतना पड़ रहा है। खराब सड़क के कारण रोजमर्रा के आवागमन, किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों और अन्य जरूरतमंद लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से पूरे मामले का स्थलीय निरीक्षण कराकर सड़क की वास्तविक स्थिति और स्वामित्व/जिम्मेदारी स्पष्ट कराने तथा संबंधित विभाग को सड़क की मरम्मत या निर्माण के लिए निर्देशित करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने सड़क की बदहाली से संबंधित वीडियो भी अधिकारियों के साथ साझा किए हैं, ताकि मौके की स्थिति सामने आ सके। अब देखना यह है कि दस साल से विभागीय जिम्मेदारी के फ़ेर में फंसी इस सड़क की सुध कब ली जाती है और दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को कब बदहाल रास्ते से निजात मिलती है।

जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में हिंदू कन्या पाठशाला इण्टर कॉलेज बना विजेता ''

सीतापुर। जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता, 2026-2027 का आयोजन हिन्दू कन्या पाठशाला इण्टर कॉलेज में आयोजक जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षक (माध्यमिक), जनपद सीतापुर के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षका वन्दना वर्मा और जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश नन्दन पाण्डेय के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता नोडल अधिकारी/राजकीय इण्टर कॉलेज, जनवा के प्रधानाचार्य अशोक कुमार के दिशा निर्देशन में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में राजकीय इण्टर कॉलेज, बाँसुरा, हिंदू कन्या पाठशाला इण्टर कॉलेज, आर्य कन्या इण्टर कॉलेज, लाला राम नारायण सहगल इण्टर कॉलेज, नीमसार और पी.एन. सहगल इण्टर कॉलेज सहित कुल पांच विद्यालयों ने अपने प्रभारी शिक्षाओं के साथ प्रतिभाग किया।इस बैंड प्रतियोगिता में प्रतिभागी सभी विद्यालयों को देशभक्ति से जुड़ी विषय वस्तु एवं देशभक्ति की ही धुन पर आधारित प्रदर्शन करना अनिवार्य था। सभी प्रतिभागी विद्यालयों के प्रदर्शन के उपरान्त प्रतियोगिता के निर्णायकों अवधेश नन्दन पाण्डेय और डॉ. निखिल कुमार रस्तोगी के द्वारा हिन्दू कन्या पाठशाला इण्टर कॉलेज को प्रथम, आर्य कन्या इण्टर कॉलेज द्वितीय एवं लाला राम नारायण सहगल इण्टर कॉलेज को तृतीय स्थान प्रदान किया गया।

जेल प्रशासन ने बंदियों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की लगाई प्रदर्शनी



शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। जिसमें जिला कारागार ने बंदियों के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक पुनर्वास के उद्देश्य से उनके द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी में जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों द्वारा निर्मित पेंटिंग्स, बैग, गमले तथा अन्य हस्तनिर्मित सामग्री प्रमुख रूप से शामिल रहीं। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाहजहांपुर धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय ने फीता खोलकर किया और प्रदर्शनी का अवलोकन कर बंदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने बंदियों को कौशल विकास से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा समाज की मुख्यधारा में पुनः स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य न्यायिक अधिकारियों एवं अतिथियों ने भी बंदियों की सराहना की और कारागार प्रशासन की बंदियों के सुधार एवं पुनर्वास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बंदियों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन की भावना विकसित करने में सहायक होती हैं। जेल अधीक्षक जेपी तिवारी ने कहा कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बंदियों में छिपी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना, उनके कौशल को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर करते हुए समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव सहित तमाम अधिवक्ता व कारागार स्टाफ आदि मौजूद रहा।

हत्या प्रकरण में कार्रवाई व मुआवजे की मांग, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। समाजवादी पार्टी के नेताओं और स्थानीय लोगों ने शनिवार को सपा नेता जय सिंह यादव के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी अमेठी को सौंपा। ज्ञापन में जनपद गोंडा के थाना परसपुर क्षेत्र निवासी विनोद कुमार साहनी की हत्या के मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि विनोद कुमार साहनी की अज्ञात बदमाशों द्वारा हत्या कर दी गई, जिससे उनके परिवार पर संकट आ गया है। आरोप लगाया गया कि मामले में पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक नहीं रही, जिसके कारण अपराधियों का मनोबल बढ़ा है। ज्ञापन के माध्यम से घटना की निष्पक्ष जांच कर सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई गई।

सपा नेताओं ने मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, पत्नी को सरकारी नौकरी, बच्चों की निःशुल्क शिक्षा तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की। ज्ञापन पर मनू पाल, बबलू यादव, सौरभ चौधरी समेत कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं।

लाखों रुपये, जेवरात के साथ पकड़े गए दो आरोपी, एक फरार, एआरटीओ चौराहे से दिखाई पुलिस ने गिरफ्तारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बदायूँ। थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा 02 आरोपियों को चोरी किये गये 79 लाख रुपये नगद व लगभग 21 लाख रुपये के जेवरात एवं एक गाड़ी हुण्डई वर्ना सहित सिविल लाइन पुलिस ने एआरटीओ चौराहे से गिरफ्तारी कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। वही एक आरोपी पुलिस की ओर से फरार बताया जा रहा है, आपको बता दें कि थाना सिविल लाइन क्षेत्र के चौकी नवादा दास कॉलेज के सामने सड़क किनारे खड़ी कार को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने शीशा तोड़कर नकदी-जेवर पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिनदहाड़े व्यस्त इलाके में हुई वारदात ने पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल के हुगली निवासी शेख दिलावर हुसैन के अनुसार, वह अपने कारीगर शिरफराज और चालक आरिफ के साथ कार से बदायूं से मेरठ जा रहे थे। 10 सितंबर की दोपहर करीब 1 बजकर 40 मिनट पर भूख लगने पर उन्होंने नवादा स्थित दास डिग्री कॉलेज के सामने कार रोक दी। तीनों पास की बिरयानी की दुकान पर खाना खाने चले गए। खाना खाने के बाद जब वह वापस कार के पास पहुंचे तो पीछे की तरफ का शीशा टूटा मिला। कार के अंदर रखा सामान बिखरा था।वहीं शिकायतकर्ता के मुताबिक, अज्ञात चोर कार में रखे जेवर और नकदी चोरी कर ले गए। वहीं इसी क्रम में तेजतर्रार एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार पर सहायक पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन्स के नेतृत्व में थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते अज्ञात की घटना कारित करने वाले प्रकाश में आये आरिफ अंसारी पुत्र असगर अंसारी मेरठ, वसीम अंसारी पुत्र निजामुद्दीन मेरठ को पुलिस ने गिरफ्तार किया। वहीं आरोपियों के कब्जे से अभियोग उपरोक्त से संबंधित चोरी किये गये 79 लाख रुपये नगद व लगभग 21 लाख रुपये के जेवरात बरामद किये गये, वहीं आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गाड़ी हुण्डई वर्ना भी पुलिस बरामद की है। वहीं पुलिस की कड़ी पूछताछ के दौरान आरिफ ने बताया कि हम दोनों आपस में रिश्तेदार हैं तथा हम लोगों पर कर्ज़ा हो गया था। शेख दिलावर हुसैन सर्राफ के यहाँ ड्राइवर का काम करता हूँ, बृहस्पतिवार को मैं शेख दिलावर हुसैन की गाड़ी लेकर उसके नौकर सरफराज के साथ बदायूँ में माल देने व लेने के लिये आये थे। तभी हम लोगों ने पहली से ही योजना बना ली थी कि जब भी बदायूँ माल ले कर जायेंगे तो हम लोग योजनाबद्ध तरीके से माल को गायब कर देंगें। जब मैं व सरफराज माल व रुपयों को ले-देकर बदायूँ से मेरठ जा रहे थे, तभी दास कॉलेज,बदायूँ के पास बिरयानी खाने का बहाना बनाकर बिना लाक किये गाड़ी खड़ी कर दी थी तथा सरफराज को दूर बिरयानी की दुकान पर ले गया व योजनाबद्ध तरीके से वसीम अंसारी अपनी वर्ना गाड़ी से बदायूँ आया था और गाड़ी में रखे सोनें के आभूषण व रुपयों को चोरी कर लिये गये । तथा किसी को हम पर भी शक न हो इसलिए गाड़ी के पीछे की ओर का शीशा तोड़ दिया। वसीम पैसे व माल लेकर बदायूँ में छिप गया था, हम दोनो मौका पाकर अपनी इसी वर्ना गाडी चोरी किये गये रुपये व जेवरात को लेकर मेरठ जा रहे थे कि पुलिस ने हमे मय माल के पकड लिया। हम लोग से जेवरात व रूपये बरामद हुए है। यह वही रूपये व जेवरात है जो हमने योजनाबद्ध तरीके से मालिक शेख दिलावर की गाडी से चोरी किये थे, वहीं सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार शुदा आरोपियों को जेल भेजने की करवाई की है। वहीं एसएसपी द्वारा सफल अनावरण/बरामदगी में सम्मिलित टीम को उत्साहवर्धन हेतु प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र सिंह, सुपेन्द्र मलिक,अनन्त आमौरिया, दीपक कुमार,अविनाश कुमार,देवेन्द्र कुमार, रूचि नकद पुरुस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की।

सेवा संकल्प अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाने का लिया संकल्प



संग्रामपुर/अमेठी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर शनिवार को भाजपा संग्रामपुर मंडल में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाने और जन-जन तक इसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में मंडल प्रभारी संतोष दुबे एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकेश यादव ने अभियान के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित में किए गए कार्यों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ह्लसेवा ही संकल्प, जनसेवा ही लक्ष्यङ्क के मंत्र के साथ राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया।

बैठक में मंडल टीम, शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी एवं बूथ अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से अरविंद पांडेय, अतुल तिवारी, विजय मिश्र, पवन गुप्ता, आलोक, प्रवीण यादव, रामचंद्र मिश्र, कमलेश तिवारी, कुंज बिहारी, विवेकानंद, उमाशंकर शुक्ल, धनवंत सिंह, रवि प्रकाश, आशीष सिंह, राजकुमार गुप्ता, अरुण शुक्ल, साबितोश, विकास, अशोक, बृजेश और रवि भूषण मौजूद रहे।

विद्यालय काव्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने डॉ. उर्मिलेश की कविताओं से किया नमन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। हिन्दी दिवस के पूर्व दिवस पर प्रख्यात कवि डॉ. उर्मिलेश के अमृत महोत्सव जंयती वर्ष अन्तर्गत डॉ. उर्मिलेश जनचेतना समिति के तत्वावधान में अन्तर माध्यमिक विद्यालय काव्य प्रतियोगिता का आयोजन नगर के श्री कृष्ण इण्टर कालिज में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने डॉ. उर्मिलेश की कविताओं से उन्हें नमन किया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या नगर से विद्यालयों से विद्यार्थियों ने डॉ. उर्मिलेश की लिखी कविताओं, मुक्तक, गीत, दोहा, ग़ज़ल आदि प्रस्तुत कर समां बांध दिया। विद्यार्थियों ने बहुत तैयारी के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में बी.आर.बी. मॉडल स्कूल की संध्या यादव व नंदिनी रस्तोगी प्रथम, मदर एथेना स्कूल की छात्रा काव्या सोलंकी द्वितीय, राजाराम महिला इण्टर कालिज की छात्रा खदीजा नूर तृतीय एवं हरविलास गोयल इन्टरनेशनल स्कूल की छात्रा फारिहा ने सात्वना पुरस्कार जीता, जबकि सीनियर वर्ग में हरविलास गोयल इन्टरनेशनल स्कूल की रिया गुप्ता प्रथम, श्री कृष्ण इण्टर कालिज के छात्र जयंत बाबू द्वितीय, नगर पालिका अशर्फी देवी कन्या इण्टर कालिज की छात्रा पूनम शर्मा तृतीय मदर एथेना स्कूल की छात्रा आकांशा यादव व शिवदेवी सरस्वती विद्या इण्टर कालिज के छात्र रुद्र शर्मा सात्वंना पुरस्कार जीता। सभी विजयी प्रतियोगियों को समिति की ओर सदस्यों द्वारा प्रमाण पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं ज्ञानवर्धन पुस्तक देकर पुरुस्कृत किया। सभी प्रतिभागी प्रतियोगियों को भी प्रमाण पत्र दिये गये। प्रतियोगिता के निर्णायक प्रोफ़ेसर रवि भूषण पाठक एवं साहित्यकार डॉ. शैलेन्द्र कबीर रहे। इस अवसर पर समिति के सचिव डॉ. अक्षत अशेष ने सभी विजयी एवं प्रतिभागी प्रतियोगियों को बधाई देते हुए कहा, आगामी हिन्दी दिवस एवं डॉ. उर्मिलेश के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने हिन्दी, हिन्दी भाषा एवं हिन्दी साहित्य के प्रति अपनी रुचि एवं रचनात्मक का सार्थक परिचय दिया है जिसके लिए प्रतियोगी, उनके शिक्षक एवं माता पिता सभी बधाई के पात्र हैं। प्रतियोगिता संयोजक आलोक पाठक ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता का संचालन रविन्द्र मोहन सक्सेना ने किया। इस अवसर पर श्री कृष्ण इण्टर कालिज के प्रधानाचार्य संदीप भारती, समिति के सदस्य नरेश चन्द्र शंखधार, प्रशांत दीक्षित, राधेश्याम शर्मा, शिवम वैश्य एवं सुशील शर्मा सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

दिव्यांग संघ ने चलाया यातायात जागरूकता अभियान



अमेठी। भारतीय जागृति मिशन दिव्यांग संघ के तत्वावधान में शनिवार को अंबेडकर तिराहा पर यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए नियमों के पालन की अपील की गई।

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट और चारपहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है।

अभियान के दौरान लोगों को पंपलेट वितरित कर हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा, ट्रैफिक सिग्नल और नशे में वाहन न चलाने जैसे नियमों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर ध्रुव मौर्य, पिंटू कनौजिया, सुरेश शर्मा, विपिन गुप्ता सहित संगठन के कई पदाधिकारी और दिव्यांगजन मौजूद रहे।

अधूरे कार्य के बीच जल जीवन मिशन की योजना पूर्ण दिखाने का आरोप, जांच की मांग



भेटुआ/अमेठी। ग्राम पंचायत गुंगवाछ में जल जीवन मिशन की एक पेयजल योजना को अभिलेखों में पूर्ण दर्शाए जाने पर सवाल उठे हैं। ग्राम प्रधान आशा तिवारी ने जिलाधिकारी को शिकायत देकर आरोप लगाया है कि योजना का निर्माण कार्य अभी अधूरा है, जबकि अभिलेखों में इसे पूर्ण दिखाकर रखरखाव कार्य भी शुरू दर्शाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि ग्राम पंचायत की ओर से योजना पूर्ण होने का अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। वहीं मटकनैगिर गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक उन्हें नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल रही है। कई स्थानों पर पाइपलाइन और नल लगाने का कार्य भी अधूरा बताया गया है। पाइपलाइन में रिसाव और सड़क मरम्मत न होने की शिकायत भी की गई है।

ग्राम पंचायत का कहना है कि पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों और जमीनी हकीकत में अंतर है। करोड़ों रुपये की लागत वाली योजना की स्वतंत्र जांच कराकर घर-घर भौतिक सत्यापन, छायांकन और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। मामले में अभी तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

कछला घाट पर गंगा नदी में डूबी बालिका, अभी तक नहीं लगा पता, घाट पर व्यवस्थाएं फ़ेल

बदायूं। कछला गंगा घाट पर शुक्रवार को गंगा स्नान के दौरान 12 साल की बालिका नदी की तेज धार में बह गई।घटना के अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीमें शनिवार को भी उसकी तलाश में लगी रहीं, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। आपको बता दें कि कछला गंगा घाट पर शुक्रवार को गंगा स्नान के दौरान 12 साल की बालिका नदी की तेज धार में बह गई। घटना के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीमें शनिवार को भी उसकी तलाश में लगी रहीं। वहीं बालिका की तलाश के लिए एसडीआरएफ, गोताखोरों और फ्लड पीएसी की टीमों ने करीब 10 से 12 किलोमीटर के क्षेत्र में खोजबीन की। हालांकि, टीमों को अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। शुक्रवार दोपहर से ही कासगंज क्षेत्र के घाट पर गंगा के तेज बहाव में बहने के बाद से खोज अभियान जारी रहा। शनिवार को भी एसडीआरएफ और गोताखोरों ने गंगा के आगे के क्षेत्रों में बचाव अभियान चलाया। वहीं यह परिवार राजस्थान के भरतपुर जिले के थाना जोगी नगला के गांव रूपवास से आया था। वीरराज अपने परिवार सहित 40 लोगों के साथ बस से कछला गंगा स्नान के लिए पहुंचे थे। वीरराज अपनी पत्नी आरती और बेटी इंद्रा के साथ कासगंज वाले घाट पर स्नान कर रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे इंद्रा गंगा के तेज बहाव में आ गई और डूबने लगी। वहीं बेटी को डूबता देख माता-पिता ने शोर मचाया। आसपास मौजूद लोगों ने बालिका को पानी से निकालने की कोशिश की। लेकिन तब तक बालिका गंगा के तेज बहाव में बह गई थी। बालिका के साथ स्नान कर रहे अन्य बच्चों को घाट पर मौजूद लोगों ने सुरक्षित बचा लिया। वहीं उझानी इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि एसडीआरएफ और पुलिस टीम गंगा में बालिका की खोजबीन कर रही। शाम तक भी उसका कोई पता नहीं चल सका। टीमें लगातार गंगा के पानी में बालिका की तलाश कर रही हैं। यह घटना अमावस्या के उपलक्ष्य में हुए गंगा स्नान के दौरान हुई।

दुर्घटना के 121 मुकदमों का सुलह समझौते से हुआ निस्तारण , 8 करोड़ रूपए से अधिक की क्षतिपूर्ति का निर्धारण

जौनपुर । उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के क्रम में दुर्घटना के कुल 121 मुकदमों को सुलह समझौते के अंतर्गत निपटाते हुए कुल 8 करोड़ 3 लाख 16000 रुपए मुआवजे के रूप में निर्धारित किया।

सन 2007 में दाखिल की गई इजरा की पत्रावली का 19 वर्षों बाद सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण हुआ जिसमें याचीगण को 9 लाख 86 हजार रुपए क्षतिपूर्ति मिली। विभिन्न बीमा कंपनियों के अधिवक्ता व याचियों की भीड़ न्यायालय में उपस्थिति रही तथा याची के अधिवक्ता गण काफी मशक्कत करके अधिक से अधिक मुकदमों के निस्तारण में लगे रहे। इस अवसर पर सूर्य प्रकाश सिंह, सोभनाथ यादव, उमाशंकर सिंह, रविंद्र विक्रम सिंह, सूर्यमणि पांडेय, हिमांशु श्रीवास्तव, बृजेश निषाद, निलेश निषाद, अवधेश यादव, अंकित दुबे, अविनाश शुक्ल सहित काफी अधिवक्ता गण तथा हौसला तिवारी, राज नारायण यादव, सुधाकर मिश्रा, सुधीर कुमार राय, अमितेश, प्रशांत गौड़, अर्सलान, विनय व सद्दाम सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

देशभक्ति की भावना जागृत करने का सशक्त माध्यम है संघ : रमेश

गोरखपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष महोत्सव के अंतर्गत महानगर उत्तरी द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुभाषचंद्र बोस नगर, सूर्यकुंड में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवा स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। वक्ताओं ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक संगठन, अनुशासन और देशहित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित यह युवा सम्मेलन ऐतिहासिक अवसर है। इसके माध्यम से युवाओं को संघ के निकट आने और उसके कार्यों को समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति का अपने देश के साथ गहरा संबंध स्थापित होता है तो वह देश की पीड़ा और समस्याओं को अपनी समस्या मानने लगता है तथा उसके भीतर देशभक्ति की भावना जागृत होती है। व्यक्ति में देशभक्ति की भावना विकसित करने का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक सशक्त माध्यम है। प्रांत प्रचारक ने कहा कि नियमित शाखा व्यक्ति के भीतर प्रखर राष्ट्रवाद की भावना जागृत करती है। शाखा गंगा की तरह पवित्र है और व्यक्ति निर्माण की कार्यशाला है, जहां व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। शाखा में स्थापित भगवा ध्वज हमारे भीतर राष्ट्रीयता और हिंदुत्व की भावना को निरंतर अभिसिंचित करता है। उन्होंने कहा कि संगठित समाज के बल पर ही हिंदुत्व और भारतीयता को संरक्षित एवं संवर्धित किया जा सकता है तथा संगठन की शक्ति से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। सम्मेलन के द्वितीय सत्र को संबोधित करते हुए विभाग प्रचारक अजय नारायण जी ने कहा कि अनुशासन संघ की पहचान है। संघ का उद्देश्य समाज में ऐसे राष्ट्रभक्त नागरिकों का निर्माण करना है, जो देश और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझें और आवश्यकता पड़ने पर त्याग के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि जब हम 'देश सर्वोपरि' की भावना के साथ कार्य करेंगे ।

समाधान दिवस में फरियादियों ने रखी अपनी समस्याएं, मौके पर कार्रवाई के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नानपारा, बहराइच । थाना नानपारा परिसर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। तहसीलदार नानपारा विकास कुमार की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम के दौरान कुल पांच शिकायती पत्र प्राप्त हुए। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिकायतों की सुनवाई उपनिरीक्षक मदन लाल ने की। उन्होंने संबंधित हल्का लेखपालों को मौके पर पहुंचकर शिकायतों की जांच करते हुए निस्तारण की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संबंधित बीट सिपाही को भी मौके पर भेजने के निर्देश दिए गए, जिससे शिकायतों के समाधान में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। समाधान दिवस के दौरान कानूनगो श्याम सुंदर, लेखपाल मनीष कुमार, अशोक कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बिजली कटौती और महंगाई से परेशान जनता, जनप्रतिनिधियों की खामोशी पर सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। जनपद अमेठी में इन दिनों बिजली कटौती और लगातार बढ़ती महंगाई आम जनमानस के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोग घंटों की बिजली कटौती से जूझ रहे हैं, वहीं रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दाम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं। इसके बावजूद जनसमस्याओं को लेकर प्रभावी जनआंदोलन या खुली आवाज कहीं दिखाई नहीं दे रही है। विपक्षी दलों के नेता, जनप्रतिनिधि और विभिन्न सामाजिक संगठन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार की नीतियों की आलोचना करते नजर आते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता के बीच उतरकर उनकी समस्याओं को उठाने की पहल बहुत कम दिखाई दे रही है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है, जो समस्याओं से त्रस्त होकर समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, बाजारों और चाय की दुकानों पर होने वाली चर्चाओं में लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर उनकी समस्याओं को सुनने और उनके लिए संघर्ष करने वाला कौन है। लोगों का कहना है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही आगामी चुनावों की तैयारियों और रणनीतियों में व्यस्त नजर आ रहे हैं, जबकि जनता की बुनियादी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि चुनावी वादों और राजनीतिक बयानबाजी से इतर अब जनप्रतिनिधियों को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए। फिलहाल आगे यह देखना दिलचस्प होगा कि बिजली कटौती और महंगाई जैसे मुद्दों पर जनप्रतिनिधि और राजनीतिक दल कितनी गंभीरता दिखाते हैं और आम जनता को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

संग्रामपुर थाना समाधान दिवस में पहुंचीं तीन शिकायतें, दो का मौके पर निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता



संग्रामपुर/अमेठी। जनपद अमेठी के थाना संग्रामपुर में शनिवार को क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार मिश्र एवं थानाध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस के दौरान पुलिस एवं राजस्व विभाग से संबंधित कुल तीन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि एक शिकायत के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर सीओ मनोज कुमार मिश्र ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिकायतों के समयब समाधान के निर्देश दिए। हालांकि समाधान दिवस के दौरान कुछ राजस्व कर्मचारियों को छोड़कर अधिकांश राजस्व कर्मी अनुपस्थित दिखाई दिए। राजस्व विभाग की उदासीनता के कारण भूमि संबंधी मामलों में शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों में निराशा देखने को मिली। फरियादियों का कहना था कि अधिकांश समाधान दिवसों में राजस्व कर्मियों की अनुपस्थिति के कारण उनकी समस्याओं का प्रभावी निस्तारण नहीं हो पाता है। समाधान दिवस में पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे तथा प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को गंभीरता से आगे बढ़ाया गया।

पुल पर पानी का सैलाब, युवकों के सिर चढ़ा रील का जुनून

जर्जर पुल पर उफनती बिसुही के बीच बाइक स्टंट राहगीर जान जोखिम में डालकर कर रहे पार



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । तेज बारिश के बाद बिसुही नदी उफान पर है।सदर तहसील क्षेत्र के चंदवतपुर पुल के ऊपर से पानी बह रहा है।नीचा और जर्जर पुल पहले से ही राहगीरों के लिए जोखिम भरा है,लेकिन शनि वार सुबह कुछ युवकों ने इसी खतरे के बीच मोटर साइकिल से स्टंट कर रील बनाई।इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया।सुबह करीब आठ बजे सामने आए वीडियो में युवक जलभराव के बीच मोटर साइकिल खड़ी कर पिछले पहिए से पानी उछा लते और उसका वीडियो बनवाते नजर आ रहे हैं। आसपास मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे।कुछ लोगों ने मोबाइल से युवकों की हरकत का वीडियो भी बनाया,जिसे बाद में सोशल मीडिया पर रील के रूप में प्रसारित किया गया।

पानी बढ़ा तो पैदल पुल पार कर रहे राहगीर

पुल के ऊपर पानी का बहाव बढ़ने से आवागमन मुश्किल हो गया है।..कई राहगीर वाहन रोककर पैदल ही पानी पार करने को मजबूर हैं।जर्जर पुल और तेज बहाव के बीच वाहन फिसलने या संतु लन बिगड़ने का खतरा बना हुआ है।रात के समय स्थिति और अधिक जोखिम भरी हो जाती है, क्यों कि अंधेरे में पानी के बहाव और पुल की स्थिति का सही अंदाजा लगाना मुश्किल होता है।स्थानीय लोगों के अनुसार नदी का जलस्तर बढ़ते ही हर साल पुल के ऊपर पानी बहने लगता है।इस मार्ग से कटरा बाजार, कौड़िया और बहराइच की ओर जाने वाले लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में पुल पर पानी आने के दौरान सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस को कार्रवाई के निर्देश

सदर तहसीलदार मनीष कुमार ने बताया कि लोगों को लगातार जागरूक और सचेत किया जा रहा है।पानी के बीच स्टंट कर खुद और दूसरों की सुर क्षा को खतरे में डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को निर्देश दिए गए हैं।प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले रास्तों पर अनावश्यक जोखिम न लेने की अपील की है।सवाल यह है कि जब जर्जर पुल पर तेज बहाव के बीच आवागमन ही चुनौती बना हुआ है,तब रील के लिए जोखिम उठाने वालों पर प्रभावी रोक कैसे लगेगी और राह गीरों की सुरक्षित आवाजाही के लिए स्थायी इंत जाम कब होंगे..?

कजरी तीज पर चप्पे-चप्पे पर पहरा, ड्रोन से निगरानी





श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच सुरक्षा का कड़ा घेरा,

51 निरीक्षक-थानाध्यक्ष 16 सीओ संभालेंगे मोर्चा चार एंटी रोमियो टीमें सादे कपड़ों में रहेंगी मुस्तैद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । कजरी तीज पर लाखों श्रद्धालुओं की संभा वित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलि स ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने की तैयारी की है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने शुक्रवार को रिजर्व पुलि स लाइन में जनपदीय और गैरजनपदीय पुलिस बल की ब्रीफिंग कर स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालु ओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था में किसी तरह की चूक नहीं होनी चाहिए।13 व 14 सितंबर को होने वाले कजरी तीज पर्व पर गोंडा के अलावा बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती और अयोध्या के दूरदराज इलाकों से बड़ी संख्या में कांवड़िये सरयू घाट पहुंचेंगे।स्नान के बाद जल लेकर श्रद्धालु कर नैलगंज के बरखंडीनाथ,खरगूपुर के पृथ्वीनाथ औ र नगर क्षेत्र के दुखहरणनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे भीड़ के दबाव को देखते हुए प्रमुखमार्गों और मंदिरों पर व्यापक पुलिस बल तैनात किया गया है।पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को कई स्तरों में बांटा है।पांच अपर पुलिस अधीक्षक, 16 पुलिस उपाधीक्षक और 51 प्रभारी निरीक्षक, निरीक्षक व थानाध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।पीएसी के साथ डायल-112 के पीआरवी वाहन, जल पुलिस, गोताखोर,अग्निशमन दल,डॉग स्क्वाड,फील्ड यूनि ट और स्वाट टीम भी तैनात रहेगी।आपात स्थिति से निपटने के लिए तीन क्यूआरटी गठित की गई हैं।

छेड़छाड़ और चेन स्नैचिंग पर खास नजर

भीड़ में महिलाओं से छेड़छाड़ और चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए चार एंटी रोमियो टीमें सादे कपड़ों में लगातार भ्रमण करेंगी।पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार भ्रम णशील रहने और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मंदिर और घाट कैमरों की निगरानी में

मंदिरों के भीतर और परिसर में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी।संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से भी नजर रखी जाएगी। सरयू घाट के दो नों घाटों से 250 मीटर और मंदिरों से 250 मीटर की परिधि में दुकानें नहीं लगने दी जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए पर्याप्त स्थान बना रहे।

अफवाह फैलाने वालों पर भी कार्रवाई

सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी फ़ेसबुक,इंस्टाग्राम, एक्स और वाट्सऐप समेत वि भिन्न प्लेटफार्मों पर भ्रामक सूचना प्रसारित होने पर तत्काल खंडन कराने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।सूचना के त्वरित आदान-प्रदान के लिए सब-कंट्रोल रूम बनाया गया है।पूर्वी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मे दारी अपर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार रजक और पश्चिमी क्षेत्र की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय को दी गई है। जोनल अधिकारी एएसपी स्तर और सेक्टर अधिकारी सीओ स्तर के होंगे।पुलिसकर्मियों को रस्सा, लाउड हेलर,एंटी राइट गन समेत आवश्यक उपकर णों के साथ ड्यूटी पर रवाना होने के निर्देश दिए गए हैं।वायरलेस सेट और बैटरियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने को कहा गया है। आकस्मिक प्रकाश व्यवस्था के लिए ड्रैगन लाइट की भी व्यवस्था की गई है।

कब्रिस्तान जलभराव को लेकर कमेटी ने उठाई आवाज, चेयरमैन ने सफाई कार्य की दी जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नानपारा, बहराइच। नगर के कब्रिस्तान में जलभराव और जलकुंभी व गंदगी की समस्या को लेकर कब्रिस्तान कमेटी के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी नानपारा को ज्ञापन सौंपकर जल निकासी और नाले की सफाई की मांग की थी। कमेटी का कहना था कि बरसात के दौरान कब्रिस्तान परिसर में पानी भरने के साथ कई कब्रों तक पानी पहुंच गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कमेटी के अनुसार नदिया पुल के पास से होकर कब्रिस्तान के बगल से गुजरने वाले नाले में जलकुंभी, कूड़ा-कचरा और गंदगी जमा होने के कारण जल निकासी प्रभावित हुई। प्रतिनिधिमंडल ने नदिया पुल से कब्रिस्तान तक नाले की सफाई कराने और जल निकासी की व्यवस्था सुचारु कराने की मांग की थी। ज्ञापन देने वालों में कब्रिस्तान कमेटी के अध्यक्ष हाजी हसनैन, सभासद एवं सेक्रेटरी हाजी समीउल्लाह खान उर्फ शोएब, कोषाध्यक्ष हाजी नसरुद्दीन, सै अब्दुल वली, फखरुद्दीन उर्फ गुड्डू मारिया, मोहम्मद आजम राईनी, जियाउद्दीन सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। मामले को लेकर नगर पालिका परिषद नानपारा के चेयरमैन अब्दुल वहीद ने बताया कि नाले आदि की सफाई बरसात से पहले कराई जाती है। उन्होंने जलकुंभी की सफाई से संबंधित फोटो और उसकी तारीख भी मीडिया को दिखाई और कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सफाई कराई गई थी। चेयरमैन ने बताया कि कब्रिस्तान में जलभराव का एक कारण नाले की दीवार का टूटना भी रहा। उनके अनुसार दीवार की मरम्मत में दो से तीन दिन का समय लगा और इसी दौरान हुई तेज बारिश के कारण कब्रिस्तान में पानी रुक गया। नाला खुलने के बाद पानी धीरे-धीरे कब्रिस्तान के रास्तों से निकल गया। जलकुंभी की समस्या को लेकर चेयरमैन अब्दुल वहीद ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार दोबारा भी सफाई कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में जल निकासी और सफाई से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किया जा रहा है।

चेयरमैन ने यह भी कहा कि नगर के सभी धार्मिक स्थलों की देख-रेख और उनसे जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नगर पालिका अपनी जिम्मेदारी के अनुसार कार्य करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी मामले में जानकारी को लेकर स्वयं मौके की स्थिति भी देखें और संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या रखें। फिलहाल कब्रिस्तान में जलभराव और नाले की सफाई को लेकर कमेटी की ओर से उठाई गई मांग के बाद नगर पालिका की ओर से सफाई और जल निकासी की व्यवस्था को लेकर किए गए कार्यों की जानकारी सामने आई है। स्थानीय लोगों की नजर अब इस बात पर है कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कब तक हो पाता है।

पीड़ित परिवार तक भी नहीं पहुंच पाए अजय राय पुलिस ने रोका और थाने ले गई



विनोद साहनी के परिजनों से मिलने जा रहे,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष,कार्यकर्ताओं के विरोध से तनातनी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । निषाद पार्टी से जुड़े कारोबारी विनोद कुमार साहनी की मौत के बाद गोंडा में सियासी हलचल तेज हो गई है।शनिवार को पीड़ित परिवार से मिल ने जा रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने रास्ते में रोक दिया।कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोका और बाद में वाहन में बैठाकर थाने ले गई।घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर जुटने लगे और पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। इससे कुछ समय के लिए मौके पर तनाव की स्थिति बन गई।कांग्रेस ने अजय राय को रोके जाने को लेकर प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। पार्टी नेताओं का कहना है कि विपक्ष का नेता किसी पीड़ित परिवार से मिलने जा रहा था,फिर उसे रास्ते में रोकने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश बताते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया है।

परिवार से मिलने का था कार्यक्रम

अजय राय पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के सा थ विनोद साहनी के परिवार से मुलाकात करने जा रहे थे।कांग्रेस के मुताबिक,उनका उद्देश्य परिवार के प्रति संवेदना जताना और घटना को लेकर उन की बात सुनना था।लेकिन आगे बढ़ने से पहले ही पुलिस ने रास्ते में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी औ र उन्हें रोक दिया।पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच बातचीत के बाद भी जब आगे जाने की अनु मति नहीं मिली तो कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने अजय राय को वाहन में बैठाकर थाने पहुंचाया।उनके साथ मौजूद नेता ओं और कार्यकर्ताओं को भी आगे बढ़ने से रोका गया।

रोकने पर आमने-सामने पुलिस-कांग्रेस

अजय राय को रोके जाने के बाद कांग्रेस कार्यक र्ताओं और पुलिस के बीच तनातनी की स्थिति पै दा हो गई।कार्यकर्ता पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए उन्हें आगे जाने देने की मांग करने लगे। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए मौके पर अतिरि क्त पुलिस बल तैनात किया गया और बैरिकेडिंग की गई।कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यदि मुला कात शांतिपूर्ण थी तो प्रदेश अध्यक्ष को रोकने का कोई औचित्य नहीं था।वहीं प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई को कानून-व्यवस्था और संभावित तनाव को देखते हुए उठाया गया कदम बताया जा रहा है।हालांकि, अजय राय को थाने ले जाने के संबंध में पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक वजह सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गी।

कांग्रेस ने सरकार को घेरा

अजय राय को रोके जाने के बाद कांग्रेस ने योगी सरकार पर सीधा हमला बोला।पार्टी नेताओं ने क हा कि किसी घटना के पीड़ित परिवार से मिलना विपक्ष का राजनीतिक ही नहीं, मानवीय सरोकार भी है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार उन आवा जों को दबाने की कोशिश कर रही है जो कानून-व्यवस्था और पीड़ितों के सवाल उठा रही हैं,अजय राय भी इस कार्रवाई पर विरोध जताते रहे।कांग्रेस नेताओं के मुताबिक उन्होंने पुलिस से कहा कि वे किसी तरह का तनाव पैदा करने नहीं,बल्कि पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे हैं।

थाने के बाहर जुटे कार्यकर्ता

अजय राय को थाने ले जाए जाने की खबर फैलते ही स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने लगी।कार्यकर्ताओं ने उन्हें तत्काल छोड़े जाने की मांग की।पुलिस ने भीड़ को नियंत्रि त करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल लगाया।घटना के बाद कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह इस मुद्दे को आगे राजनी तिक स्तर पर उठा सकती है।ऐसे में विनोद साहनी की मौत के बाद शुरू हुआ विवाद अब पुलिस का र्वाई और विपक्ष के अधिकारों के सवाल तक पहुं च गया है। अजय राय को किस आधार पर रोका गया,उन्हें किस प्रावधान के तहत थाने ले जाया गया और कितनी देर तक वहां रखा गया इन सवा लों के जवाब पुलिस के विस्तृत आधिकारिक बया न के बाद ही सामने आएंगे।....यह भी अहम होगा कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को बाद में विनोद साह नी के परिवार से मुलाकात की अनुमति मिलती है या नहीं।फिलहाल एक पीड़ित परिवार से मुलाका त के लिए निकले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को रोके जाने की घटना ने गोंडा की स्थानीय घटना को प्र देश की राजनीति के केंद्र में ला दिया है।कांग्रेस इसे सरकार के खिलाफ मुद्दा बनाने में जुट गई है, जबकि प्रशासन के रुख से साफ होगा कि कार्रवा ई के पीछे कानून-व्यवस्था संबंधी कौन-सी ठोस व जह थी।

सड़क पर मवेशियों का डेरा,हादसे का खतरा

बेलसर-गोंडा मार्ग पर तिवारी बाजार और मंडैया तिराहे के पास बढ़ी परेशानी, वाहन चालकों को अचानक लगाना पड़ता है ब्रेक



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । बेलसर मार्ग पर छुट्टा मवेशियों का जमावड़ा राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है...तिवारी बा जार और मंडैया तिराहे के आसपास सड़क पर दि नभर मवेशियों का डेरा रहता है। कोई सड़क के बीच बैठा नजर आता है तो कोई किनारे खड़ा रह ता है। ऐसे में वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने या वाहन की दिशा बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता है।तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचान क मवेशियों के आ जाने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक रात में स्थिति और गंभीर हो जाती है।अंधेरे में सड़क पर बैठे म वेशी दूर से दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन चाल कों के लिए खतरा बढ़ जाता है।ग्रामीणों का आरो प है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है,लेकिन छुट्टा मवेशियों को सड़क से हटाने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही।लोगों ने जिम्मेदार विभाग से सड़क को मवेशियों के कब्जे से मुक्त कराने और हादसे की आशंका को देखते हुए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।सवाल यह है कि हादसा होने का इंतजार क्यों...? सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा रोज दिखाई दे रहा है,फिर भी जिम्मेदारों की निगाह इस समस्या पर कब जाएगी, यह बड़ा सवाल है।

लूट के मोबाइल के साथ एक युवक गिरफ्तार

अमेठी । थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस ने आपरेशन चक्रव्यूह के तहत महिला से मोबाइल फोन लूट की घटना का खुलासा किया है और लूट के मोबाइल फोन के साथ युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक के थानाध्यक्ष अजयेंद्र पटेल मय हमराह द्वारा आपरेशन चक्रव्यूह के तहत संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आठ सितम्बर को कादूनाला पार्क में महिला की मोबाइल फोन लूटकर भागने वाला युवक लखनऊ सुलतानपुर हाइवे पर अयोध्या ढ़ाबे की तरफ आ रहा है।उक्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचकर घेर कर उक्त युवक को पकड़ लिया गया और पूंछने पर उसने अपना नाम त्रिभुवन प्रजापति पुत्र मंशाराम प्रजापति निवासी ग्राम पिण्डारा महराज थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी बताया।पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी से कब्जे से एक वीवो मोबाइल फोन बरामद हुआ। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग में सुसंगत धारा की बढ़ोत्तरी करते हुये पुलिस द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। थानाध्यक्ष अजयेंद्र पटेल ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में गिरफ्तार युवक ने बताया कि करीब चार दिन पहले वह कादूनाला पार्क में घूमने आयी एक लड़की को धक्का देकर व डराकर उसका मोबाइल फोन लूटकर जंगल की तरफ भाग गया था तथा पकड़े जाने के डर से सिम निकाल कर जंगल में फेंक दिया था।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से युवा बन रहे आत्मनिर्भर, पच्चीस लाख रूपये तक की परियोजनाओं के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । उपायुक्त उद्योग अभय कुमार सुमन ने जनपद के शिक्षित बेरोजगार युवाओं से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा संचालित यह महत्वाकांक्षी योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार सृजक के रूप में विकसित करने के उददेश्य से संचालित की जा रही है। योजना के तहत उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में नया उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को पच्चीस लाख रूपये तक की परियोजना लागत के लिए बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उद्योग/विनिर्माण क्षेत्र के लिये पच्चीस लाख रूपये तथा सेवा क्षेत्र के लिये दस लाख रुपये तक की परियोजनाओं को योजना में शामिल किया गया है। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पच्चीस से तीस प्रतिशत तक मार्जिन मनी सब्सिडी प्रदान की जाती है, जो दो वर्षों तक इकाई के सफल संचालन के बाद निःशुल्क अनुदान में परिवर्तित हो जाती है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि योजना में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला तथा दिव्यांगजन श्रेणी के आवेदकों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। इन वर्गों के लाभार्थियों के लिए न्यूनतम अंशदान की शर्तों में विशेष रियायतें प्रदान की गई हैं, जिससे वे आसानी से अपना उद्यम स्थापित कर सकें। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं अन्य अनुसूचित बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। यह योजना युवाओं को स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने के साथ साथ भविष्य में उनके बेहतर वित्तीय रिकॉर्ड एवं संस्थागत ऋण सुविधा प्राप्त करने में भी सहायक सिद्ध होती है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिये आवेदक उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिये तथा उसकी आयु अठारह से चालीस वर्ष के बीच हो। आवेदक कम से कम हाईस्कूल उत्तीर्ण होना चाहिए।

साथ ही किसी राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा वित्तीय संस्था में डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। योजना का लाभ केवल ऐसे अभ्यर्थियों को दिया जाएगा जिन्होंने पूर्व में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम,प्रधानमंत्री रोजगार योजना अथवा इसी प्रकार की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त न किया हो। एक परिवार से केवल एक सदस्य को ही योजना का लाभ दिया जा सकता है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थी को पोर्टल पर पंजीकरण कर आवश्यक अभिलेख अपलोड करने होंगे, जिसके उपरांत आवेदन का परीक्षण एवं बैंक स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। उन्होंने जनपद के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना युवाओं के सपनों को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। जो युवा स्वयं का उद्योग, व्यवसाय अथवा सेवा इकाई स्थापित करना चाहते हैं, वे इस योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं तथा अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकते हैं। योजना संबंधी अधिक जानकारी के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, अमेठी से संपर्क किया जा सकता है।

शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान रच रहा है एमजीएस इंटर कॉलेज : डॉ. विनोद सिंह

जनपद के सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या घटी, पर महात्मा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज में बढ़ी

प्रदेश की मेरिट में स्थान लाने वाले छात्र का होगा भव्य नागरिक अभिनंदन- ठाकुर संजय सिंह



कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। महात्मा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज में शनिवार को परिचयात्मक एवं शिक्षा उन्नयन गोष्ठी का अत्यंत गरिमामयी माहौल में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह, विद्यालय के प्रबंधक व उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग के सदस्य डॉ. विनोद सिंह एवं प्रबंध समिति के पदाधिकारियों द्वारा बाबू बेचू सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के साथ हुआ। परिचयात्मक सत्र के दौरान नवनिर्वाचित प्रबंध समिति के समक्ष विद्यालय के कर्मठ शिक्षकों ने अपना परिचय दिया। इसके उपरांत संस्थान के शैक्षणिक स्तर को नए शिखर पर ले जाने के लिए डॉ. अजय कुमार सिंह, मधुलिका सिंह, सुमित कुमार, बलराम सिंह, डॉ. विशाल सिंह, अशोक सिंह और मारुत नंदन आदि शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचार और ठोस सुझाव साझा किए। प्रबंध समिति ने शिक्षकों के इन सुझावों की सराहना करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।

शिक्षकों के विचारों पर अपनी मुहर लगाते हुए शिक्षा सेवा चयन आयोग के सदस्य व प्रबंधक डॉ. विनोद सिंह ने कहा, ष्हमारा संस्थान अनुशासित वातावरण में उच्च स्तरीय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे शिक्षक उच्च कोटि की योग्यता रखते हैं, जिसका प्रमाण हमारे इंग्लिश मीडियम विंग का शत-प्रतिशत (100:) परीक्षा परिणाम है। डॉ. सिंह ने एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करते हुए कहा कि जहाँ आज जनपद के अन्य सरकारी विद्यालयों में छात्र संख्या में गिरावट देखी जा रही है, वहीं हमारे विद्यालय में छात्र संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। यह जनता के अटूट विश्वास, उत्तम अनुशासन और हमारे उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल की पुष्टि करता है। क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह ने छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए एक प्रेरक घोषणा की। उन्होंने कहा, ष्जिस दिन हमारे विद्यालय का कोई भी होनहार छात्र प्रदेश स्तर की मेरिट सूची में स्थान बनाएगा, उस दिन प्रबंध समिति द्वारा उसका ऐतिहासिक और भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यहाँ के विद्यार्थी इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे। उन्होंने गर्व से रेखांकित किया कि डळै जनपद का एकमात्र ऐसा विद्यालय है जो बालिकाओं को पूरी तरह निशुल्क गणवेश (यूनिफॉर्म) प्रदान कर महिला शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम का संचालन विचित्र वीर सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने आए हुए सभी पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने पूरी प्रबंध समिति को आश्वस्त किया कि गोष्ठी में आए सभी बहुमूल्य सुझावों को विद्यालय की कार्यप्रणाली में पूरी तरह लागू किया जाएगा और संस्थान में उच्च स्तरीय शैक्षणिक वातावरण को निरंतर अक्षुण्ण रखा जाएगा।

गलियारे की भूमि पर किये जा रहे अवैध कब्जे पर गरजा बुलडोजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । विकास क्षेत्र बहादुरपुर की ग्राम पंचायत मोहना स्थित पंचायत भवन के पास सरकार की सुरक्षित चकरोड की भूमि पर किये जा रहे अवैध अतिक्रमण पर तहसील प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार किया है और शनिवार को तहसीलदार की मौजूदगी में राजस्व विभाग द्वारा अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवाकर धराशायी करवा दिया गया।तहसील प्रशासन की सख्ती से अवैध कब्जाधारकों में खलबली मची रही। क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहना स्थित पंचायत भवन के पास सरकारी गलियारे की बेशकीमती भूमि गाटा संख्या 1506 पर अवैध रुप से कब्जा किया जा रहा था इसकी जानकारी मिलते ही राजस्व महकमा सक्रिय हो गया और शनिवार को तहसीलदार अभिषेक यादव के साथ राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल ने स्थानीय पुलिस के साथ



मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से किये जा रहे निर्माण पर बुलडोजर चलवाकर धराशायी करवा दिया।राजस्व महकमे की सख्ती से अवैध कब्जाधारकों में खलबली मची रही। इस सम्बंध में तहसीलदार अभिषेक यादव ने बताया कि सरकार की सुरक्षित भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर चिन्हित किया जा रहा है और वह सुरक्षित भूमि खाली कर दें अन्यथा अवैध कब्जाधारकों के खिलाफ अभियोग दर्ज कराया जायेगा।

स्कूल में पानी-पानी, चबूतरे पर पढ़ने को मजबूर नौनिहाल

पूरनपुर।बारिश के बाद प्राथमिक विद्यालय खाता का परिसर जलभराव की चपेट में आ गया है स्कूल के अधिकांश हिस्से में पानी भरा होने से बच्चों के बैठने की जगह तक नहीं बची है मजबूरी में शिक्षक बच्चों को विद्यालय में बने चबूतरे पर बैठाकर पढ़ाई करा रहे हैं विद्यालय आने वाले बच्चों और शिक्षकों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है इससे फिसलकर चोट लगने का खतरा बना हुआ है बच्चों के कपड़े और जूते खराब होने के साथ ही लंबे समय से पानी जमा रहने से गंदगी, दुर्गंध और मच्छरों के पनपने की आशंका भी बढ़ गई है इंचार्ज अध्यापिका पारुल गुप्ता ने बताया कि पूरे विद्यालय परिसर में पानी भरा होने के कारण बच्चों को सुरक्षित स्थान पर बैठाना मुश्किल हो रहा है बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए चबूतरे पर बैठाकर शिक्षण कार्य कराया जा रहा है जलभराव की समस्या से ग्राम प्रधान को मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं हो सकी है विद्यालय परिसर में लगातार जलभराव से सामान्य शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है ग्रामीणों और विद्यालय स्टाफ ने पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था कराए जाने की जरूरत बताई है, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सामान्य माहौल में पढ़ाई का अवसर मिल सके ।

सैनिक स्कूल अमेठी में अंतर सदनीय हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता हुई सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,सैनिक स्कूल अमेठी में शनिवार को अंतर सदनीय हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता का उददेश्य कैडेट्स में हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति अनुराग उत्पन्न करने के साथ-साथ उनके वाचन-कौशल, शुद्ध उच्चारण, स्वर-सामंजस्य, भावाभिव्यक्ति, आत्मविश्वास एवं मंचीय प्रस्तुति-कौशल का विकास करना था।प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न सदनों के कैडेट्स ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी कविताओं का सस्वर, लयबद्ध एवं भावपूर्ण वाचन करते हुए श्रोताओं को प्रभावित किया।सदनवार परिणाम में तेजस सदन को प्रथम स्थान, जोजिल को द्वितीय स्थान एवं नौशेरा सदन ने तीसरा स्थान हासिल किया।प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्तर पर उत्कृष्ट वाचन एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति के लिए निम्न कैडेट्स को



सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रूप में कैडेट लाली को प्रथम, मयंक को द्वितीय एवं पार्थ तिवारी को तृतीय स्थान मिलने पर सम्मानित किया गया।विद्यालय के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल सतवीर सिंह द्वारा कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रतिभा एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कैडेट्स को हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि विकसित करने तथा अध्ययन, पठन पाठन एवं रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। उनके प्रेरणादायी संबोधन ने कैडेट्स में आत्मविश्वास, उत्साह एवं उत्कृष्टता की भावना का संचार किया।

सभासद मुन्नी बेगम का निधन, हजारों नम आँखों ने दी उनको आखिरी विदाई



पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पालिका परिषद पूरनपुर के वार्ड नंबर 16 की लोकप्रिय सभासद मुन्नी बेगम का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर जैसे ही नगर में आग की तरह फैली, पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। उनके पुत्र सभासद प्रतिनिधि मोहम्मद नदीम अहमद ने बताया है कि मां मुन्नी बेगम पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। शनिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही जो भी सुनता, उनके आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंच जाता। उनके घर पर लोगों का तांता लग गया।सभासद मुन्नी बेगम अपने वार्ड में बेहद लोकप्रिय थीं। वह हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे रहती थीं। वार्ड की जनता के सुख-दुख में हमेशा शामिल होती थीं, इसी वजह से वह सभी की चहेती थीं। उनके निधन से वार्ड में ही नहीं, पूरे नगर में शोक व्याप्त है।उनके निधन पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता, अधिशासी अधिकारी, समस्त सभासदगण, पूर्व चेयरमैन मुन्ने मियां अंजना सहित राजनीतिक दलों के नेता और हजारों लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि मुन्नी बेगम एक कर्मठ और जुझारू सभासद थीं, उनका जाना नगर पालिका के लिए अपूरणीय क्षति है। रविवार को हजारों नम आंखों ने उन्हें आखिरी विदाई दी। जनाजे में जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर आंख नम थी। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इस दुःख की घड़ी में ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे और परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

जिला पंचायत सदस्य की बेटी की बाइक की टक्कर से हुई मौत

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना मोहनगंज क्षेत्र के रायबरेली अयोध्या राजमार्ग पर स्थित गांव रतवापुर के पास सामान लेकर घर लौट रही महिला को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिससे गम्भीर रुप से महिला घायल हो गई जिसे जिला रेफरल चिकित्सालय से एम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया जहां उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने बाइक सवार युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुये शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव रतवापुर निवासी रामअवध पुत्र दयाराम ने स्थानीय पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि मेरी पत्नी राजपती शुक्रवार को शाम लगभग छह बजे अपने घर से सामान लेने गयी थी वापस घर आ रही थी मोहनगंज की तरफ से आ रही बाइक यूपी 33 सी एन 2515 से असावधानी से तेज रफ्तार से गाड़ी चलाकर पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वह सड़क पर गिर गई उनके शरीर पर गम्भीर चोटे आई उनको निजी साधन से दो सौ बेड अस्पताल लोधवरिया पहुंचाया गया जहां पर गम्भीर हालत देखकर चिकित्सकों ने उन्हे एम्स रायबरेली रिफर कर दिया एम्बूलेश से उन्हे रायबरेली एम्स पहुंचाया गया वही पर डाक्टरो ने मृत्यु घोषित कर दिया है।इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और रो रोकर बुरा हाल रहा। मृतका तिलोई के जिला पंचायत सदस्य राम कृष्ण भारती की बेटी है जिसके निधन पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही सम्भ्रांत नागरिकों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है और बाइक को कब्जे में लेते हुये आदित्य तिवारी निवासी ग्राम पूरे निहाल सिंह मजरे पाकरगांव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अल हादी प्री-स्कूल में सीरतुन्नबी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन



कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । अल हादी प्री-स्कूल में सीरतुन्नबी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों से कुरआन शरीफ एवं सीरत-ए-नबी से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता को लेकर सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और बेहतर प्रदर्शन के लिए अच्छी तैयारी की। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र असद द्वारा कुरआन की तिलावत से हुई। इसके बाद छात्रा अजमिया ने नात-ए-पाक पेश की। क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह के साथ प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रतियोगिता के ग्रुप ए में हसन ने प्रथम, जुनेरा ने द्वितीय तथा तैमूर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ग्रुप बी में आयत ने प्रथम, असलेहान ने द्वितीय तथा उवैश ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम को सफल एवं बेहतर बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों और स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा आयोजन के लिए मेहनत की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के मैनेजर सैयद फैजान अब्बासी ने प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शिक्षकों एवं स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

दिशा की बैठक से बाहर निकले जितिन प्रसाद, दिव्यांग से मिलकर जाना हाल, आवास दिलाने का दिया आश्वासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद जब दिशा की बैठक से बाहर निकले तो उनसे मिलने को आतुर दिव्यांग प्रीत कुमार शर्मा से मिलने केंद्रीय राज्य मंत्री खुद पहुंचे।दिव्यांग युवक प्रीत कुमार शर्मा ने मंत्री से कहा कि वह बरसों से मोटर से चलने वाली व्हीलचेयर के लिए इंतजार कर रहे थे, लेकिन आपके द्वारा मुझे मोटर से चलने वाली व्हीलचेयर मिल गई, जिससे मेरा सफर आसान हो गया है।इस पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनसे और समस्याओं के बारे में पूछा तो दिव्यांग युवक ने अपना आवास बनवाने की गुहार लगाई। उसकी समस्या सुनते ही जितिन प्रसाद ने मौके पर मौजूद मुख्य विकास अधिकारी सतीश मिश्रा को निर्देश देते हुए कहा कि यह पात्र हैं, इन्हें जल्द सरकारी आवास दिलाया जाए।मंत्री के



इस मानवीय व्यवहार से दिव्यांग युवक काफी खुश नजर आया। जितिन प्रसाद से मिलने के बाद दिव्यांग युवक ने अपने सांसद की जमकर सराहना की। उसने कहा कि सांसद ने हमेशा दिव्यांगों की मदद की है।इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने भी केंद्रीय मंत्री की इस पहल की सराहना की है।

माधोटाडा में बिजली कटौती से मचा हाहाकार, ग्रामीणों ने एसडीएम से की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत माधोटांडा में स्थित बिजली घर के कर्मचारियों द्वारा लगातार की जा रही अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान हैं।गांव के रहने वाले कुलदीप मिश्रा, ध्रुव, शाहजान सहित कई ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायत में अधिकतर मध्यम वर्ग के लोग रहते हैं, लगातार बिजली कटौती से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और भीषण गर्मी में लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय विद्युत विभाग के कर्मचारी और अधिकारी लगातार बिजली कटौती कर परेशान कर रहे हैं। कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि शिकायत करने पर बिजली कर्मचारी अभद्रता करते हैं और धमकाते हैं। रात के समय घंटों बिजली गायब रहती है, जिससे मरीजों और बुजुर्गों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने एसडीएम से मामले में हस्तक्षेप कर बिजली आपूर्ति सुचारू कराने की मांग की है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 349 लोगों की हुई जांच

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जनपद न्यायालय सुल्तानपुर में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में न्यायालय परिसर पहुंचे वादकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मचारियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

शिविर का जनपद न्यायाधीश सुनील कुमार चतुर्थ, सचिव मुक्ता त्यागी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी भारत भूषण ने निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों के तहत कुल 349 लोगों की जांच की। शिविर में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 68 लोगों की एक्स-रे जांच,



मलेरियाध्फाइलेरिया कार्यक्रम में 25, राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के तहत 24, एनसीडी के अंतर्गत 84 लोगों की शुगर तथा 108 लोगों की बीपी जांच की गई। वहीं 12 लोगों को आयुष्मान योजना से संबंधित सेवाएं दी गईं तथा 28 लोगों की ईसीजी जांच हुई। शिविर में चिकित्साधिकारी डॉ. इमरान युसुफ, डॉ. आयुषी, डॉ. देवाशीष, जूनियर रेजिडेंट डॉ. संजीत पाठक, डेंटल सर्जन डॉ. विमल प्रकाश सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर के संचालन में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दूबेपुर, कादीपुर, बल्दीराय, राजकीय टीबी क्लीनिक तथा कार्यालय मलेरिया अधिकारी की टीम ने सहयोग किया।

सिंचाई विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण, प्रधान ने रेम्प बनाने की उठाई मांग अगर नहीं हुआ समस्या का समाधान तो जल्द होगा आंदोलन

पूरनपुर। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत पुरैना तालुके महाराजपुर को जाने वाले रास्ते पर बना रेम्प टूट गया है, जिससे आने-जाने वाले ग्रामीण अक्सर गिरकर घायल हो रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार सिंचाई विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। मजबूरन ग्रामीणों को टूटे हुए रेम्प से जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ रहा है।मामले को लेकर ग्राम प्रधान रामप्रसाद राय ने ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचकर विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही प्रधान ने जल्द से जल्द नया रेम्प बनाने की मांग की है।प्रधान ने कहा कि अगर जल्द ही विभाग ने रेम्प नहीं बनवाया तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस टूटे रेम्प से स्कूली बच्चों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से भवराज पांडे, गोलू सिंह, जेवेश राय, प्रकाश राय, राम दुलारे, विनोद कुमार, मिथुन राय, भवेश मंडल, बुद्धि विश्वास, धर्मो मंडल, महादेव मिस्त्री सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे है।

प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में लिया भाग

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता । प्राथमिक विद्यालय टाह पौटा में सैटरडे एक्टिविटीज के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ0 विभव सक्सेना द्वारा बच्चों को ओजोन दिवस के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बच्चों को ओजोन परत के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। उन्होंने ओजोन परत के क्षरण के दुष्प्रभावों की जानकारी साझा करते हुए ओजोन परत की सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण को सभी की नैतिक जिम्मेदारी बताया और बच्चों को इसके लिए प्रेरित किया। आज विद्यालय में ओजोन दिवस, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता की थीम पर आधारित चित्रकला और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु रेनू कुमारी, वर्षा, आस्था शर्मा, आर्यन कुमार मौर्य, आकाश, हेमलता, सुहानी, आदित्य कुमार, गुंजन, अमन कुमार, निर्मला, साधना वर्मा, शकुंतला, मानव, चंदा और अनिकेत आदि विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार विषय ज्ञान आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा 1 के प्रशांत, रोशनी, दिव्यांशी, अंशिका, श्रद्धा, खुशबू, अनमोल, जय श्री, योगिन्द्र और कुसुमलता, कक्षा 2 की सुहानी, निखिल, जय किशन, अंजली मौर्य, खुशविंदर, ऋतिक, कृष्णा, सुहानी और नेहा, कक्षा 3 की दीक्षा, हेमलता, निर्मला, आयुषी वर्मा और बृजेश कुमार, कक्षा 4 की सोनाक्षी देवी, साधना वर्मा, बरखा, रिंकी वर्मा, अलका मौर्य और धर्मेंद्र कुमार तथा कक्षा 5 की आस्था शर्मा, रेनू कुमारी, आर्यन कुमार मौर्य, आकाश, अनिकेत, विष्णु और नितेश आदि विद्यार्थियों को विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ0 विभव सक्सेना द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंजना शुक्ला और ममता देवी उपस्थित रहीं है।

सम्पादकीय

त्योहार से पहले धार्मिक उन्माद

शारदीय नवरात्रि कुछ ही समय में आने वाली है, और धर्मोन्मादियों ने अभी से आस्था, भक्ति, उमंग और उत्साह के इन दिनों पर तनाव की काली छाया डाल दी है। मां दुर्गा के नौ रूपों और उनकी शक्ति का यह पर्व देश के पूर्वी हिस्से में अलग तरीके से मनाया जाता है और पश्चिमी हिस्से में अलग तरीके से। प.बंगाल के दुर्गा पंडालों से लेकर गुजरात में शक्ति की आराधना के लिए किए जाने वाले गरबा नृत्य हर किसी की अलग खासियत है। भारत की विविधिताओं में एकता वाले फलसफ़े में एक फलसफा यह भी है कि एक ही धार्मिक पर्व को कितने अलग-अलग तरीकों से, अलग-अलग राज्यों में मनाया जाता है। अब तो महानगरों में जहां नौकरी, कारोबार आदि के सिलसिले में सारे देश से आए लोग रहते हैं, वहां एक जगह पर बंगाल के तरीके की दुर्गापूजा मनाई जाती है और दूसरी जगह पर गुजरात का गरबा होता है। हिंदुस्तान की ऐसी ही खूबसूरती दुनिया में प्रसिद्ध है। मगर भाजपा की मोदी सरकार आने के बाद इस खूबसूरती पर कालिमा छा रही है। अभी रविवार को बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में हिंदुओं से दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहार से बचने की अपील की और कहा कि उन्हें यह अच्छा नहीं लगता कि दुर्गा पूजा और उससे जुड़े आयोजनों के दौरान मांसाहारी भोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि कोलकाता के हिंदुओं को इस मुद्दे पर जागरूक होना चाहिए और ऐसे लोगों का बहिष्कार करना चाहिए जो पूजा के दौरान मांसाहार करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुर्गा पूजा के समय देवी प्रतिमा के आसपास मांस की बिक्री नहीं होनी चाहिए। गनीमत यह रही कि धीरेन्द्र शास्त्री के ऐसे बेतुके बयान पर न केवल विपक्षी तृणमूल कांग्रेस बल्कि खुद सत्ता में बैठी भाजपा के नेताओं ने आपत्ति जताई है। टीएमसी प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा कि दुर्गा पूजा बंगालियों के लिए केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति, पहचान और भावनाओं का हिस्सा है। दत्ता ने कहा कि बंगाली समाज अपनी श्मां दुर्गाश का उत्सव किस तरह मनाएगा, यह कोई बाहरी व्यक्ति तय नहीं कर सकता। रिजु दत्ता ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति, संगठन या राजनीतिक दल बंगालियों को यह बताने की कोशिश करेगा कि उन्हें अपनी परंपराओं के अनुसार कैसे पूजा करनी चाहिए, तो वह श्आग से खेल रहा होगा।श रिजु दत्ता ने आरोप लगाए कि भाजपा बंगालियों की थाली से मछली और मांस हटाना चाहती है। इसके लिए पूजा से पहले कई रेस्तरां पर कार्रवाई की जा रही है। अगर ये आरोप सही साबित होते हैं तो फिर तय है कि प.बंगाल में भाजपा टिक नहीं पाएगी। क्योंकि इसमें सीधे बंगाली अस्मिता पर चोट की जा रही है। वैसे धीरेंद्र शास्त्री की अपील पर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने भी दो टूक जवाब दिया है कि किसी धार्मिक व्यक्ति या राजनीतिक दल को यह अधिकार नहीं है कि वह बंगाल के लोगों को बताए कि उन्हें क्या खाना या पहनना चाहिए। भट्टाचार्य ने कहा, बंगालियों को अपने तरीके से जीने दें। बंगाली वही खाएंगे जो वे खाते आए हैं।्य उन्होंने सवाल किया कि क्या बंगाली मछली और मांस नहीं खा सकते? इस संदर्भ में उन्होंने स्वामी विवेकानंद का भी उल्लेख किया और कहा कि उनके विचारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि किसी संत को शाकाहार का प्रचार करने का अधिकार है और ऐसा करना अपराध या पाप नहीं है। लेकिन पाखंड् स्वीकार नहीं किया जा सकता। भट्टाचार्य के मुताबिक, धार्मिक व्यक्ति की निजी राय को बंगाली समाज के लिए नियम नहीं बनाया जा सकता। इसी तरह मोदी सरकार के करीबी अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने भी धीरेंद्र शास्त्री का नाम लिए बिना सोशल मीडिया पर लिखा कि शाक्त हिंदू धर्म में मांस का महत्वपूर्ण स्थान है और प्राचीन धार्मिक अनुष्ठानों में इसे मां दुर्गा और मां काली को अर्पित किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा की नवमी,दशमी पर श्रद्धालुओं द्वारा ग्रहण किया जाने वाला प्रसाद कई परंपराओं में मांस होता है और इस धार्मिक परंपरा में किसी तरह का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मेघालय के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने तो यहां तक कहा कि वह स्वयं नवरात्रि के दौरान मांसाहारी भोजन करते हैं और फिर भी 100 प्रतिशत हिंदूय हैं।

ब्रिक्स की 'गूंज' वाशिंगटन से इस्लामाबाद तक खलबली

ट्रम्प प्रशासन की मनमानी और दुनिया भर में उसकी दादागिरी पर लगाम कसने के लिहाज से यह एकजुटता एक वैचारिक और आर्थिक ढाल का काम करती है। जिस प्रकार अमेरिका ईरान और अन्य विकासशील देशों के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाए हुए है और वैश्विक वित्तीय तंत्र का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में करता है, उससे निपटने के लिए ब्रिक्स मंच का मजबूत होना जरूरी था। हालांकि, यह भी सच है कि केवल एक सम्मेलन से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कार्यशैली रातों-रात नहीं बदल जाएगी, क्योंकि अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत अभी भी व्यापक है। इसके बावजूद, जब रूस, चीन और भारत जैसे देश एक मंच पर खड़े होकर अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात करते हैं, तो ट्रम्प की उन धमकियों का असर कम होने लगता है जो वे अक्सर दूसरे देशों को पाबंदी लगाने के लिए देते हैं। ईरान जैसे देशों के मुद्दे पर, जो इस समय अमेरिकी आक्रामकता का सामना कर रहे हैं, ब्रिक्स का यह विस्तार और एकजुट रुख यह बताता है कि अमेरिका चाहकर भी पूरी दुनिया को अपनी मर्जी के मुताबिक हांक नहीं सकता। भारत के दृष्टिकोण से इस कूटनीतिक निकटता और संतुलन के कई दूरगामी और व्यावहारिक फायदे हो सकते हैं। भारत एक तरफ पश्चिमी देशों और अमेरिका के साथ क्वाड जैसी साझेदारियों में शामिल है, तो दूसरी तरफ ब्रिक्स के जरिए रूस और चीन के साथ भी संवाद बनाए हुए। इसे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की बड़ी जीत माना जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर रहने से भारत को रूस से ऊर्ज़ा सुरक्षा (कच्चा तेल) सुनिश्चित करने में मदद मिलती है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद देश की आर्थिकी को संभाल कर रखती है। इसके अलावा, ग्लोबल साउथ के निर्विवाद नेता के रूप में भारत विकासशील देशों की आवाज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रख पा रहा है। आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता, उन्नत तकनीक, आतंकवाद के खिलाफ साझा रुख और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग जैसे मुद्दे भारत के आर्थिक विकास को नई गति दे सकते हैं। भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह किसी भी एक महाशक्ति के खेमे में बंधने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए सबके साथ संतुलित संबंध रख सकता है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मंच पर जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ कैमरे के सामने आए, तो वाशिंगटन से लेकर पश्चिमी राजधानियों तक भू-राजनीतिक हलचल तेज होना लाजिमी था। दुनिया के इन तीन बड़े देशों के शीर्ष नेताओं का एक फ्रेम में दिखना इस बात का स्पष्ट संदेश है कि वैश्विक राजनीति अब एकध्रुवीय यानी अमेरिकी नियंत्रण वाली नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर पूरी मजबूती से बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट और आक्रामक व्यापारिक नीतियों के दौर में यह तस्वीर व्हाइट हाउस के रणनीतिकारों के लिए एक बड़ी चेतावनी की तरह है। इससे अमेरिका को साफ संदेश जाता है कि वैश्विक दक्षिण यानी ग्लोबल साउथ के देश अब अमेरिकी दबाव या एकतरफा प्रतिबंधों के आगे घुटने टेकने को तैयार नहीं हैं, और वे अपने आर्थिक व कूटनीतिक हितों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं तलाशने में जुट चुके हैं।

ट्रम्प प्रशासन की मनमानी और दुनिया भर में उसकी दादागिरी पर लगाम कसने के लिहाज से यह एकजुटता एक वैचारिक और आर्थिक ढाल का काम करती है। जिस प्रकार अमेरिका ईरान और अन्य विकासशील देशों के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाए हुए है और वैश्विक वित्तीय तंत्र का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में करता है, उससे निपटने के लिए ब्रिक्स मंच का मजबूत होना जरूरी था। हालांकि, यह भी सच है कि केवल एक सम्मेलन से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कार्यशैली रातों-रात नहीं बदल जाएगी, क्योंकि अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत अभी भी व्यापक है। इसके बावजूद, जब रूस, चीन और भारत जैसे देश एक मंच पर खड़े होकर अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात करते हैं, तो ट्रम्प की उन धमकियों का असर कम होने लगता है जो वे अक्सर दूसरे देशों को पाबंदी लगाने के लिए देते हैं। ईरान जैसे देशों के मुद्दे पर, जो इस समय अमेरिकी आक्रामकता का सामना कर रहे हैं, ब्रिक्स का यह विस्तार और एकजुट रुख यह बताता है कि अमेरिका चाहकर भी पूरी दुनिया को अपनी मर्जी के मुताबिक हांक नहीं सकता। भारत के दृष्टिकोण से इस कूटनीतिक निकटता और संतुलन के कई दूरगामी और व्यावहारिक फायदे हो सकते हैं। भारत एक तरफ पश्चिमी देशों और अमेरिका के साथ क्वाड जैसी साझेदारियों में शामिल है, तो दूसरी तरफ ब्रिक्स के जरिए रूस और चीन के साथ भी संवाद बनाए हुए। इसे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की बड़ी जीत माना जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर रहने से भारत को रूस से ऊर्ज़ा सुरक्षा (कच्चा तेल) सुनिश्चित करने में मदद मिलती है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद देश की आर्थिकी को संभाल कर रखती है। इसके अलावा, ग्लोबल साउथ के निर्विवाद नेता के रूप में भारत विकासशील देशों की आवाज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रख पा रहा है। आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता, उन्नत तकनीक, आतंकवाद के खिलाफ साझा रुख और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग जैसे मुद्दे भारत के आर्थिक विकास को नई गति दे सकते हैं। भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह किसी भी एक महाशक्ति के खेमे में बंधने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए सबके साथ संतुलित संबंध रख सकता है। इन भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच दुनिया भर में यह सवाल सबसे ज्यादा प्रासंगिक बना हुआ है कि क्या कभी एशिया की दो महाशक्तियों यानी भारत और चीन के बीच के रिश्ते पूरी तरह सामान्य हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और पिछले कुछ वर्षों में उपजा अविश्वास गहरा है, जिसे रातों-रात नहीं मिटाया जा सकता। इसके बावजूद, कूटनीति में स्थायी शत्रुता या मित्रता जैसा कुछ नहीं होता, केवल स्थायी हित होते हैं। जब भारत और चीन वैश्विक मंचों जैसे ब्रिक्स या शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पर मिलते हैं, तो वे इस बात को भली-भांति समझते हैं कि आपसी टकराव से केवल पश्चिमी ताकतों को फायदा पहुंचता है। हालिया मुलाकातों और व्यापारिक स्तर पर हो रही वार्ताओं से यह संकेत जरूर मिलते हैं कि दोनों देश कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर तनाव को एक निश्चित दायरे में प्रबंधित करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, चीन की विस्तारवादी फितरत और सीमा पर जारी संप्रभुता के मुद्दों को देखते हुए भारत पूरी तरह से आश्वस्त होकर आंखें मूंदने की स्थिति में नहीं है। इसलिए, चीन के साथ रिश्ते पूरी तरह सामान्य होना इस बात पर निर्भर करेगा कि बीजिंग भारत की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं का कितना सम्मान करता है, लेकिन वर्तमान हालात यह जरूर बताते हैं कि कूटनीतिक बाध्यताएं दोनों देशों को बातचीत की मेज पर बनाए रखने के लिए मजबूर कर रही हैं। उधर, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस और चीन के शीर्ष नेतृत्व की सक्रियता और भारत की मजबूत उपस्थिति ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के रणनीतिक हलकों में भी गहरी बेचैनी पैदा कर दी है। पाकिस्तान लंबे समय से खुद को चीन का ऑल-वेदर फ्रेंड और क्षेत्र में बीजिंग का सबसे भरोसेमंद मोहरा मानता आया है, लेकिन ब्रिक्स मंच पर चीन और रूस द्वारा भारत के साथ जिस तरह से कूटनीतिक समन्वय और वैश्विक समीकरणों पर चर्चा की गई है, उसने इस्लामाबाद के उस भ्रम को तोड़ दिया है जिसमें वह समझता था कि बीजिंग केवल उसके हितों को प्राथमिकता देगा। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है और वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा पश्चिमी देशों की मदद के लिए लगातार जूझ रहा है, जबकि दूसरी ओर ब्रिक्स वैश्विक वित्तीय तंत्र और डॉलर के वर्चस्व का विकल्प तलाशने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, जब चीन और रूस भारत के साथ एक ही मंच पर ग्लोबल साउथ के नेतृत्व और आर्थिक सहयोग की बात करते हैं, तो पाकिस्तान को यह डर सताने लगता है कि वैश्विक भू-राजनीति के बदलते इस दौर में उसका पारंपरिक महत्व पूरी तरह से समाप्त न हो जाए। इसके अलावा, ईरान और मध्य एशिया से जुड़े समीकरणों में भारत की बढ़ती कूटनीतिक पहुंच से पाकिस्तान और अधिक अकेला महसूस करने लगा है, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों और अंदरूनी राजनीतिक अस्थिरता के बीच इस्लामाबाद के पास न तो कोई ठोस आर्थिक विकल्प बचा है और न ही कोई ऐसा वैश्विक मंच जहां उसकी बात को उस तवज्जो के साथ सुना जाए जैसी वह उम्मीद करता है। ब्रिक्स देशों की इस बढ़ती निकटता ने पाकिस्तान को यह अहसास करा दिया है कि चीन और रूस के लिए राष्ट्रीय हित और वैश्विक बाजार पाकिस्तान की तुनकमिजाजी और भारत विरोध की राजनीति से कहीं ज्यादा बड़े हैं, जिससे उसकी विदेश नीति के समक्ष एक बड़ा अस्तित्वगत संकट खड़ा हो गया है। -अजय कुमार

जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान

संजीव ठाकुर

भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को 'माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्ज़ा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा, सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी।

सेहत मंत्र

रोजाना 1 कप तुलसी की चाय कम करती है अर्थराइटिस का दर्द और शुगर लेवल

पवित्र तुलसी को 'जड़ी बूटियों की रानी' के रूप में भी जाना जाता है। तुलसी भारत में सबसे पवित्र जड़ी बूटी के तौर पर माना गया है। हिंदू संस्?कृति में तुलसी की पूजा की जाती है। यह आयुर्वेद में अपने औषधीय उपयोगों के लिए जाना जाता है जो इसे कई बीमारियों के लिए एक प्रभावी उपाय बनाता है। पवित्र तुलसी में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट की एक श्रृंखला होती है जो शरीर के ऊतकों को मुक्?त कणों की क्षति से बचाने में मदद कर सकती है। तुलसी सभी रूपों में- सूखे, ताजे और पाउडर में कई उपचार गुण होते हैं। कुछ तुलसी पत्तियों पर चबाने से नियमित रूप से आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन क्या आपको पता है कि तुलसी की चाय हमारे शरीर के लिए किस प्रकार से फायदेमंद है। हम आपको यहां बता रहे हैं। तुलसी चाय ठंड और खांसी से ब्रोंकाइटिस और अस्थमा तक की कुछ श्वसन बीमारियों को रोकने में मदद करती है। यह प्रतिरक्षा में वृद्धि करने में मदद करती है। खांसी से राहत दिलाती है। और श्लेष्म बाहर निकालने में मदद कर श्वसन प्रणाली में राहत प्रदान करती है। इसमें कुछ तेल हैं जो कंजक?शन को दूर करने में मदद करते हैं। काफी कुछ अध्ययनों के मुताबिक, तुलसी चाय शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन के सामान्य स्तर को बनाए रखने में मदद करती है जिसे तनाव हार्मोन के नाम से जाना जाता है। यह कोर्टिसोल के स्तर को कम करता है, जिससे आप तनाव मुक्त हो जाते हैं। वास्तव में, यह अवसाद के विभिन्न लक्षणों को कम करने के लिए जाना जाता है, जिसमें चिंता शामिल हो सकती है। नियमित दूध के बजाए तुलसी चाय पीएं क्योंकि यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करती है। तुलसी चाय का दैनिक सेवन कार्बो और वसा के चयापचय को सुविधाजनक बनाने में भी मदद कर सकता है। तुलसी चाय में एंटी-माइक्रोबियल गुणों की उपस्थिति मुंह में हानिकारक बैक्टीरिया और रोगाणुओं के खिलाफ मुकाबला करने में मदद करती है।

धर्म मंत्र

सर्वसिद्धि को पूर्ण करने वाली हैं देवी छिन्नमस्ता

छिन्नमस्ता देवी को चिंतपूर्णी भी कहा जाता है। उनके इस रूप की चर्चा शिव पुराण और मार्कण्डेय पुराण में भी देखने को मिलता है। देवी चंडी ने राक्षसों का संहार कर देवताओं को विजय दिलायी। छिन्नमस्ता जयंती के दिन व्रत रखकर पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। मां छिन्नमस्ता चिंताओं का हरण करने वाली हैं। देवी के गले में हड्डियों की माला मौजूद है और कंधे पर यज्ञोपवीत है। शांत भाव से देवी की आराधना करने पर शांत स्वरूप में प्रकट होती हैं। लेकिन उग्र रूप में पूजा करने से उग्र रूप धारण करती हैं। दिशाएं इनके वस्त्र हैं। साथ ही देवी छिन्नमस्ता की नाभि में योनि चक्र पाया जाता है। देवी की आराधना दीवाली के दिन से शुरू की जानी चाहिए। छिन्नमस्ता देवी का वज्र वैरोचनी नाम जैन, बौद्ध और शाक्तों में एक समान रूप से प्रचलित है। देवी की दो सखियां रज और तम गुण की परिचायक हैं। देवी स्वयं कमल के पुष्प पर विराजमान हैं जो विश्व प्रपंच का द्योतक है। एक बार देवी अपनी सखियों के साथ स्नान करने गयीं। तालाब में स्नान के बाद उनकी सखियों को भूख लगी। उन्होने देवी से कुछ खाने को कहा। सखियों की इस बात पर देवी ने उन्हें इंतजार करने को कहा। लेकिन सखियों ने उनकी बात नहीं मानी और भोजन के लिए हठ करने लगीं। तब देवी ने अपने शस्त्र से अपनी गर्दन काट कर तीन धाराएं निकालीं। उनमें से दो से सखियों की प्यास बुझायी और तीसरी से उनकी प्यास बुझी। तभी वह छिन्नमस्ता के नाम से मशहूर हैं। देवी दुष्टों के लिए संहारक और भक्तों के लिए दयालु हैं।

पर्यटन



ऐतिहासिक और एडवेंचर दोनों ही मामलों में खास है रायगढ़ किला

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड पहाड़ी पर बना है मशहूर रायगढ़ किला। जो समुद्र तल से 820 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है ये किला भी छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा बनवाए गए शानदार किलों में से एक है जिसका इस्तेमाल अब जेल के तौर पर किया जाता है। शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भी यहीं हुआ था। किले तक पहुंचने के लिए 1737 सीढ़ियां हैं लेकिन अब यहां तक पहुंचने के लिए रोपवे का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। जिससे सिर्फ 20 मिनट में किले को टॉप पर पहुंचा जा सकता है। किले का पुराना नाम रायरी था। जिसे चंद्रराव मोरे ने बनवाया था। सन् 1656 में शिवाजी ने इस किले पर कब्जा कर लिया था और उसे दोबारा बनवाया। जिसके बाद इसका नाम रायगढ़ रखा गया। इसके बाद 1698 में औरंगजेब और जुल्फिकार खान ने रायगढ़ पर कब्जा कर इसे 'इस्लामगड' नाम दिया। बाद में यह किला ब्रिटिशों द्वारा लूटा गया और इसके बाद इसे नष्ट कर दिया गया।टूरिस्ट स्पॉट रायगढ़ किले को धार्मिक स्थल के तौर पर भी जाना जाता है क्योंकि यहां शिवाजी की समाधि है। मुख्य महल पूरा लकड़ी से बनाया गया था। किले को खासतौर से 6 चैंबर्स में बांटा गया है। हर एक चैंबर में निजी आराम कक्ष है। किले की सबसे ऊंची चोटी तकरीबन 600 फुट है। जहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत ही बड़े दरवाजे से होकर जाता है। 1356 मीटर ऊंचा यह किला भारत के सबसे ऊंचे किलों में से एक है। किले के अंदर मार्केट भी है जहां से टूरिस्ट अपनी जरूरत का सामान खरीद सकते हैं। किले के किनारे से गंगा सागर नामक झील बहती है जो इसकी खूबसूरती को दोगुना करती है। कब जाएं- नवंबर से मार्च का महीना यहां आने के लिए बेस्ट होता है। वैसे तो टूरिस्टों का तांता यहां सालभर ही देखने को मिलता है। कैसे पहुंचे- हवाई मार्ग- मुंबई एयरपोर्ट पहुंचकर यहां तक पहुंचा जा सकता है। रेल मार्ग- वीर रेलवे स्टेशन यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन है जो रायगढ़ से 30 किमी दूर है।

बाढ़ के पानी में प्रशासन की जद्दोजहद, सियासत के पानी में सांसद की नाव !

कैनविज टाइम्स संवाददाता





बाढ़ में ढाल बना प्रशासन, सियासी रोटी सेंकने पहुंचे सांसद को हर तरफ दिखा भ्रष्टाचार

बाराबंकी, । घाघरा नदी के रौद्र रूप से रामनगर विधानसभा क्षेत्र का तराई इलाका इस समय बाढ़ की विभीषिका झेल रहा है। गांवों में पानी भरा है, ग्रामीण परेशान हैं और ऐसी विषम परिस्थिति में जिला प्रशासन से लेकर तहसील, विकासखंड और पुलिस प्रशासन तक की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। अधिकारी और कर्मचारी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं तथा भोजन, पेयजल और सुरक्षित स्थानों की व्यवस्था में लगे हैं। इसी बीच शनिवार को कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया हेतमापुर पहुंचे और बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर राहत सामग्री वितरित की। लेकिन राहत कार्यों में सहयोग करने के बजाय सांसद द्वारा प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए लापरवाही और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद उनका दौरा राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है।सवाल यह उठ रहा है कि जब तराई क्षेत्र में बाढ़ का संकट कई दिनों से बना हुआ है और प्रशासनिक अधिकारी लगातार प्रभावित गांवों में मौजूद रहकर राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं, तो सांसद को क्षेत्र में पहुंचने में इतना समय क्यों लगा? स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि सांसद महोदय बाढ़ के शुरुआती दिनों में प्रभावितों के बीच दिखाई नहीं दिए और अब जब बाढ़ के बीच हेतमापुर पहुंचे तो राहत से अधिक प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते नजर आए। आपदा की घड़ी में जनप्रतिनिधि का पीड़ितों के बीच पहुंचना स्वागत योग्य है, लेकिन जिस प्रशासनिक अमले पर सवाल उठाए जा रहे हैं, वही अमला पिछले कई दिनों से विपरीत परिस्थितियों में ग्रामीणों के बीच खड़ा है। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह समेत जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। रामनगर तहसील प्रशासन, विकासखंड की टीमें और पुलिसकर्मी भी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हैं। नवागत उपजिलाधिकारी आकांक्षा गुप्ता की सक्रियता भी क्षेत्र में साफ दिखाई दे रही है। वह कई दिनों से हेतमापुर और आसपास के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार पहुंचकर राहत व्यवस्था का जायजा ले रही हैं और देर रात तक ग्रामीणों के बीच रहकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देती रही हैं। ऐसे में उन अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों को नजरअंदाज कर पूरे प्रशासनिक तंत्र पर सवाल खड़े करना कितना उचित है, यह सवाल अब चर्चा में है।यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार अथवा लापरवाही के ठोस प्रमाण हैं तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच से पहले ही पूरे प्रशासनिक तंत्र को भ्रष्टाचार के आरोपों से घेरना उन कर्मचारियों का मनोबल जरूर प्रभावित कर सकता है जो बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। बाढ़ के समय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच टकराव की स्थिति बनाने के बजाय दोनों को मिलकर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने की जरूरत है। बाढ़ केवल रामनगर विधानसभा क्षेत्र की समस्या नहीं है, बल्कि प्रदेश के कई हिस्से इस समय प्राकृतिक आपदा की चपेट में हैं। ऐसे समय में राजनीति से ऊपर उठकर जनता के साथ खड़ा होना ही जनप्रतिनिधियों की वास्तविक जिम्मेदारी है। राहत सामग्री बांटना निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन इसके साथ प्रशासनिक तंत्र का सहयोग करना भी उतना ही जरूरी है। सवाल यह भी है कि यदि सांसद को प्रशासन की व्यवस्थाओं में इतनी गंभीर कमियां दिखाई दे रही थीं तो उन्होंने बाढ़ के शुरुआती दिनों में मौके पर पहुंचकर अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर राहत कार्यों को बेहतर बनाने की पहल क्यों नहीं की? बाढ़ पीड़ितों को इस समय आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि भोजन, पेयजल, दवा और सुरक्षित ठिकाने की जरूरत है।

ऐसे में राहत कार्यों में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। आपदा की इस घड़ी में राजनीति के लिए अवसर तलाशने के बजाय यदि जनप्रतिनिधि प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हों तो इसका सीधा लाभ बाढ़ पीड़ितों को मिलेगा। आखिर सवाल यही है कि जब तराई में प्रशासन कई दिनों से मोर्चे पर डटा था, तब सांसद कहां थे और अब पहुंचने पर उन्हें राहत से पहले प्रशासन में भ्रष्टाचार ही क्यों दिखाई देने लगा?

पंचायत भवनों पर ताले, ग्रामीणों के हिस्से में ब्लॉक के चक्कर !

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लाखों खर्च कर बनाए भवन, कंप्यूटर-इनवर्टर से लैस किया, पंचायत सहायक भी तैनात; फिर भी गांव में नहीं मिल रही सरकारी सेवाएं

सिद्धौर, बाराबंकी। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और जरूरी दस्तावेजों की सुविधा उनके गांव में ही उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये की लागत से पंचायत भवनों का निर्माण कराया। भवनों में कंप्यूटर, इनवर्टर सहित अन्य संसाधन उपलब्ध कराए गए और ग्रामीणों के काम के लिए पंचायत सहायकों की तैनाती भी की गई। इसके बावजूद विकासखंड सिद्धौर की कई ग्राम पंचायतों में यह व्यवस्था कागजों से निकलकर धरातल तक पहुंचती नजर नहीं आ रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि कई पंचायत भवनों पर नियमित रूप से पंचायत सहायकों की मौजूदगी नहीं रहती और कई बार भवनों पर ताला लटका मिलता है। ऐसे में गांव में बैठकर मिलने वाली सुविधाओं के लिए ग्रामीणों को मजबूरन ब्लॉक मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे सरकार की उस मंशा पर सवाल उठ रहे हैं, जिसके तहत पंचायत भवनों को गांव की छोटी सरकार का स्थानीय सेवा केंद्र बनाया गया है।ग्राम पंचायत नकटा सेहरिया, पूरब बेलाव, लखनापुर, छतौरा, मिर्चिया, डिघावा, चांदूपुर, सरायपुरखू और आचकमाऊ सहित अन्य ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने पंचायत सहायकों की नियमित उपस्थिति नहीं होने की शिकायत की है। ग्रामीणों का कहना है कि परिवार रजिस्टर की नकल, मृत्यु प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, मनरेगा जॉब कार्ड, आवास योजना सहित विभिन्न कार्यों के लिए उन्हें पंचायत भवन की बजाय ब्लॉक मुख्यालय की दौड़ लगानी पड़ती है।सवाल यह है कि जब सरकार ने भवन, संसाधन और कर्मचारी तीनों उपलब्ध करा दिए हैं, तो फिर ग्रामीणों को उन्हीं सुविधाओं के लिए ब्लॉक तक क्यों जाना पड़ रहा है? यदि पंचायत भवन निर्धारित समय पर खुलता ही नहीं और पंचायत सहायक ग्रामीणों के बीच उपलब्ध नहीं रहते तो लाखों रुपये खर्च कर खड़ी की गई यह व्यवस्था आखिर किस उद्देश्य की पूर्ति कर रही है?ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित ग्राम पंचायतों में पंचायत भवनों की अचानक जांच कराकर पंचायत सहायकों की उपस्थिति, कार्य दिवस और ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का सत्यापन कराया जाए। इससे यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि सरकारी व्यवस्था वास्तव में गांव तक पहुंच रही है या सिर्फ कागजों में संचालित हो रही है। इस संबंध में सहायक विकास अधिकारी पंचायत राजेंद्र यादव ने बताया कि पंचायत सहायकों के पंचायत भवनों पर बैठकर काम न करने की जानकारी उनके संज्ञान में नहीं है। यदि ऐसा पाया जाता है तो मामले की जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक सम्मान शिक्षा और संस्कारों का सम्मान : सतीश शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशकों का पुष्पवर्षा कर किया सम्मान

बाराबंकी। राजकीय इंटर कॉलेज के ऑडिटोरियम में शनिवार को शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक सम्मान समारोह-2026 का आयोजन विधान परिषद सदस्य इंजी. अवनीश कुमार सिंह के संयोजन में किया गया। मुख्य अतिथि खाद्य एवं रसद मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा और संस्कारों का सम्मान है। इंजी. अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक बच्चों को शिक्षित करने के साथ उनके व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण करते हैं। सेवानिवृत्त शिक्षकों का अनुभव अमूल्य धरोहर है, जबकि कार्यरत शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक वर्तमान पीढ़ी का भविष्य संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समारोह में शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों पर पुष्पवर्षा कर माला एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। शिक्षक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों का अवनीश कुमार सिंह, सतीश चंद्र शर्मा और भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा भुल्लन ने उनके स्थान पर जाकर सम्मान किया। राम सिंह वर्मा ने शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान डॉ. वेद प्रकाश द्वारा रचित पुस्तक 'नन्हें कदम' का विमोचन सतीश चंद्र शर्मा और इंजी. अवनीश कुमार सिंह ने किया। पुस्तक को प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों के भाषा विकास और सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया। सेवानिवृत्त शिक्षकों ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों ने सम्मान को उत्साहवर्धक बताया। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक मौजूद रहे। मंच संचालन सुभाष तिवारी और प्रदीप श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारी जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री अरुणेंद्र वर्मा, डॉ. देवेंद्र कुमार द्विवेदी, डॉ. आशुतोष कुमार, धर्मेंद्र वर्मा, राकेश सिंह, दिग्विजय पाण्डेय, अभिषेक सिंह, आनंद पांडेय, अमित वर्मा, प्रीति सेंगर, पवन वर्मा, दिवाकर अवस्थी, रमाकांत, ओम प्रकाश, विनोद वर्मा, अनिल शर्मा, दिलीप तिवारी, अम्बरीष यादव, सुजीत सिंह, आराधना वर्मा, रुद्रप्रताप पाण्डेय, ललित वर्मा, पंकज वर्मा, जय कुमार, उमा नाथ मिश्रा, राजेश श्रीवास्तव, अमित मिश्रा, अपर्णा श्रीवास्तव और अनूप अवस्थी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं बेसिक शिक्षा परिवार से जुड़े लोग मौजूद रहे।

बहू-बेटी सम्मेलन में छात्राओं को किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता



साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, पॉक्सो और हेल्पलाइन की दी जानकारी

निंदूरा, बाराबंकी। बड़ूपुर कोतवाली क्षेत्र के युगांतर विद्या मंदिर, झरसवां में शनिवार को महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ूपुर पुलिस की एंटी रोमियो टीम और वरिष्ठ उपनिरीक्षक योगेंद्र मिश्रा ने छात्राओं व शिक्षिकाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। महिला आरक्षी लक्ष्मी, सोनम शर्मा और अंजली गौतम ने मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा और एंटी रोमियो अभियान के बारे में बताया। छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव, यातायात नियमों, बाल विवाह के दुष्परिणाम, पॉक्सो एक्ट, महिला सुरक्षा से जुड़े नए कानून और घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के संबंध में जागरूक किया गया। बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में भी सरल तरीके से समझाया गया। कार्यक्रम में 1090, 112, 181 और 1098 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। इसके अलावा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया। विद्यालय प्रबंधक सूर्यतोष सिंह ने पुलिस टीम का आभार जताया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक कुमार, शिक्षक पीयूष वर्मा, सुनील वर्मा तथा प्रिया, मोहिनी, आरती, नीतू, दिव्या, आरुषी और क्षमा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ व बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

बाबागंज पावर हाउस की बिजली व्यवस्था बदहाल, कटौती से जनमानस व्याकुल

कैनविज टाइम्स संवाददाता



निंदूरा, बाराबंकी। विकासखंड निंदूरा क्षेत्र में बाबागंज पावर हाउस से जुड़े गांवों में बिजली आपूर्ति की बदहाल व्यवस्था से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें कुल 12 से 13 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। रात के समय रोस्टिंग और 33 केवी लाइन में ब्रेकडाउन के नाम पर बार-बार आपूर्ति बाधित होने से लोगों को यह तक पता नहीं रहता कि बिजली कब आएगी और कब चली जाएगी।

ग्रामीणों के मुताबिक 1912 पर कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। रजवापुर ओदर निवासी अभिषेक कुमार यादव ने बताया कि लगभग हर रात बिजली कटौती होती है। शिकायत के लिए संबंधित लोगों से संपर्क भी नहीं हो पाता। कुम्हारन पुरवा ओदार निवासी राम मिलन प्रजापति ने भी लंबे समय से समस्या बने रहने की बात कही।

दौलतपुर बिसई निवासी विवेक सिंह चौहान ने ट्रांसफार्मर के आसपास झाड़ियों की सफाई न होने और लाइनमैन के समय से निरीक्षण न करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि करंट की चपेट में आकर पशुओं की मौत की घटनाएं भी पहले हो चुकी हैं। मुनीमपुर निवासी विवेक ने देर रात तक बिजली न आने की शिकायत की, जबकि बेहड़पुरवा निवासी वंशराज ने बताया कि बिजली कटौती से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि दिन की कटौती किसी तरह सहन की जा सकती है, लेकिन दिनभर खेत और मजदूरी में मेहनत करने के बाद रात में भी बिजली न मिलने से उमस और मच्छरों के बीच परेशान होना पड़ता है। बच्चों और बुजुर्गों की दिक्कत और बढ़ जाती है।

ग्रामीणों ने बाबागंज पावर हाउस से जुड़े गांवों के लिए निश्चित रोस्टर सार्वजनिक करने, लगातार ब्रेकडाउन की जांच कराने, ट्रांसफार्मर व विद्युत लाइनों का निरीक्षण कराने तथा 1912 पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराने की मांग की है।

भगौली तीर्थ में कजरी तीज मेले की रौनक, आज होगा उद्घाटन

निंदूरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बड़ूपुर कोतवाली क्षेत्र के प्रसिद्ध प्रसन्न नाथ महादेव मंदिर भगौली तीर्थ में कजरी तीज मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। दूर-दराज से पहुंचे व्यापारियों ने दुकानें सजानी शुरू कर दी हैं। चाट-पकौड़ी, मिठाई और घरेलू सामान की दुकानों के साथ बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी लगाए जा रहे हैं। रविवार 13 सितंबर को दोपहर दो बजे क्षेत्रीय विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा मेले का उद्घाटन करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। महंत ने क्षेत्रवासियों से अधिक संख्या में पहुंचकर मेले को सफल बनाने की अपील की है।

तेज रफ्तार डंपर सड़क किनारे खड़े डंपर से टकराया, खलासी घायल

निंदूरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बड़ूपुर कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग पर नयापुरवा गांव के पास शनिवार भोर तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े दूसरे डंपर से जा टकराया। हादसे में टक्कर मारने वाले डंपर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि उसका खलासी घायल हो गया। चालक सुरक्षित बच गया। हादसे के बाद मार्ग पर कुछ देर यातायात बाधित रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों डंपरों को सड़क किनारे करवाकर यातायात सुचारु कराया। घायल खलासी का नजदीकी अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है।

बहू-बेटी सम्मेलन में छात्राओं को सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव के बताए उपाय

निंदूरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बड़ूपुर कोतवाली क्षेत्र के युगांतर विद्या मंदिर झरसवां में शनिवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ूपुर पुलिस की एंटी रोमियो टीम और वरिष्ठ उपनिरीक्षक योगेंद्र मिश्रा ने छात्राओं व शिक्षिकाओं को महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। महिला आरक्षी लक्ष्मी, सोनम शर्मा और अंजली गौतम ने मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा और एंटी रोमियो अभियान की जानकारी दी। छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव, यातायात नियम, बाल विवाह के दुष्परिणाम, पॉक्सो एक्ट, महिला सुरक्षा से जुड़े नए कानून तथा घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में भी सरल तरीके से समझाया गया। पुलिस टीम ने 1090, 112, 181 और 1098 समेत विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धावस्था और विधवा पेंशन जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक सूर्यतोष सिंह ने पुलिस टीम का आभार जताया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक कुमार, शिक्षक पीयूष वर्मा, सुनील वर्मा, प्रिया, मोहिनी, आरती, नीतू, दिव्या, आरुषी और क्षमा समेत विद्यालय का समस्त स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

लोधेश्वर में उमड़ेगी आज आस्था, घाट से जल लेकर पहुंचेंगे बाबा रामदास त्यागी

रामनगर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कजरी तीज के पावन अवसर पर श्री लोधेश्वर महादेव मंदिर में शिवभक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। दूर-दराज से श्रद्धालु कांवड़ लेकर महादेवा पहुंच रहे हैं। इस बार कजरी तीज का पर्व 14 सितंबर सोमवार को मनाया जाएगा। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में अधिकारियों का आवागमन और तैयारियों का जायजा लेने का क्रम शुरू हो गया है। कजरी तीज पर जनपद सीतापुर के रेउसा ब्लॉक के प्रसिद्ध संत बाबा रामदास त्यागी भी हर वर्ष की परंपरा के अनुसार अपने शिष्यों के साथ चहलारी घाट से जल लेकर लोधेश्वर महादेव पहुंचेंगे। यहां वह भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र में भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। भंडारे में गरी गांव के ग्राम प्रधान का विशेष सहयोग रहेगा। कजरी तीज पर बड़ी संख्या में शिवभक्तों के पहुंचने को देखते हुए मेला क्षेत्र में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की तैयारियां तेज हो गई हैं।

गोंडा जा रहे अजय राय को पुलिस ने रोका, मसौली थाने में धरना

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। गोंडा के बर्तन व्यवसायी विनोद कुमार साहनी की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को मृतक के परिजनों से मिलने गोंडा जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं को शाहवपुर टोल प्लाजा के पास बाराबंकी और गोंडा पुलिस ने रोक लिया। विरोध के बाद पुलिस अजय राय को हिरासत में लेकर मसौली थाने पहुंची, जहां वह कांग्रेस नेताओं के साथ धरने पर बैठ गए। पुलिस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। करीब डेढ़ घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद क्षेत्राधिकारी कर्नेलगंज आनंद कुमार राय, क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ, प्रभारी निरीक्षक कर्नेलगंज नरेंद्र कुमार राय, प्रभारी निरीक्षक कटरा बाजार मनोज पाठक और अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक मसौली सनत मिश्रा ने कांग्रेस नेताओं से वार्ता की। पुलिस द्वारा पांच दिन के अंदर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद अजय राय समेत कांग्रेस नेता वापस लौट गए।

थाना समाधान दिवस,चार शिकायतें, एक निस्तारित

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। बदोसराय कोतवाली परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्षता उपजिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर अनिल कुमार सरोज ने की, जबकि संचालन प्रभारी निरीक्षक राम अवतार सरोज ने किया। समाधान दिवस में कुल चार शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी शिकायतें राजस्व से संबंधित थीं। इनमें एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष तीन मामलों के समाधान के लिए राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। उपजिलाधिकारी अनिल कुमार सरोज ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे फरियादियों को बार-बार अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य पुलिस और राजस्व से जुड़ी जनसमस्याओं को एक ही स्थान पर सुनकर उनका प्रभावी समाधान करना है। इस मौके पर उपनिरीक्षक लक्ष्मीकांत तिवारी, सिपाही प्रहलाद कुमार, रवि कुमार सरोज, रोहित कुमार सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। राजस्व विभाग की ओर से राजस्व निरीक्षक तथा लेखपाल सुभेन्द्र अवस्थी, महेंद्र जायसवाल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

ईंट पुरानी, मसाला घटिया फिर कैसे होगा स्कूल का कायाकल्प विद्यालय की दीवार में 'पुरानी ईंटों' से नई कहानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



ऑपरेशन कायाकल्प में गुणवत्ता का कायाकल्प गायब, शिकायत के बाद भी जारी निर्माण प्रधान-सचिव की कथित मिलीभगत के ग्रामीणों ने लगाए आरोप

सिद्धौर, बाराबंकी। परिषदीय विद्यालयों की सूरत संवारने और उन्हें बेहतर सुविधाओं से लैस करने के लिए सरकार द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन कायाकल्प कहीं-कहीं जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली के चलते खुद सवालों के घेरे में आता नजर आ रहा है। विकासखंड सिद्धौर क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुरलीगंज स्थित कंपोजिट विद्यालय में बाउंड्रीवाल निर्माण के दौरान कथित तौर पर पुरानी और गंदी ईंटों के साथ घटिया किस्म के मसाले के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए ग्राम प्रशासक और सचिव पर कथित मिलीभगत के आरोप लगाए हैं।बताया जाता है कि कंपोजिट विद्यालय मुरलीगंज में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण में मानक के अनुरूप नई ईंटों का इस्तेमाल करने के बजाय पुरानी ईंटों को साफ-सफाई कर दोबारा दीवार में खपाया जा रहा है। इतना ही नहीं, निर्माण में इस्तेमाल किए जा रहे मसाले की गुणवत्ता को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस निर्माण से बच्चों की सुरक्षा और विद्यालय की मजबूती जुड़ी है, उसमें गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।विडंबना यह है कि शिकायत के बाद भी 'निर्माण की रफ्तार' नहीं थमी। ग्रामीणों के मुताबिक उन्होंने निर्माण में कथित अनियमितता की शिकायत ब्लॉक स्तर के अधिकारियों से की, लेकिन इसके बावजूद मौके पर प्रभावी जांच अथवा निर्माण रोककर गुणवत्ता की पड़ताल किए जाने के बजाय काम चलता रहा। ऐसे में ग्रामीणों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि यदि शिकायत के बाद भी ईंट और मसाले की गुणवत्ता की जांच नहीं होगी तो फिर निगरानी की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी योजना का नाम ऑपरेशन कायाकल्प है, लेकिन निर्माण देखकर लगता है कि कहीं 'कायाकल्प' के नाम पर पुरानी ईंटों का ही कायाकल्प तो नहीं किया जा रहा। विद्यालय की बाउंड्रीवाल कोई सामान्य निर्माण नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है। ऐसे में यदि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर जांच करनी चाहिए।ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण में प्रयुक्त ईंट, मसाले और अन्य सामग्री की तकनीकी जांच कराकर गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए तथा यदि जांच में मानकों की अनदेखी अथवा सरकारी धन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग इस शिकायत को भी 'ईंट की तरह दीवार में चुन देता है' या फिर सचमुच जांच की नींव रखता है।

नजर हमारी, निगरानी आपकी

विकास खंड में खुद को ब्लॉक की पत्रकारिता का 'ठेकेदार' समझने वाले कुछ तथाकथित पत्रकार हर तस्वीर को चमकदार दिखाने और हर व्यवस्था को दुरुस्त बताने में भले ही जुटे हों, लेकिन जमीनी हकीकत को शब्दों की चाटुकारिता से ज्यादा देर तक ढका नहीं जा सकता। सिद्धौर में स्थिति कुछ ऐसी है कि 'दिया तले अंधेरा' वाली कहावत भी यहां सटीक बैठती नजर आती है। कहीं पुरानी ईंटों से विकास की नई पटकथा लिखी जा रही है, तो कहीं नियम-कायदों को ताक पर रखकर सरकारी योजनाओं को मनमाने ढंग से अंजाम दिए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। कागजों पर विकास की तस्वीर चाहे जितनी खूबसूरत क्यों न हो, जमीन पर हकीकत आखिरकार बोलती है। विकास खंड सिद्धौर में वास्तव में कितना और किस तरह का 'कायाकल्प' हो रहा है, इसकी परतें हमारी रिपोर्ट में एक-एक कर सामने आती रहेंगी।

मामला संज्ञान में आया है। निर्माण कार्य की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में किसी प्रकार की गड़बड़ी या मानकों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूजा सिंह, खंड विकास अधिकारी, सिद्धौर



भारत-श्रीलंका के बीच खिताब के लिए होगी रोमांचक जंग

एजेंसी

महिला एशिया कप फाइनल

दुबई। महिला टी-20 एशिया कप के फाइनल में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबले में स्पिन गेंदबाजी की भूमिका अहम रहने की उम्मीद है। टूर्नामेंट में भारत की स्पिन गेंदबाजों ने अब तक 26 विकेट लिए हैं, जो किसी भी टीम से सबसे ज्यादा हैं। श्रीलंका की स्पिन गेंदबाजी 25 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर है। ऐसे में रविवार को होने वाला खिताबी मुकाबला स्पिन बनाम स्पिन का दिलचस्प मुकाबला बन सकता है। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि टीम ने टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में संतुलित प्रदर्शन किया है। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने टीम की बल्लेबाजी में अहम योगदान दिया है। वहीं, दीप्ति शर्मा की अगुआई में स्पिन आक्रमण ने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाया है। दूसरी ओर, धीमी दुबई की पिचों पर श्रीलंका को बल्लेबाजी में लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में टीम 33 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने पारी संभाली और टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका 44 रन पर पांच विकेट गंवा चुका था और समरविक्रमा की संयमित पारी ने टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इंडोनेशिया के खिलाफ लीग मैच में भी टीम 45 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी, तब निलाक्षिका सिल्वा ने पारी को संभाला था। श्रीलंका की शीर्ष बल्लेबाजी में अस्थिरता चिंता का विषय है। चमारी अटापट्टू ने चार पारियों में सिर्फ 63 रन बनाए हैं, जबकि इमेशा दुलानी के नाम चार पारियों में 64 रन हैं। दूसरी ओर, भारत की गेंदबाजी में तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा भी अच्छी फॉर्म में हैं। ऐसे में श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए भारत के गेंदबाजी आक्रमण से निपटना आसान नहीं होगा। भारत का हालिया रिकॉर्ड भी उसे खिताब का प्रबल दावेदार बनाता है। भारत ने दिसंबर 2025 में घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में क्लीन स्वीप किया था और दोनों टीमों के बीच पिछले 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत ने नौ जीत दर्ज की हैं। हालांकि, श्रीलंका के पक्ष में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इसी दौरान मिली उसकी एकमात्र जीत सबसे बड़े मुकाबले में आई थी। 2024 एशिया कप के फाइनल में दांबुला में श्रीलंका ने भारत के 166 रन के लक्ष्य को आठ विकेट शेष रहते हासिल कर खिताब जीता था। श्रीलंका के सामने इस बार भारत के नंदनी शर्मा और स्पिन तिकड़ी दीप्ति शर्मा, एन श्री चरणी और प्रेमा रावत से निपटने की चुनौती होगी। टीम को शुरुआती झटकों से बचते हुए साझेदारियां बनानी होंगी, ताकि मध्य और निचले क्रम पर जरूरत से ज्यादा दबाव न आए। भारत जहां संतुलन और फॉर्म के लिहाज से मजबूत नजर आ रहा है, वहीं गत चैंपियन श्रीलंका जानता है कि फाइनल में परिस्थितियां बदल सकती हैं। खास बात यह है कि बल्लेबाजी में संघर्ष के बावजूद श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी मुकाबले जीते हैं और उसका रिकॉर्ड भारत के समान है। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टूर्नामेंट में तेज शुरुआत को अपनी पहचान बना लिया है। उन्होंने चार मैचों में 169.69 के शानदार स्ट्राइक रेट से 168 रन बनाए हैं। उनकी दो पारियां 64 रन की रही हैं। फाइनल में भारतीय पारी को तेज शुरुआत दिलाने में उनकी भूमिका अहम हो सकती है। श्रीलंका को शुरुआती झटकों से उबरने में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान मिला है, लेकिन फाइनल में टीम को अपनी स्टार खिलाड़ी चमारी अटापट्टू से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। अटापट्टू गेंद से प्रभावी रही हैं और टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं, लेकिन बल्ले से उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। चार मैचों में वह केवल एक बार 30 रन का आंकड़ा पार कर सकी हैं। फाइनल में बल्ले से उनका बड़ा योगदान श्रीलंका को भारत के खिलाफ अतिरिक्त मजबूती दे सकता है। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक एक ही अंतिम एकादश के साथ सभी मुकाबले खेले हैं। चोट की समस्या नहीं होने पर फाइनल में भी टीम के उसी संयोजन के साथ उतरने की संभावना है।



भारत संभावित एकादशः स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, क्रांति गौड़, एन श्री चरणी, नंदनी शर्मा। श्रीलंका ने अपने 17 खिलाड़ियों में से 14 को मौका दिया है। पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में विश्मी गुणरत्ने और चेथना विमुक्ति को बाहर रखते हुए हसिनी परेरा और मिथाली अयोध्या को शामिल किया गया था। यही संयोजन फाइनल के लिए भी उसकी आदर्श एकादश हो सकती है। श्रीलंका संभावित एकादशः इमेशा दुलानी, चमारी अटापट्टू (कप्तान), संजना कविंदी, हर्षिता समरविक्रमा, हसिनी परेरा, कविशा दिलहारी, निलाक्षिका सिल्वा, कौशिनी नुत्यांगना (विकेटकीपर), सुगंधिका कुमारी, चामुडी प्रबोदा, मिथाली अयोध्या। टूर्नामेंट में अब तक कम स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। 150 रन से अधिक के केवल दो स्कोर बने हैं और दोनों भारत ने बनाए हैं। धीमी पिचों पर स्पिन और धीमी गति के गेंदबाजों को मदद मिली है, जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट लगाना चुनौतीपूर्ण रहा है। दिन में तापमान करीब 37 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है, जबकि शाम को इसमें मामूली गिरावट होगी। टूर्नामेंट के 14 मुकाबलों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने नौ बार जीत दर्ज की है।

यूएस ओपन: सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने जीता महिला युगल का खिताब

एजेंसी

न्यूयॉर्क। शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने शुक्रवार को अमेरिकी वाइल्ड कार्ड जोड़ी एशलिन क्रूगर और रॉबिन मोंटगोमरी को हराकर यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने फाइनल में 5-7, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की और इसके साथ ही टीम के रूप में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इस जीत के साथ सिनियाकोवा के ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताबों की संख्या 12 हो गई। वह दो अलग-अलग खिलाड़ियों के साथ करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने इससे पहले अपनी हमवतन बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, टाउनसेंड महिला युगल में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली मौजूदा खिलाड़ियों में छठी खिलाड़ी बन गईं। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने 2024 में विंबलडन, 2025 में



ऑस्ट्रेलियन ओपन और इस साल फ्रेंच ओपन का महिला युगल खिताब भी जीता था। फाइनल में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने धीमी शुरुआत की और पहला सेट 5-7 से गंवा दिया। हालांकि दूसरे सेट में दोनों ने शानदार वापसी की। शुरुआती गेम में 40-30 से पिछड़ने के बाद उन्होंने अगले 27 में से 23 अंक जीतकर दूसरा सेट 6-0 से अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शुरुआती ब्रेक हासिल किया और सिनियाकोवा ने अपनी सर्विस बिना कोई अंक गंवाए बरकरार रखते हुए 3-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद टाउनसेंड ने भी चार अंकों वाला सर्विस गेम जीतकर बढ़त 4-2 कर दी। अंततः दोनों ने निर्णायक सेट 6-2 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में भारत के सामने सैमसन और सूर्यवंशी में चयन की दुविधा

एजेंसी

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत के सामने दुविधा होगी कि 'वंडर ब्वॉय' वैभव सूर्यवंशी को उतारा जाये या संजू सैमसन के अनुभव पर भरोसा किया जाये।

सूर्यवंशी को इंग्लैंड में सैमसन की जगह अंतिम एकादश में जगह दी गई थी लेकिन श्रृंखला के आखिरी मैच में 15 वर्ष के सूर्यवंशी की जगह सैमसन को उतारा गया। टी20 प्रारूप में सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी कामयाब रही है। उम्मीद है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर जापान में होने वाले एशियाई खेलों की अंतिम एकादश तय करने से पहले सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को बराबर मौके देंगे। शुक्रवार की शम को अभ्यास सत्र के दौरान सूर्यवंशी की तुलना में सैमसन अधिक संतुलित नजर आये। सूर्यवंशी को जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर



सहज होकर खेलने में समय लगा क्योंकि पिच से भी बुमराह की गेंदों को मदद मिल रही थी। यह भी हो सकता है कि लगातार लाल गेंद के तीन मैच खेलने के बाद सूर्यवंशी को सामंजस्य बिठाने में समय लग रहा हो। वैसे अफगानिस्तान के पास बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान के गेंदबाजों के सामने सूर्यवंशी को फुटवर्क का इस्तेमाल नहीं करने पर भी दिक्कत नहीं आयेगी। सैमसन की बात करें तो तीन पारियों में नाकामी के बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे से बाहर करना ज्यादती था। लेकिन सूर्यवंशी को लेकर हाइप इतनी बढ गई थी कि टीम प्रबंधन ने जनता की मांग पर फैसला लिया भले ही बार बार वे कहते हों कि बाहरी आवाज का असर नहीं होता। अगर ईशान किशन नहीं खेल पाते हैं तो सूर्यवंशी और सैमसन दोनों को मौका मिल सकता है। ईशान को शुक्रवार को नेट अभ्यास के दौरान कमर में चोट लगी थी। दलीप ट्रॉफी फाइनल में 270 और 80 रन बनने वाले ईशान हालांकि खेलने को बेताब होंगे क्योंकि भारत के लिये अब वह इसी प्रारूप में नियमित खेलते हैं। एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम के पास तैयारी का यह सुनहरा मौका है क्योंकि अफगानिस्तान के बेहतरीन स्पिनरों राशिद खान, नूर अहमद और मुजीबुर रहमान का सामना करना होगा। तेज गेंदबाजों में उनके पास फजलहक फारूकी, नवीनुल हक, हरफनमौला गुलबदिन नायब और अजमतुल्लाह उमरजइ शामिल हैं। शीर्षक्रम में चयन की दुविधा के अलावा भारत को स्पिनरों में से भी चुनना होगा। गंभीर का भरोसा हरफनमौलाओं पर अधिक रहता है जिससे अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर के खेलने की संभावना अधिक है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप: भक्ति शर्मा ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता कांस्य, जूनियर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया

चांगवोन। भारत की भक्ति शर्मा ने डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 213.1 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। ईरान की नासरीन शाही समाखौन ने भक्ति को पीछे छोड़कर रजत पदक हासिल किया, जबकि उनकी हमवतन फैजेह अहमदी ने 238.3 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारत की एक अन्य निशानेबाज सृष्टि अरोड़ा भी शामिल थीं, जिन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भक्ति छठे स्थान पर रही थीं और सृष्टि से एक स्थान पीछे थीं। हालांकि, 565 अंक के स्कोर के साथ उन्होंने नया जूनियर विश्व रिकॉर्ड कायम किया। सृष्टि ने क्वालीफिकेशन में 566 अंक हासिल किए। भारत की सुमेधा पाठक केवल एक अंक से शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं। वहीं, 2024 पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस 554 अंक के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। सृष्टि, भक्ति और सुमेधा के तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर के संयुक्त 1690 अंक भारत के खाते में रहे। ईरान ने 1707 अंक के नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन ने कांस्य पदक हासिल किया।

पूर्व क्रिकेटर श्रीसंत के पिता का निधन

कोच्चि। पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत के पिता वी. शांताकुमारन नायर का यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके पारिवारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वह 89 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि नायर का यहां लिसी अस्पताल में इलाज किया जा रहा था और शुक्रवार रात पौने 10 बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने कहा कि नायर का पार्थिव शरीर फिलहाल अस्पताल के शवगृह में रखा गया है और विदेश से उनके परिजनों के यहां पहुंचने के बाद रविवार को यह कोठामंगलम स्थित उनके पैतृक आवास ले जाया जाएगा। पार्थिव शरीर को रविवार पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न दो बजे तक कोठामंगलम स्थित नायर के आवास पर रखा जाएगा ताकि लोग अंतिम दर्शन कर सकें और अंतिम संस्कार शाम चार बजे किया जाएगा। नायर भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में क्षेत्रीय प्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके परिवार में पत्नी टी. एन. सावित्रीदेवी और चार संतान दीपू, निवेदिता, दिव्या एवं श्रीसंत हैं।

अगर आपका दिन अच्छा रहा तो आप पदक जीत सकते हैं : करकेरा

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों में पदार्पण करने जा रहे कार्तिक करकेरा आइची-नागोया में पुरुषों की मैराथन में अन्य तेज धावकों से मिलने वाली चुनौती से बखूब वाकिफ हैं, लेकिन उनका मानना है कि उनके पास पदक जीतने का मौका है। करकेरा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दो घंटे 13 मिनट 10 सेकेंड है। उन्होंने स्वीकार किया कि जापान के युया योशिदा और इचिटाका यामाशिता काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं जो दो घंटे छह मिनट से कम समय में मैराथन पूरी कर चुके हैं। करकेरा ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''निश्चित रूप से उनका काफी दबदबा है और वे मैराथन में हिस्सा लेने वाले दोनों भारतीय धावकों से काफी तेज भी हैं। एशियाई खेलों की मैराथन स्पर्धा में करकेरा और सावन बरवाल दो भारतीय हिस्सा लेंगे। इनमें से बरवाल ने इस साल दो मिनट 11 मिनट 58 सेकेंड का समय निकाला था। उन्होंने कहा, ''हमें नहीं पता कि पिछले दो-तीन महीनों में उनकी तैयारी कैसी रही है। वे बहुत ठंडे मौसम में भी भाग चुके हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि पिछले कुछ महीनों में आपकी तैयारी कैसी रही है और उस खास दिन आप कैसा महसूस कर रहे हैं।'' करकेरा ने कहा, ''अगर आपका दिन अच्छा रहा और आप तैयार हैं तो भले ही परिस्थितियां कैसी भी हों और अन्य मैराथन धावकों का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसा भी हो तो भी आप पोडियम में स्थान हासिल कर सकते हो।

उप्र स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगी पीतलनगरी

मुरादाबाद। पहली बार पीतलनगरी मुरादाबाद उप्र स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगी। समर वैली स्कूल मुरादाबाद में 25 से 27 सितंबर तक होने वाली चौथी राज्य रैंकिंग प्रतियोगिता में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के खिलाड़ी रैंकिंग और खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगे। प्रतियोगिता से स्थानीय खिलाड़ियों को राज्य स्तर की कड़ी प्रतिस्पर्धा में अपनी प्रतिभा परखने का मौका मिलेगा। शनिवार को टूर्नामेंट को लेकर समर वैली स्कूल में बैठक आयोजित की गई। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रविष्टि की अंतिम तिथि 15 सितंबर तय की गई है। निर्धारित प्रारूप में ई-मेल के माध्यम से प्रविष्टियां भेजी जाएंगी।

जूनियर महिला एशिया कप: सुप्रिया की हैट्रिक से भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया, फाइनल में पहुंचा

एजेंसी

मोकी, चीन। ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ सुप्रिया की शानदार हैट्रिक के दम पर गत चैंपियन भारत ने शनिवार को एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और खिताब बचाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया। भारत की ओर से मधु सिदार ने 13वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने सटीक ड्रैग-फ्लिक के जरिए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने लगातार आक्रामक खेल जारी रखा और 21वें मिनट में सुखवीर कौर ने शानदार फिनिश के साथ टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक भारतीय रक्षापंक्ति ने दक्षिण कोरिया के



प्रयासों को नाकाम रखते हुए तीन गोल की बढ़त कायम रखी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत ने एक बार फिर दबाव बनाया। 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने एक और शानदार ड्रैग-फ्लिक के जरिए अपना दूसरा गोल किया और भारत को 4-0 से आगे कर दिया। दक्षिण कोरिया ने 41वें मिनट में वापसी की कोशिश की। यूरी जियोंग ने सेट पीस पर गोल कर अंतर 4-1 किया और अपनी टीम की वापसी की उम्मीद जगाई। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद रक्षापंक्ति को मजबूत करते हुए कोरियाई टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं दिया। भारत ने अंतिम क्वार्टर में भी आक्रामक रुख बनाए रखा और 56वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। सुप्रिया ने इस मौके को भी गोल में बदलते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की 5-1 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। गत चैंपियन भारत अब खिताबी मुकाबले में चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। भारतीय टीम लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ फाइनल में उतरेगी।

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप: भक्ति शर्मा ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता कांस्य, जूनियर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया

एजेंसी



चांगवोन। भारत की भक्ति शर्मा ने डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 213.1 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। ईरान की नासरीन शाही समाखौन ने भक्ति को पीछे छोड़कर रजत पदक हासिल किया, जबकि उनकी हमवतन फैजेह अहमदी ने 238.3 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारत की एक अन्य निशानेबाज सृष्टि अरोड़ा भी शामिल थीं, जिन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भक्ति छठे स्थान पर रही थीं और सृष्टि से एक स्थान पीछे थीं। हालांकि, 565 अंक के स्कोर के साथ उन्होंने नया जूनियर विश्व रिकॉर्ड कायम किया। सृष्टि ने क्वालीफिकेशन में 566 अंक हासिल किए। भारत की सुमेधा पाठक केवल एक अंक से शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं। वहीं, 2024 पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस 554 अंक के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। सृष्टि, भक्ति और सुमेधा के तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर के संयुक्त 1690 अंक भारत के खाते में रहे। ईरान ने 1707 अंक के नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन ने कांस्य पदक हासिल किया।

स्बरबैंक को 10 अतिरिक्त शाखाएं खोलने के लिए नियामकीय मंजूरी का इंतजार

नयी दिल्ली। रूस के सबसे बड़े बैंक स्बरबैंक ने शुक्रवार को कहा कि वह द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत में 10 नई शाखाएं खोलकर अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इस समय बैंक नयी दिल्ली और मुंबई में कार्यालयों के साथ एक शाखा मॉडल पर भारत में काम कर रहा है। वर्ष 2010 में अपना परिचालन शुरू करने वाले इस बैंक ने 10 शहरों में खोले जाने वाले 10 शाखा लाइसेंसों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अनुमति मांगी है। स्बरबैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने यहां कहा, ड्डहम स्थानीय नियामक से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बैंक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी में तब्दील होने की योजना बना रहा है, उन्होंने कहा, फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि बैंक ने नयी दिल्ली में दो 'समिट टावर्स' बिजनेस सेंटर का अधिग्रहण किया है, जो 2028 तक तैयार हो जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय राजधानी में इन संपत्तियों का अधिग्रहण दीर्घकालिक साझेदारी के लिए एक नई नींव तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि स्बर देश में लगातार अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, और यह निवेश उसी रणनीति का हिस्सा है। रुपये में द्विपक्षीय व्यापार निपटान के बारे में बात करते हुए ग्रेफ ने कहा, हमारी प्रणाली अब पहले से कहीं अधिक कुशलता से काम कर रही है। पिछले साल, हमारे सामने अधिशेष रुपये की समस्या थी, लेकिन इस साल ऐसी कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि मुद्रा जोखिम के प्रबंधन के तहत बैंक ने सरकारी प्रतिभूतियों में भी निवेश किया है। सीमा पार भुगतान के लिए केंद्रीय बैंक समर्थित डिजिटल मुद्राओं (सीबीडीसी) पर उन्होंने कहा कि यह एक बड़े अवसर के रूप में उभर सकता है।

एसबीआई छोटे व्यवसायों की ऋण पात्रता आंकने के लिए यूपीआई आंकड़ों का करेगा इस्तेमाल

एजेंसी

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जीएसटी पंजीकरण नहीं रखने वाले छोटी इकाइयों की ऋण पात्रता का आकलन करने के लिए यूपीआई लेनदेन के आंकड़ों का इस्तेमाल करने की व्यवस्था विकसित कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसबीआई के प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी ने यहां आयोजित वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि यदि किसी कारोबार में नियमित बिक्री हो रही है तो यूपीआई लेनदेन को जीएसटी के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''हम जीएसटी न रखने वाले कारोबारियों के लिए एक यूपीआई समाधान विकसित कर रहे हैं और यूपीआई लेनदेन को बिक्री के संकेतक के रूप में इस्तेमाल करेंगे।



तिवारी ने कहा कि जीएसटी के तहत पंजीकृत कारोबारियों को ऋण देने की चुनौती का बैंक समाधान कर चुका है और ऐसे मामलों में 10 मिनट के भीतर ऋण देने की स्थिति में है। पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए हैं। हालांकि, जीएसटी नंबर नहीं रखने वाले कारोबारियों के मामले में कठिनाइयां हैं और ऐसे में वैकल्पिक आंकड़े महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यूपीआई भुगतान से जुड़े मुद्दे पर तिवारी ने कहा कि कर्ज देने वाले बैंक के पास हमेशा यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है। हालांकि, प्राप्तकर्ता बैंक और लेनदेन में मदद करने वाले तीसरे पक्ष के भुगतान ऐप के पास यह जानकारी होती है। उन्होंने कहा कि ग्राहक की सहमति से बैंक यूपीआई भुगतान और दूरसंचार कंपनियों से मिलने वाले आंकड़ों जैसे अन्य स्रोतों का इस्तेमाल करने वाले मॉडल के जरिये ऋण पात्रता का आकलन कर सकता है। तिवारी ने कहा कि एसबीआई को उम्मीद है कि नए आंकड़ों के आधार पर छोटे कारोबारियों को ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे छोटे कारोबारियों की ऋण संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी।

बसपा में पीढ़ीगत बदलाव की तैयारी, आनंद कुमार के बेटों को नहीं मिलेगी राजनीतिक जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने संगठन को लेकर बड़ा संकेत दिया है। मायावती ने पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाते हुए युवाओं को संगठन में अधिक भागीदारी देने पर जोर दिया है। साथ ही उन्होंने साफ कर दिया है कि उनके भाई आनंद कुमार के बेटों को बसपा में किसी भी तरह की राजनीतिक जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी।

मायावती ने अपने संदेश में कहा कि बसपा को परिवारवाद से मुक्त रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपने भाई-बहनों और उनके परिवार के युवाओं को सांसद, विधायक, मंत्री या अन्य राजनीतिक पदों से दूर रखती रही हैं। इसी नीति को आगे भी जारी रखा जाएगा। मायावती के इस फैसले को पार्टी के भीतर नई पीढ़ी को आगे लाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन में युवाओं को लगभग 50 फीसदी तक भागीदारी देने की प्रक्रिया लंबे समय से जारी है। आने वाले विधानसभा चुनावों में भी समाज के युवा चेहरों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार के परिवार को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनके दोनों बेटों को बसपा में छोटे या बड़े किसी भी राजनीतिक पद पर जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि परिवार के अगले पुरुष सदस्यों को भी राजनीतिक उत्तराधिकार देने की कोई योजना नहीं है। मायावती ने बताया कि अविवाहित होने और सुरक्षा की जरूरत के कारण उन्होंने अपने छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखा। आनंद कुमार लंबे समय से पार्टी से जुड़े रहे हैं और संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते रहे हैं।

हालांकि, भविष्य में यदि आनंद कुमार को सहायता की जरूरत होती है तो उनकी बेटी कुमारी दीपिका आनंद उनकी मदद कर सकती हैं। मायावती के इस बयान से यह संकेत मिला है कि परिवार की अगली पीढ़ी में राजनीतिक भूमिका के लिए दीपिका का नाम सामने आ सकता है। आनंद कुमार की बेटी दीपिका आनंद फिलहाल वकालत की पढ़ाई कर रही हैं। मायावती ने संकेत दिया है कि यदि दीपिका ईमानदारी, वफादारी और कार्यक्षमता के आधार पर पार्टी की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार होती हैं, तो उन्हें भविष्य में संगठन में भूमिका दी जा सकती है। हालांकि, मायावती ने यह भी स्पष्ट किया



कि जिम्मेदारी केवल परिवार का सदस्य होने के आधार पर नहीं दी जाएगी। यदि दीपिका इसके लिए तैयार नहीं होती हैं, तो पार्टी की सहमति से दलित समाज के किसी मिशनरी कार्यकर्ता को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस तरह मायावती ने परिवार के भीतर राजनीतिक उत्तराधिकार के बजाय संगठन और मिशन को प्राथमिकता देने का संदेश दिया है। मायावती ने कहा कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम की तरह ही परिवारवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी हैं। उनका मानना है कि पार्टी को परिवारवाद से मुक्त रखना जरूरी है, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोग आंदोलन से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि बसपा का उद्देश्य केवल किसी परिवार के राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाना नहीं है। पार्टी का आधार अंबेडकरवादी विचारधारा और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना है। मायावती ने संगठन में महिला और पुरुष दोनों युवा चेहरों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि नई पीढ़ी की भागीदारी बढ़ाकर पार्टी को बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल के अनुरूप मजबूत किया जाएगा। मायावती ने कहा कि पार्टी में युवाओं को लगभग 50 फीसदी तक संगठनात्मक भागीदारी देने की प्रक्रिया काफी समय से चल रही है। अब इसे और प्रभावी बनाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के आगामी विधानसभा चुनावों में समाज के युवा चेहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। पार्टी की रणनीति में नई पीढ़ी को जोड़ना प्रमुख लक्ष्य रहेगा। मायावती ने विशेष रूप से जेन-जी और जेन-अल्फा की जरूरतों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए संगठन को नई दिशा देने की बात कही। उनका कहना है कि बदलती पीढ़ी की बुनियादी जरूरतों को समझे बिना राजनीतिक आंदोलन को व्यापक स्तर पर आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। मायावती ने पार्टी को अंबेडकरवादी विचारधारा से जोड़ते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना बसपा की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत से जुटने की अपील की। उनका कहना है कि पार्टी की राजनीति का केंद्र सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा है। नई पीढ़ी को संगठन से जोड़कर इन विचारों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। मायावती ने अपने राजनीतिक कार्यकाल और उत्तर प्रदेश में बसपा की चार बार की सरकार का भी उल्लेख किया। उन्होंने अपनी सरकार के दौरान कानून का राज, जनकल्याण और विकास को प्रमुख उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि बसपा सरकार के दौरान सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा ग्रामीण और शहरी विकास के क्षेत्र में काम किया गया। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, छात्रावास और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए। इसके साथ ही पार्कों के निर्माण का भी उल्लेख किया। मायावती ने दावा किया कि बसपा सरकार की नीतियों के कारण प्रदेश में लोगों का पलायन काफी हद तक रुका था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। मायावती ने सोशल मीडिया पर बसपा से निष्कासित नेताओं की पार्टी में वापसी से जुड़ी खबरों को भी खारिज किया है। उन्होंने ऐसी खबरों को फर्जी सूचना बताया। मायावती ने साफ कहा कि अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण जिन नेताओं को बसपा से निष्कासित किया गया है, उन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। इस बयान के जरिए मायावती ने संगठन में अनुशासन को लेकर भी सख्त रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सोशल मीडिया पर फैलने वाली अपुष्ट खबरों पर भरोसा न करने की अपील की।

2012 की हार का जिम्मेदार विरोधियों को ठहराया

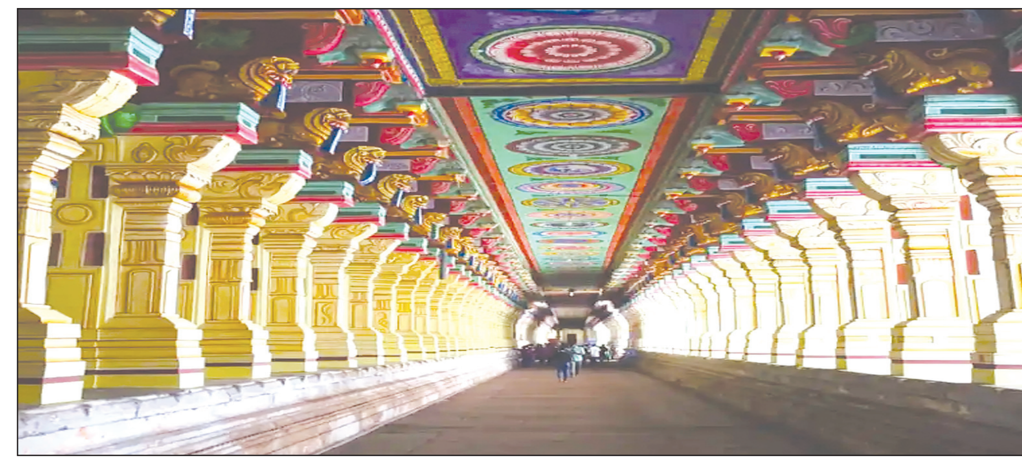
मायावती ने 2012 में बसपा की सरकार न बनने का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को हराने के लिए विरोधी दलों ने जातिवादी रवैया अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बसपा को उत्तर प्रदेश में दोबारा सरकार बनाने से रोकने के लिए साम, दाम, दंड और भेद का इस्तेमाल किया जा रहा है। मायावती ने कार्यकर्ताओं से ऐसे प्रयासों से सावधान रहने और पूरी ताकत से पार्टी के अंबेडकरवादी मिशन में जुटे रहने की अपील की। उन्होंने बसपा सरकार के बाद प्रदेश की स्थिति पर भी सवाल उठाए। मायावती का आरोप है कि बसपा सरकार के बाद कानून का राज कमजोर हुआ और विकास के सरकारी दावों के बावजूद लोगों की समस्याएं पूरी तरह दूर नहीं हो सकीं।

ब्रिक्स में दिखी रामनाथस्वामी मंदिर की भव्य तस्वीर, मोदी ने विश्व नेताओं को दिखाई भारत की आध्यात्मिक विरासत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे विभिन्न देशों के नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान स्वागत समारोह की पृष्ठभूमि में तमिलनाडु के रामेश्वरम स्थित प्रसिद्ध श्री रामनाथस्वामी मंदिर की भव्य तस्वीर दिखाई गई। भारत की प्राचीन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को दर्शाती इस तस्वीर ने विश्व नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान समेत कई नेताओं का स्वागत किया। स्वागत समारोह के लिए भारत मंडपम में तैयार किए गए प्रवेश क्षेत्र में भारत की विविध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित किया गया



था। इसी क्रम में रामेश्वरम के श्री रामनाथस्वामी मंदिर को पृष्ठभूमि में प्रमुख स्थान दिया गया।

मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग का स्वागत किया और उन्हें तमिलनाडु के रामेश्वरम में स्थित प्रसिद्ध रामनाथस्वामी मंदिर के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान मंदिर की भव्य छवि विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। श्री रामनाथस्वामी मंदिर भगवान शिव को समर्पित भारत के सबसे प्रतिष्ठित शिव मंदिरों में से एक है। यह मंदिर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल है, इसलिए हिंदू धर्म में इसका अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने लंका पर विजय प्राप्त करने के दौरान यहां भगवान शिव की पूजा की थी। इसी धार्मिक परंपरा के कारण रामेश्वरम का संबंध रामायण की कथा और भगवान राम की आराधना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। रामनाथस्वामी मंदिर अपनी विशाल स्थापत्य कला और विश्वप्रसिद्ध लंबे गलियारों के लिए भी जाना जाता है। मंदिर के विशाल स्तंभों से सुसज्जित गलियारे भारतीय मंदिर वास्तुकला की भव्यता का अद्भुत उदाहरण माने जाते हैं।

रामेश्वरम हिंदू तीर्थ परंपरा में भी विशेष महत्व रखता है और इसे चार धामों में से एक माना जाता है। इस प्रकार ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच पर रामनाथस्वामी मंदिर की तस्वीर का दिखाई देना केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्ष पुरानी आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक आस्था और समृद्ध स्थापत्य विरासत को दुनिया के सामने रखने का भी प्रतीक बना।

प्रधानमंत्री के 'हर घर जल' के दावे दूषित पानी में बह गए: खरगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात में पेयजल की स्थिति को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर जल के दावे दूषित पानी में बह गए हैं। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि गुजरात में 10 में से करीब नौ नमूने पीने योग्य नहीं पाए गए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान शुरू की गई 'सुजलाम-सुफलाम' योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2004 में इसका जोर-शोर से प्रचार किया गया था, लेकिन आज भी राज्य के कई हिस्सों में लोग पानी के लिए परेशान हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री बनने के बाद इसी तरह के दावों को 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से आगे बढ़ाया गया। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने वर्ष 2022 में गुजरात में 100 प्रतिशत नल कनेक्शन के किए गए दावे पर सवाल उठाए हैं और करीब 14 लाख घर अब भी पानी का इंतजार कर रहे हैं। खरगे ने अहमदाबाद जिले के धोलका में दूषित पानी पीने के कारण 54 लोगों की कैंसर से मौत होने संबंधी हालिया खबर का भी हवाला दिया। उन्होंने सौराष्ट्र के राजकोट और जामनगर तथा कच्छ-सौराष्ट्र के अन्य इलाकों में पेयजल संकट और किसानों के सूखे से जूझने का दावा किया। खरगे ने कहा कि गुजरात की जनता को 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना दिखाया जा रहा है, लेकिन भाजपा के करीब 28 वर्षों के शासन में ''झूठा प्रचार'' और ''नकली रंगीन तस्वीरें'' दिखाकर लोगों की आंखों में धूल झोंकी गई। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'सुजलाम-सुफलाम' नाम पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''भाजपा राज में न तो 'सुजलाम' यानी शुद्ध पानी है और न ही 'सुफलाम' यानी भरपूर उपज और फसल है।

पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 14 से 16 सितंबर तक होगा वायु सेना का 'ड्रोनथॉन'

जोधपुर। जैसलमेर जिले की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 14 से 16 सितंबर तक भारतीय वायु सेना की ओर से पहली बार ड्रोनथॉन का आयोजन किया जाएगा। इसमें रक्षा एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े भारतीय उद्योग अपनी अत्याधुनिक ड्रोन और ड्रोन-रोधी तकनीकों का विकास, परीक्षण और प्रदर्शन करेंगे। ड्रोनथॉन-2026 का उद्देश्य देश में विकसित मानवरहित हवाई प्रणालियों और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों की क्षमताओं को परखना तथा रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देना है। आयोजन को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। इसके जरिए विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने और घरेलू रक्षा उद्योग को प्रोत्साहित करने पर जोर रहेगा। आयोजन में ड्रोन, निगरानी प्रणालियों, खुफिया जानकारी जुटाने वाली तकनीकों, लक्ष्य की पहचान करने वाली प्रणालियों तथा दुश्मन के ड्रोन की पहचान कर उन्हें निष्क्रिय करने वाली काउंटर-ड्रोन तकनीकों पर विशेष ध्यान रहेगा। आधुनिक युद्ध प्रणाली में ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में ड्रोन खतरों से निपटने के लिए प्रभावी प्रणालियों का विकास भी सुरक्षा व्यवस्था की प्रमुख आवश्यकता बन गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार ड्रोनथॉन भारतीय रक्षा उद्योग, तकनीकी कंपनियों और संबंधित संस्थानों को अपनी प्रणालियों की क्षमताएं प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराएगा। कंपनियों को सैन्य आवश्यकताओं के अनुरूप अपने उत्पादों का परीक्षण करने और तकनीकों में आवश्यक सुधार करने का अवसर मिलेगा। इससे रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। आयोजन में देश-विदेश की 60 से अधिक रक्षा कंपनियों के भाग लेने की जानकारी है। ये कंपनियां पोकरण रेंज में अपने आधुनिक उत्पादों और उपकरणों की लाइव उड़ान तथा अन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी। इस दौरान रक्षा क्षेत्र के अधिकारी और विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का चयन सैन्य परीक्षणों के लिए उपयुक्त भौगोलिक परिस्थितियों के कारण किया गया है। विशाल रेगिस्तानी क्षेत्र, नियंत्रित परीक्षण क्षेत्र और सैन्य गतिविधियों के अनुकूल परिस्थितियां इसे अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के परीक्षण के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। ड्रोनथॉन-2026 के दौरान स्वदेशी प्रणालियों को वास्तविक परिस्थितियों के करीब परखने का अवसर मिलेगा।

पेज एक का शेष

बदलती दुनिया के...

और परमाणु टकराव की बढ़ती आशंका पर भी गंभीर चिंता जताई। घोषणा में अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए संवाद, संयम और कूटनीति को महत्वपूर्ण बताया गया। सदस्य देशों ने ऐसे प्रयासों की जरूरत बताई, जिनसे तनाव कम हो और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वास का माहौल मजबूत हो। घोषणा में युद्ध और टकराव के बजाय शांतिपूर्ण समाधान को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए सीमा-पार भुगतान व्यवस्था को आसान बनाने पर भी सहमति बनी। सदस्य देशों ने इस दिशा में बातचीत जारी रखने और व्यावहारिक समाधान तलाशने पर जोर दिया। सीमा-पार भुगतान को अधिक सुगम बनाने से सदस्य देशों के बीच व्यापार और आर्थिक लेन-देन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। घोषणा में वित्तीय सहयोग को मजबूत करने और सदस्य देशों के बीच आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ उठाए जाने वाले एकतरफा दबाव वाले आर्थिक और अन्य उपायों की भी निंदा की। सदस्य देशों ने कहा कि ऐसे कदम वैश्विक आर्थिक सहयोग और स्थिरता को प्रभावित करते हैं। नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक व्यापार की निरंतरता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। सदस्य देशों ने कहा कि व्यापार और आपूर्ति शृंखला में बाधा आने से दुनिया के विभिन्न हिस्सों पर असर पड़ता है। ब्रिक्स देशों ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने की बात कही। ऊर्जा की सुचारू आवाजाही को भी वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भविष्य की तकनीकों के विकास में वैश्विक दक्षिण की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वैश्विक दक्षिण को केवल नई तकनीकों का उपयोग करने वाला क्षेत्र नहीं होना चाहिए, बल्कि नई तकनीकों के विकास और उनसे जुड़े नियम तय करने की प्रक्रिया में भी बराबर भागीदारी मिलनी चाहिए। मोदी ने कहा कि तकनीकी विकास का लाभ दुनिया के सभी हिस्सों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने वैश्विक स्तर पर लिए गए फैसलों और उनके वास्तविक परिणामों के बीच मौजूद दूरी को कम करने के लिए साझेदारी और सहयोग बढ़ाने की जरूरत बताई। उनका कहना था कि भविष्य की तकनीक से जुड़े नियम और मानक तय करते समय विकासशील देशों की जरूरतों और हितों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। ब्रिक्स के गठन के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो डाक टिकट जारी किए। इस अवसर पर उन्होंने ब्रिक्स अध्यक्ष के रूप में सदस्य देशों के योगदान, रचनात्मक सोच और सहयोग के लिए आभार जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई दिल्ली घोषणा ने ब्रिक्स के साझा संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा तय कर दी है। अब सदस्य देशों की जिम्मेदारी है कि घोषणा में लिए गए संकल्पों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और उन्हें ठोस परिणामों में बदला जाए। उन्होंने कहा कि केवल घोषणाएं करना पर्याप्त नहीं है। सहयोग के लिए तय की गई प्राथमिकताओं को जमीन पर उतारना और आम लोगों तथा सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं तक उसका लाभ पहुंचाना महत्वपूर्ण है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन के साथ नई दिल्ली घोषणा को सर्वसम्मति से मंजूरी मिलना भारत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल रहा। घोषणा में शांति, कूटनीति, आर्थिक सहयोग, व्यापार, तकनीक और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्य देशों की साझा सोच सामने आई। अब चुनौती इन संकल्पों को वास्तविक सहयोग और ठोस परिणामों में बदलने की है। नई दिल्ली घोषणा ने इसके लिए प्राथमिकताएं तय कर दी हैं और आने वाले समय में ब्रिक्स देशों के बीच इन्हीं क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर रहेगा। शिखर सम्मेलन के बंद कमरे के सत्र के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और बातचीत की। दोनों नेताओं की यह मुलाकात भी सम्मेलन के दौरान चर्चा में रही।

अल-कायदा के...

प्रसारित करने तथा अरबी भाषा मे ला-गालिब-इल्लल्लाह नाम का व्हाट्सएप ग्रुप बनाए जाने की जानकारी सामने आई। वह ग्रुप से जुड़े सदस्यों को मुजाहिद कहकर संबोधित करता था। एटीएस की जांच में सामने आया है कि नबील के ग्रुप में जिहाद, चाकू, केमिकल व प्लान के लिए ट्रिप, पेन, जूस और प्रोजेक्ट जैसे कोडवर्ड इस्तेमाल किए जाते थे। इस ग्रुप में आरोपी नबील ने अलकायदा के आतंकी अनवर उल अवलाकी की लिखी किताब जिहाद करने के 44 तरीके साझा की थी। सभी सदस्यों से इसे पढ़ने की अपील की थी। नबील ने एक्यूआईएस के पूर्व प्रमुख आतंकी मौलाना आसिम उमर की लिखी किताब तीसरी जंग-ए-अजीम और दज्जाल भी शेयर की गयी है। आरोपी नबील फ्लेम्स आफ वार जैसे कई अन्य संदिग्ध व्हाट्सएप ग्रुप्स में भी जुड़ा है। इन ग्रुपों में बांग्लादेश, म्यांमार व सऊदी अरब के लोग भी जुड़े है। इन ग्रुप में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल-कायदा की विचारधारा को प्रसारित किया जा रहा है। एटीएस के अनुसार आरोपी नबील पाकिस्तान, तुर्की व बांग्लादेश में जाकर अपने मकसद को पूरा करने के लिए खास ट्रेनिंग लेने और बम बनाने का प्रशिक्षण हासिल करना चाहता था। उसने इसकी योजना बनाई थी। वह बम बनाने के तरीकों से जुड़े वीडियो भी देखता था। ग्रुप पर पोटेशियम नाइट्रेट हासिल करने को लेकर की गई चैटिंग भी मिली है।

एनआईए ने लश्कर...

आगे गिरफ्तारियां की जा सकती हैं। इससे पहले एजेंसी ने 22 अगस्त को श्रीनगर, कुपवाड़ा, अनंतनाग, पुलवामा और बडगाम में 10 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। बता दें कि एनआईए की यह जांच 31 मार्च 2026 की देर रात एक नाकाबंदी पर लश्कर से जुड़े एक शख्स की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुई थी। उसके पास से एक हैंड ग्रेनेड और कारतूस बरामद हुए थे। इसके बाद कुछ पाकिस्तानी नागरिकों की गिरफ्तारी से स्थानीय सहायता नेटवर्क के सदस्यों की पहचान उजागर हुई। पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए एनआईए वित्तीय लेन-देन, संचार तंत्र, आरोपियों की आवाजाही और हथियारों की आपूर्ति की भी गहन जांच कर रही है।

लेखपाल भर्ती ...

परीक्षा का रिजल्ट 11 सितंबर 2026 को जारी किया है। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकते हैं। इस परीक्षा के जरिए 7,994 लेखपाल पदों पर भर्ती होनी है। मुख्य लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर कुल 28,409 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को अब अभिलेख परीक्षण (डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन) की प्रक्रिया से गुजरना होगा। आयोग ने कहा कि यह मुख्य लिखित परीक्षा का रिजल्ट है, अंतिम चयन सूची नहीं है। अंतिम चयन दस्तावेज सत्यापन और आगे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी होगा।

हर बच्चे को पढ़नी और...

इसके बाद लखनऊ में पुस्तक महोत्सव शुरू हुआ। इसका जब अच्छा परिणाम मिला तो मैंने गोरखपुर में भी पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का सुझाव दिया। वहां लखनऊ से भी ज्यादा लोग पहुंचे और अधिक पुस्तकों की बिक्री हुई। इससे यह धारणा पूरी तरह गलत साबित हुई कि आज का युवा पुस्तक नहीं पढ़ता। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी व्यक्ति की तरह ही समाज और राष्ट्र भी तब बीमार होता है, जब उसकी क्षमता समाप्त होने लगती है और वह अपनी विरासत से दूरी बनाने लगता है। पहले भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को संकुचित दायरे में बांधने का प्रयास किया गया, जिसके परिणाम सहने पड़े। उत्तर प्रदेश की धरती भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लखनऊ से करीब 70 किलोमीटर दूर नैमिषारण्य में ऋषियों ने चिंतन और ज्ञान की परंपरा को आगे बढ़ाया। काशी ज्ञान और संवाद की भूमि रही है। इसी प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित शुक्रतीर्थ में करीब 5 हजार वर्ष पहले श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा के वाचन की परंपरा जुड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि पुस्तक महोत्सव युवाओं, छात्रों, लेखकों और प्रकाशकों को मंच उपलब्ध कराता है। यहां युवा विभिन्न ज्ञानवर्धक, मनोरंजक और रोचक पुस्तकों को देख सकते हैं, उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगले 9 दिनों तक चलने वाले गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 में पुस्तकों के विमोचन के साथ लेखकों से संवाद और उनकी रचनात्मक यात्रा को समझने का अवसर भी मिलेगा। आत्मकथाओं के माध्यम से महापुरुषों के जीवन संघर्ष को जाना जा सकता है। वैज्ञानिकों के शोध और उनकी यात्राओं को पुस्तकों के माध्यम से समझा जा सकता है। यह रचनात्मकता को आगे बढ़ाने और जीवन में नई दिशा देने का माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री ने भारतीय ऋषि परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि ज्ञान को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। हमारी परंपरा ज्ञान को चारों ओर से आने देने के लिए द्वार खुले रखने की पक्षधर रही है। केवल स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय जाकर पाठ्यक्रम पढ़ लेना ही व्यक्ति को पूर्ण रूप से ज्ञानवान नहीं बनाता। समाज, देश और दुनिया को समझने के लिए अलग-अलग विषयों और विचारों से परिचित होना जरूरी है। भारत की ज्ञान परंपरा श्रुति और स्मृति से आगे बढ़कर शास्त्रों, पांडुलिपियों, ताम्रपत्रों और विभिन्न अभिलेखों के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ी। लखनऊ साहित्य की पुरानी भूमि है और यहां से अनेक साहित्यकारों ने अपनी कालजयी रचनाओं के माध्यम से देश-समाज को दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल युग ने गांव और शहर की दूरी कम करने का काम किया है। उन्होंने ग्राम सचिवालयों का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले ग्राम प्रधान गांव की व्यवस्था अपने घर से संचालित करता था। सरकार ने ग्राम सचिवालय की व्यवस्था विकसित की और उसमें केवल प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी के बैठने की व्यवस्था नहीं की, बल्कि ग्रामीणों के लिए कॉन्फ्रेंस रूम और डिजिटल लाइब्रेरी भी बनाई। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों में पुस्तकालय की व्यवस्था की गई है। इनमें नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। पहले सरकारों ने युवाओं और ग्रामीणों को प्लेटफार्म नहीं दिया, इसके बावजूद प्रतिभा के कम उपयोग के लिए उनके बारे में गलत शब्दों का इस्तेमाल किया जाता था। सुविधा मिलने पर वही युवा और ग्रामीण अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बेसिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले इन स्कूलों की स्थिति ऐसी थी कि उनके भवन और व्यवस्थाएं जर्जर नजर आती थीं। जब सरकारें ही जर्जर थीं तो सिस्टम का जर्जर होना स्वाभाविक था। प्रदेश में ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से स्कूलों की तस्वीर बदली गई। भवनों का निर्माण हुआ और स्मार्ट क्लास की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। चित्रकूट का उदाहरण देते हुए सीएम ने बताया कि जब मैं वहां गया तो स्थिति बेहद खराब थी। एक वर्ष बाद जब मैं दोबारा पहुंचा तो एक विद्यालय में तीसरी कक्षा की छात्रा ने डिजिटल लाइब्रेरी संचालित करके दिखाई और पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री भी प्रदर्शित की। पहले सुविधा नहीं थी, इसलिए बच्ची अपनी क्षमता प्रदर्शित नहीं कर पाती थी। सुविधा मिलने के बाद वही बच्ची आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा दिखा रही थी। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे अपनी जरूरत के अनुसार किताबें खरीदने और पढ़ने की आदत विकसित करें। उन्होंने कहा कि जब भी कोई पुस्तक खरीदने का अवसर मिले तो पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ रचनात्मकता और सकारात्मक सोच विकसित करने वाली पुस्तकों को भी प्राथमिकता दें। अच्छी साहित्यिक कृति, धार्मिक ग्रंथ, किसी महापुरुष की आत्मकथा या वैज्ञानिक के शोध से जुड़ी पुस्तक व्यक्ति को जीवनभर प्रेरणा दे सकती है। सीएम ने युवाओं से अपना 'बुक बैंक' बनाने की अपील करते हुए कहा कि खाली समय में पुस्तक पढ़ने की आदत जीवन में नई दिशा दे सकती है। कोई भी मंजिल कठिन नहीं है। युवाओं को अपनी राह स्वयं तैयार करनी है और पुस्तक मेले इस राह को बनाने में महत्वपूर्ण प्लेटफार्म साबित हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने गोमती पुस्तक महोत्सव आयोजन के लिए आयोजकों, नेशनल बुक ट्रस्ट व सहयोगी संस्थाओं का आभार जताते हुए कहा कि पुस्तक मेले को केवल लखनऊ तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे प्रदेश के अन्य स्थानों तक व्यापक रूप से ले जाने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश सरकार इसके लिए पूरा सहयोग करेगी। प्रदेश सरकार नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकों की सबसे बड़ी खरीदार है। गांवों, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय उपलब्ध कराने का काम किया जा रहा है। यह आज की आवश्यकता है और ज्ञान की इस परंपरा को और व्यापक बनाने की जरूरत है।

मोदी ने वंश परंपरा...

आत्मनिर्भर और विकसित उत्तर प्रदेश' होगी। गांव, विकासखंड और जिला स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। सात अक्तूबर को प्रदेश स्तर पर होने वाले आयोजन में चयनित बच्चों को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्तूबर के बीच 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम भी चलेगा। मलिन बस्तियों, घाटों, देवालयों और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता एवं सेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और आम लोग इनमें भाग लेंगे। अभियान के साथ 'एक पेड़ मां के नाम', रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, मतदाता जागरूकता, वोकल फॉर लोकल, गोसेवा और युवाओं की करियर काउंसलिंग जैसे कार्यक्रम भी जोड़े जाएंगे। आईटीआई, पॉलिटेक्निक, तकनीकी संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप को जोड़कर 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' भी आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 120 स्टार्टअप कार्यरत थे, जबकि अब इनकी संख्या 24 हजार से अधिक हो गई है। अटल टिंकरिंग लैब, इनक्यूबेटर सेंटर के साथ ड्रोन, रोबोटिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी से जुड़े विद्यार्थियों और युवाओं को भी इसमें शामिल किया जाएगा। प्रदेश में 'राष्ट्र के रंग, सेवा के रंग और राष्ट्र के संग' थीम पर रंगोली प्रतियोगिताएं भी होंगी। अलग-अलग स्थानों पर रंगोली के माध्यम से देश की प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। पंचायत और नगर निकाय के जनप्रतिनिधियों के साथ 'सुशासन सेवा संवाद' का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानसेवक तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सेवाकाल नए भारत के निर्माण के संकल्प और उसे साकार करने के निरंतर प्रयासों की प्रेरणादायी मिसाल है। उनकी यह यात्रा हम सभी को राष्ट्रसेवा के लिए निरंतर आगे बढ़ने और अपने संकल्पों को पूरा करने की प्रेरणा देती है।

जग्गू गैंग का गुर्गा अमृत डालम मोल्दोवा से डिपोर्ट, पंजाब पुलिस ने दबोचा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से जग्गू भगवानपुरिया गैंग के प्रमुख गुर्गे और भगोड़े अपराधी अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत दालम को मोल्दोवा गणराज्य से डिपोर्ट करके भारत लाया गया है। पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स और ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्राडिशन सेल ने उसे अपने कब्जे में ले लिया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि अमृत दालम हत्या, हत्या के प्रयास, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), शस्त्र अधिनियम तथा नशीले पदार्थों से संबंधित कई मामलों में वांछित है। उसे 24 फरवरी को मोल्दोवा के अधिकारियों ने उस समय हिरासत में ले लिया था, जब वह ओटासी राज्य की सीमा पार कर यूक्रेन जाने का प्रयास कर रहा था। इसके बाद पंजाब के ओएफटीईसी के



चिसीनाउ ने 26 मई को अमृतपाल सिंह को भारत वापस भेजने की अनुमति प्रदान की। हवालगी के आदेश के खिलाफ उसकी अपील को कोर्ट ऑफ अपील सेंटरू ने 16 जुलाई को खारिज कर दिया, जिसके बाद हवालगी का आदेश अंतिम हो गया। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि इसके बाद पंजाब पुलिस की चार सदस्यीय टीम उसे भारत वापस लाने के लिए मोल्दोवा भेजी गई। एसपी एजीटीएफ बिक्रमजीत सिंह बराड़ के नेतृत्व वाली इस टीम में इंस्पेक्टर पुषविंदर सिंह, एसआई जसप्रीत सिंह और एएसआई वरिंदर कुमार थे। पंजाब पुलिस की टीम ने शुक्रवार को मोल्दोवा के चिसीनाउ एयरपोर्ट से उसे हिरासत में लिया और टीम शनिवार सुबह नई दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पहुंची। माध्यम से उसकी हवालगी की प्रक्रिया शुरू की गई। इस प्रक्रिया के दौरान कोर्ट ऑफ उन्होंने कहा कि अब उसके खिलाफ कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ब्रिक्स बाजार में दिखी भारत-ईरान की सांस्कृतिक झलक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय में आयोजित 'ब्रिक्स बाजार' में भारत और ईरान के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव की झलक देखने को मिली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की बेटी जहरा पेजेश्कियन अपने पति हसन मजीदी के साथ ईरान पवेलियन पहुंचीं। इस दौरान केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने जहरा पेजेश्कियन का स्वागत किया और उन्हें ब्रिक्स बाजार का भ्रमण कराया। उन्होंने ब्रिक्स के सदस्य और साझेदार देशों की ओर से प्रदर्शित कला, हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्तुओं और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा। उन्होंने वहां मौजूद कारीगरों और प्रतिनिधियों से बातचीत की तथा उनके द्वारा प्रदर्शित कला और हस्तशिल्प के बारे में जानकारी ली। दिल्ली के क्राफ्ट्स म्यूजियम में आयोजित इस प्रदर्शनी में 18 देशों के 40 से अधिक कारीगर, डिजाइनर और रचनात्मक क्षेत्र से जुड़ी कंपनियां अपनी पारंपरिक कला और हस्तशिल्प का प्रदर्शन कर रही हैं। यह प्रदर्शनी 15 सितंबर तक चलेगी। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान कई विदेशी मेहमानों और



उनके परिवार के सदस्यों के भी इस प्रदर्शनी का दौरा करने की उम्मीद है। ब्रिक्स बाजार में चीन की सूझोउ कढ़ाई, इंडोनेशिया की पारंपरिक बुनाई, नाइजीरिया की लकड़ी और लौकी से बनी कलाकृतियां तथा दक्षिण अफ्रीका की जुलू चमड़ा कला समेत विभिन्न देशों की प्रामाणिक कला, हस्तशिल्प, हथकरघा, वस्त्र और कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं। यहां आने वाले विदेशी डेलीगेट्स को कारीगरों को अपनी कला का निर्माण करते हुए देखने का अवसर भी मिल रहा है। इसके अलावा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भारत की ओर से भी चार कारीगर अपनी पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें रियाज अहमद कश्मीरी पेपर मेश, मोहम्मद बिलाल खत्री ब्लॉक प्रिंट, करण सिंह टेराकोटा कला और शादाब अहमद लाख की चूड़ियां बनाने की कला प्रस्तुत कर रहे हैं। ब्रिक्स के सदस्य और साझेदार देशों के लिए लगाए गए स्टॉल के अलावा मेजबान भारत ने देश की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने के लिए अलग-अलग राज्यों के विशेष कोने भी बनाए हैं। प्रदर्शनी स्थल पर जम्मू-कश्मीर की झोपड़ी, राजस्थान का आंगन, गुजरात की झोपड़ी, ओडिशा का आंगन, बंगाल की झोपड़ी और बिहार का आंगन तैयार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

फिरोजपुर जिला अदालत परिसर को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने खाली कराया परिसर

फिरोजपुर। फिरोजपुर के जिला अदालत परिसर में शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अदालत के आधिकारिक ई-मेल पर बम धमकी का संदेश मिला। एहतियात के तौर पर पुलिस ने पूरे परिसर को खाली करवा दिया और आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। सुरक्षा एजेंसियों ने कई घंटे तक परिसर में तलाशी अभियान चलाया। यह धमकी उस दिन मिली, जब जिला अदालत परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होना था। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं, लेकिन धमकी के बाद पुलिस ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए परिसर खाली करवाया। सुरक्षा जांच के चलते अदालत की कार्यवाही भी सुबह 11.30 बजे तक स्थगित रही। एसपी दलवीर सिंह, डीएसपी (डी) बरजिंदर सिंह, डीएसपी (ग्रामीण) करण शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते की मदद से अदालत परिसर के कमरों, कार्यालयों, गलियारों और अन्य हिस्सों की गहन तलाशी ली, लेकिन तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। एसपी दलवीर सिंह ने बताया कि पूरे परिसर की अच्छी तरह जांच की गई है और अब तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। उन्होंने कहा कि धमकी को गंभीरता से लिया जा रहा है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। तकनीकी टीमें धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति का पता लगाने में जुटी हैं। फिरोजपुर जिला अदालत परिसर को करीब नौ महीनों में यह पांचवीं बार धमकी मिली है। इससे पहले 8 जनवरी, 6 अप्रैल, 12 अगस्त और 26 अगस्त को भी धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए थे। बार-बार मिल रही ऐसी धमकियों से वकीलों, न्यायिक अधिकारियों और अदालत आने वाले लोगों में चिंता बढ़ गई है और न्यायिक कामकाज भी प्रभावित हो रहा है।

सिकंदरपुर में चैती भद्रकाली पूजा पर घमासान

भागलपुर। जिले के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर में चैती भद्रकाली महारानी की सदियों पुरानी पारंपरिक पूजा को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले ने न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाई है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्षों से जिस स्थान पर पुश्तैनी परंपरा के अनुसार मां भद्रकाली की पूजा-अर्चना की जा रही थी, वहां अब जबरन रोक लगाने का सनसनीखेज आरोप सामने आया है। सिकंदरपुर निवासी चंदन सिन्हा ने इस पूरे मामले को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी को एक लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में चंदन सिन्हा ने सीधा आरोप लगाया है कि कुछ असामाजिक तत्व भू-माफियाओं के साथ मिलकर उनकी पुश्तैनी पूजा को जबरन रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायत में अमित कुमार, सुमित कुमार और आनंद शंकर नामक व्यक्तियों को नामजद करते हुए कहा गया है कि इन लोगों द्वारा न सिर्फ पूजा करने से मना किया जा रहा है, बल्कि पूजा जारी रखने पर झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने की खुलेआम धमकी दी जा रही है। इस घटना के बाद से ही स्थानीय श्रद्धालुओं और आम जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस पूरे विवाद में सबसे बड़ा सवाल स्थानीय मोजाहिदपुर थाने की भूमिका को लेकर उठ रहा है। शिकायतकर्ता चंदन सिन्हा का दावा है कि पहले थाना स्तर से विधि-विधान पूर्वक पूजा संपन्न कराने की अनुमति दे दी गई थी। लेकिन, कुछ ही समय बाद रहस्यमयी परिस्थितियों में कथित तौर पर उसी थाने द्वारा पूजा करने पर रोक लगा दी गई। आखिर कुछ ही घंटों में पुलिसिया आदेश का रुख अचानक क्यों बदल गया? इसी सवाल को लेकर स्थानीय लोगों में भारी असमंजस और गुस्सा है। मोहल्ले के नागरिकों का कहना है कि यह मामला केवल पूजा-पाठ का नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही धार्मिक परंपरा और जन-आस्था से जुड़ा है। यदि उक्त भूखंड को लेकर कोई कानूनी या भूमि संबंधी विवाद है भी, तो उसका समाधान प्रशासनिक और कानूनी दायरे में होना चाहिए, न कि भू-माफियाओं के दबाव या धमकियों के जरिए। फिलहाल, चैती भद्रकाली महारानी की पूजा को लेकर उपजे इस विवाद ने सिकंदरपुर का माहौल पूरी तरह गरमा दिया है। अब देखना यह है कि अनुमंडल प्रशासन इस लिखित शिकायत पर क्या संज्ञान लेता है, पुलिस के रुख में आए बदलाव की क्या वजह सामने आती है और श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए इस संवेदनशील मामले का क्या समाधान निकाला जाता है।

हृदय रोगियों के लिए नई गाइडलाइन जारी

❐ इलाज के बाद जल्द सामान्य जीवन में लौटने में मिलेगी मदद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। हृदय रोगियों को इलाज के बाद बेहतर तरीके से स्वस्थ करने के लिए वर्धमान मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसका मकसद हृदय रोगियों को बीमारी के बाद दोबारा सामान्य जीवन जीने में मदद करना है। इसमें मरीज के व्यायाम, खान-पान, मानसिक स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जीवनशैली पर ध्यान देने की सलाह दी गई है। गाइडलाइन जारी करने के लिए शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में जाने-माने वैज्ञानिक और जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. निर्मल कुमार गांगुली मुख्य अतिथि रहे। डॉ. हर्षवर्धन और डॉ. विजय मोहन कोहली विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन-



एसईएआरओ की क्षेत्रीय सलाहकार डॉ. ताशी टोबगे समेत कई वरिष्ठ डॉक्टर और विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। डॉ. निर्मल कुमार गांगुली ने देश में बढ़ती हृदय संबंधी बीमारियों को देखते हुए ऐसी सेवाओं को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की जरूरत बताई। उन्होंने भारतीय परिस्थितियों के अनुसार तैयार की गई इस गाइडलाइन की सराहना की। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, नई गाइडलाइन से हृदय रोगियों की देखभाल में एकरूपता आएगी। उन्होंने कहा कि इससे मरीजों को बीमारी के बाद अपनी शारीरिक क्षमता वापस पाने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और जीवन की गुणवत्ता बेहतर करने में मदद मिलने की उम्मीद है। दिल की बीमारी से ठीक होने के बाद केवल दवा लेना ही पर्याप्त नहीं है। मरीज को सही व्यायाम, बेहतर खान-पान, तनाव कम करने और जीवनशैली में बदलाव की भी जरूरत होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्डियक रिहैबिलिटेशन यानी हृदय रोग के बाद शरीर को दोबारा मजबूत बनाने की प्रक्रिया के लिए यह गाइडलाइन तैयार की गई है। गाइडलाइन तैयार करने वाली टीम की प्रमुख सदस्य डॉ. सुमन बादल ने बताया कि इसे भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर बनाया गया है। देश में अस्पतालों की सुविधाओं, डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता तथा मरीजों की जागरूकता में अंतर को भी इसमें ध्यान में रखा गया है। इस गाइडलाइन में कार्डियोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, डाइटिशियन, मनोवैज्ञानिक, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को मिलकर मरीज की देखभाल करने पर जोर दिया गया है। मरीज की स्थिति के अनुसार व्यायाम कराने, खान-पान सुधारने, मानसिक सहयोग देने और भविष्य में बीमारी से बचाव के उपायों पर भी ध्यान दिया जाएगा। इस मौके पर दिशा-निर्देश विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में हृदय रोगियों के पुनर्वास के लिए एक आसान, व्यवस्थित और व्यापक व्यवस्था की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक जैसे चिकित्सकीय दिशा-निर्देश होने से मरीजों को बेहतर और समान स्तर की पुनर्वास सेवाएं मिल सकेंगी। साथ ही, हृदय रोगों के इलाज में पुनर्वास को और अधिक प्रभावी तरीके से शामिल किया जा सकेगा।

जालंधर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक बदमाश को पकड़ा, पिस्तौल बरामद

जालंधर। जालंधर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को टांग में गोली मारकर गिरफ्तार किया है। वह गैंगस्टर डोनी बल गिरोह से जुड़ा हुआ है और किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की तैयारी में था। पुलिस ने बताया कि तरनतारन निवासी सुखजिंदर सिंह उर्फ प्रिंस को सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। शनिवार सुबह करीब 8 बजे पूछताछ के बाद पुलिस उसे हथियार की बरामदगी के लिए जमशेरपुर स्थित डेयरी कॉम्प्लेक्स के पास लेकर पहुंची थी। इसी दौरान उसने पुलिस को चकमा देकर मौके से भागने का प्रयास किया। पुलिस का दावा है कि भागते समय उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान कुल तीन गोलियां चलने की बात सामने आई है। फायरिंग में आरोपित की टांग में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल जालंधर में भर्ती करवाया।

प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर उत्तराखंड में सेवा संकल्प अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उत्तराखंड में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने शनिवार को अपने सुभाष रोड स्थित कैंप कार्यालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन, लोक निर्माण, धर्मस्व, संस्कृति, सिंचाई, लघु सिंचाई, एवं ग्रामीण निर्माण के अधिकारियों के साथ बैठक कर कहा कि सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों, गैस वितरण केन्द्रों, राशन की दुकानों, प्रमुख



धार्मिक स्थलों और गंगा तटों पर जनभागीदारी से दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम आयोजित कर कार्यक्रम के फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किये जायें। कैबिनेट मंत्री महाराज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवा संकल्प अभियान के तहत पीएम मोदी की जनसेवा की यात्रा और सेवा-विकास के कामों को जन-जन तक पहुँचाने और युवाओं को सेवा कार्यों में जोड़ने का प्रयास करना चाहिए ताकि अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं के लाभ और उसकी जानकारी पहुंच सके। उन्होंने कहा कि सभी विभाग रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, गरीब कल्याण के कार्य, ब्लॉक स्तर पर 'सेवा सेतु', प्रदर्शनियां, सेमिनार आदि आयोजित करने के साथ-साथ संस्कृति विभाग में पंजीकृत दलों के माध्यम से पंचायत स्तर पर मंचन तथा सहभागिता करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह सिर्फ जन्मदिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनमानस तक पहुँचाने का एक वृहद अभियान है। इसलिए प्रत्येक जिले में जन-जन की सरकार जन-जन के द्वारा कार्यक्रम के अंतर्गत शिविर आयोजित किए जाएं।

तरनतारन में सरहाली थाने पर ग्रेनेड हमले के आरोपित की गोली मारकर हत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तरनतारन। जिले के नौशहरा पन्नूआं गांव में शुक्रवार देर रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका नाम वर्ष 2022 में सरहाली थाने पर हुए रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड हमले के मामले में सामने आया था। वह इस मामले में बठिंडा जेल में बंद रहा था और फिलहाल जमानत पर बाहर आया हुआ था। पुलिस के मुताबिक अजमीत सिंह गांव के सरकारी अस्पताल के बाहर मौजूद था। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे और उस पर गोलियां चला दीं। हमले में गंभीर रूप से घायल अजमीत सिंह ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। अजमीत सिंह की हत्या



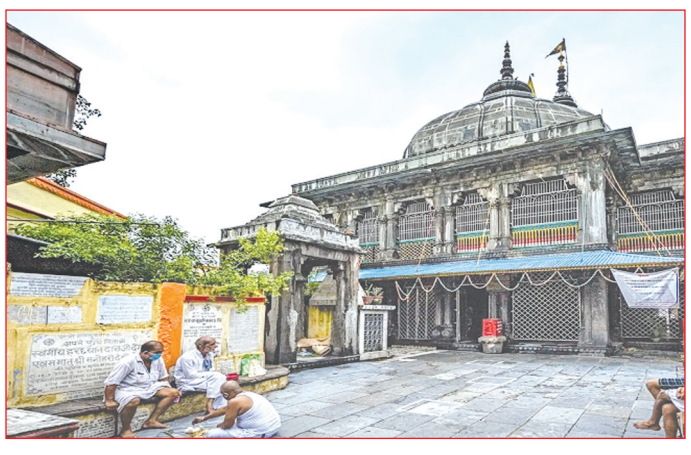
के पीछे क्या वजह रही, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस पुरानी रंजिश, आपराधिक विवाद और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। हमलावरों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस जांच में अजमीत सिंह का नाम 9 दिसंबर, 2022 को सरहाली थाने पर हुए आरपीजी हमले के दौरान सामने आया था। उस समय रात करीब 11:18 बजे दो नाबालिग हमलावरों ने थाने की इमारत को आरपीजी-26 से निशाना बनाया था।

गयाजी में 25 सितंबर से शुरू होगा पितृपक्ष मेला, 70 हजार श्रद्धालुओं के आवासन की तैयारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। मोक्ष की भूमि गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से शुरू होगा। 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करेंगे। सामान्य श्रद्धालुओं के लिए पितृपक्ष मेला 16 दिनों का होगा, जबकि त्रैपाक्षिक श्राद्ध करने वाले श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक अनुष्ठान 11 अक्टूबर तक जारी रहेगा। मेले को लेकर जिला प्रशासन करीब 70 हजार लोगों के ठहरने की क्षमता विकसित कर रहा है।

पितृपक्ष मेले में श्रद्धालु अपनी सुविधा और धार्मिक परंपरा के अनुसार एक, तीन, पांच, सात या नौ दिनों तक गयाजी में रहकर पिंडदान करते हैं। गयापाल पंडा एवं विष्णुपद प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य मणिलाल बारिक के अनुसार, इस बार 25 सितंबर से पिंडदान और श्राद्ध का सिलसिला शुरू होगा। अलग-अलग तिथियों पर गयाजी के विभिन्न पिंडवेदी स्थलों पर निर्धारित कर्मकांड संपन्न होंगे। मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने आवासन, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य, परिवहन और सुरक्षा पर विशेष जोर दिया है। पर्यटन विभाग की ओर से भी श्रद्धालुओं के लिए 2,500 बेड की क्षमता वाली टेंट सिटी, अस्थायी पर्यटक सूचना केंद्र और हेल्पलाइन की व्यवस्था की जा रही है। 25 सितंबर को अनन्त चतुर्दशी के दिन पुनपुन में पिंडदान और गयापाल तीर्थपुरोहित की पांव पूजा का विधान है। 26 सितंबर को फल्गु स्नान, श्राद्ध और पांव पूजा होगी। 27 सितंबर को ब्रह्मकुंड में जौ के चूर्ण से पिंडदान के साथ प्रेतशिला, रामशिला और रामकुंड में श्राद्ध तथा काकबली में पिंडदान किया जाएगा। 28 सितंबर को पंचतीर्थ श्राद्ध के तहत उत्तरमानस, उदीची, कनखल, दक्षिणमानस और जिह्वालोल में कर्मकांड होगा। 29 सितंबर को सरस्वती स्नान, पंचरत्न दान, मातंगवापी और धर्मारण्य कूप में श्राद्ध तथा बोधगया में बोधितरू दर्शन का विधान है। 30 सितंबर को ब्रह्मसरोवर और काकबली श्राद्ध के साथ आम्रसिंचन में



पिंडदान किया जाएगा। 1 अक्टूबर को रुद्रपद, ब्रह्मपद और विष्णुपद में श्राद्ध होगा। इस दिन खीर और मावा के पिंड से पिंडदान तथा गयापाल तीर्थपुरोहित की पांव पूजा होगी। 2 अक्टूबर को कार्तिकपद, दक्षिणाग्निपद और गार्हपत्याग्निपद श्राद्ध तथा 3 अक्टूबर को सूर्यपद, चंद्रपद, गणेशपद, संध्याग्निपद, आवसंध्यग्निपद और दधीचीपद में श्राद्ध किया जाएगा। 4 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी के अवसर पर कण्वपद, मातंगपद, क्रौंचपद, अगस्त्यपद, इन्द्रपद, कश्यपपद और गजकर्णपद में श्राद्ध होगा। सीताकुंड में बालू से पिंडदान, रामगया श्राद्ध, दूध तर्पण और अन्नदान का भी विधान है। 5 अक्टूबर को गयासिर और गयाकूप में त्रिपिंडी श्राद्ध किया जाएगा, जिसे पितृदोष और प्रेतदोष निवारण से जुड़ा कर्मकांड माना जाता है। 6 अक्टूबर को मुण्डपृष्ठा, आदि गदाधर और धौतपद में श्राद्ध होगा। 7 अक्टूबर को भीमगया, गौप्रचार और गदालोल श्राद्ध, जबकि 8 अक्टूबर को भगवान विष्णु का पंचामृत स्नान-पूजन और फल्गु में दुग्ध तर्पण किया जाएगा। 9 अक्टूबर को वैतरणी सरोवर पर गोदान और तर्पण तथा 10 अक्टूबर को अमावस्या के दिन अक्षयवट में श्राद्ध, खीर से पिंडदान, सुफल और पितृ विसर्जन का विधान है। त्रैपाक्षिक श्राद्ध करने वालों के लिए 11 अक्टूबर को गायत्री घाट पर दही-चावल से पिंडदान, आचार्य को दक्षिणा और पितृ विदाई का कर्मकांड होगा।

70 हजार लोगों के आवासन की तैयारी

श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन करीब 70 हजार लोगों के ठहरने की व्यवस्था कर रहा है। गांधी मैदान में 2,500 बेड की टेंट सिटी तैयार की जा रही है। इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए सस्ता भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। जीविका दीदियों की रसोई के माध्यम से 25 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराने की योजना है। पर्यटन विभाग की ओर से भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थायी पर्यटक सूचना केंद्र, विशेष हेल्पलाइन, प्रशिक्षित गाइड और ई-रिक्शा की व्यवस्था की जा रही है। फल्गु नदी के तट पर महाआरती का आयोजन भी प्रस्तावित है। ई-पिंडदान और यात्रा पैकेज की सुविधा भी उपलब्ध कराने की तैयारी है।

पांच जोन और 54 सेक्टर में बांटा गया मेला क्षेत्र

स्वच्छता व्यवस्था के लिए नगर क्षेत्र को पांच जोन और 54 सेक्टर में बांटा गया है। मेला क्षेत्र में 364 स्थायी और 579 प्री-फैब्रिकेटेड अस्थायी शौचालय बनाए जा रहे हैं। इसके साथ 134 स्नानागार और 74 चेंजिंग रूम की व्यवस्था होगी। सड़कों को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम 53 पथों तथा पथ निर्माण विभाग 35 मुख्य सड़कों की मरम्मत करा रहा है। पेयजल के लिए 280 चापाकल, 54 प्याऊ, 890 नल, 22 वाटर टैंकर और दो वाटर एटीएम उपलब्ध रहेंगे।

73 स्वास्थ्य शिविरों में 125 डॉक्टर तैनात

श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को देखते हुए मेला क्षेत्र में 73 स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इनमें 125 डॉक्टर, 178 पैरामेडिकल कर्मी और 52 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तैनात रहेंगे। आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है। आगमन के लिए 50 रिंग बस और 150 ई-रिक्शा निशुल्क संचालित किए जाएंगे। बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं को पिंडवेदी तक पहुंचाने में स्काउट-गाइड, एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवक व्हीलचेयर के साथ सहायता करेंगे।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063